ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

मंत्री प्रियांक खड़गे ने अपने खिलाफ भाजपा के आरोपों को किया खारिज @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । सोमवार, 30 दिसंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-360

पाकिस्तान-बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकियां भारत के लिए खतरे की घंटी

1971 में खदेड़ी गई पाकिस्तानी सेना फिर बांग्लादेश में घुसने को तैयार?

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में अब कुछ ऐसा हो रहा है जिसकी कल्पना खुद बांग्लादेश में रह रही आम जनता आजादी के बाद से कभी नहीं की होगी। सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश की राजधानी ढाका में एक बार फिर लौटने का मन बना रही है।अगर ये हुआ तो 1971 के बाद पहली बार पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश में दाखिल होगा। अब ऐसे में ये देखना काफी अहम होगा कि क्या एक बार फिर बांग्लादेश में वैसे ही हालात बनने वाले हैं जो 1971 यानी बांग्लादेश की आजादी से पहले थे। बांग्लादेश में पाकिस्तानी सेना की वापसी की खबर एक पड़ोसी के तौर पर भारत के लिए भी चिंता बढ़ाने वाली है। कहा जा रहा है कि बीते दिनों बांग्लादेश की सेना और पाकिस्तानी सेना के बीच एक गुप्त समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत अब पाकिस्तानी सेना बांग्लादेशी सेना को ट्रेनिंग देगी। ये ट्रेनिंग अगले साल फरवरी में शुरू होगी। बताया तो यहां तक जा रहा है कि पाकिस्तान के मेजर जनरल रैंक के अधिकारी बांग्लादेशी सेना को विशेष ट्रेनिंग देने ढाका आएंगे। यह ट्रेनिंग बांग्लादेश के चार कैंट में होगी। जिन कैंट्स में ये ट्रेनिंग होगी उसे भी चिन्हित करने का काम पूरा हो चुका है।

आपको बता दें कि 1971 में

एक समझौते के तहत आने की है तैयारी

पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद करीब 20 सालों तक बांग्लादेशी सेना में पाकिस्तान के ट्रेन्ड अधिकारियों का बोलबाला था। बताया जाता है कि इन अधिकारियों का काम खास तौर भारत विरोधी विचारधारा को बांग्लादेशी सेना में और मजबूती देने का था। जनरल जियाउर रहमान और लेफ्टिनेंट जनरल एचएम इरशाद ऐसे ही अधिकारी थे जो बांग्लादेशी सेना में भारत विरोधी विचारधारा को फैलाने के लिए जाने जाते हैं। अब जब 1971 के बाद एक बार फिर पाकिस्तानी सेना बांग्लादेश आने की तैयारी में है तो इस बात की काफी आशंका है कि बांग्लादेशी सेना में एक बार फिर भारत विरोधी विचारधारा को और बढ़ावा दिया जा सकता है।

अब जब पाकिस्तानी अफसरों द्वारा बांग्लादेशी सेना को ट्रेनिंग की बात सामने आई है तो इससे ये भी साफ है कि ऐसा हुआ तो कुछ हद तक ही सही लेकिन भारत की चिंता भी जरूर बढ़ेगी। ऐसा इसलिए भी क्योंकि भारत को अब पाकिस्तान से दो मोर्चों पर सतर्क और लड़ना पड़ सकता है। आज से पहले तक भारत अन्य देशों की सीमाओं की तुलना में पाकिस्तान से लगने वाली सीमा पर ज्यादा ध्यान केंद्रीत करती थी। लेकिन अब जब पाकिस्तानी सेना का बांग्लादेश में दाखिल होने की तैयारी में है तो इससे भारत को पाकिस्तान के साथ-साथ बांग्लादेश की सीमा पर भी पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहना पड़ेगा।

▶10 पर

मन की बात में बोले पीएम मोदी

संविधान हमारा पथ प्रदर्शक

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में कहा कि संविधान हमारा पथ प्रदर्शक है। 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं।

मन की बात के 117 वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने कहा कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहे हैं। हम सभी के लिए बहुत गौरव की बात है।

उन्होंने कहा कि हमारे संविधान निर्माताओं द्वारा सौंपा गया संविधान समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है। संविधान हमारे लिए पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने इस एपिसोड में प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ का विशेष उल्लेख किया और कहा कि अनेकता में एकता का ऐसा दृश्य विश्व में कहीं और देखने को नहीं मिलता।

उन्होंने कहा कि इसकी विशेषता इसकी विशालता में ही नहीं बल्कि इसकी विविधता में भी है। इस आयोजन में करोड़ों लोग एक साथ एकत्रित होते हैं। लाखों संत, हजारों परंपराएं, सैकड़ो संप्रदाय, अनेक अखाड़े, हर कोई इस आयोजन का हिस्सा बनता है।

उन्होंने बताया कि इस बार कुंभ के आयोजन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित चैट बोर्ड का भी

प्रधानमंत्री ने कहा महाकुंभ अनेकता में एकता का संदेश

प्रयोग किया जा रहा है फोन विराम इसके माध्यम से 11 भारतीय भाषाओं में काम से जुड़ी हुई हर जानकारी हासिल की जा सकेगी।

स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित एनीमेशन सीरीज जेबीटी-भारत हैं हम के दूसरे सीजन के आने की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बच्चों का पसंदीदा कार्यक्रम भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के उन नायकों के बारे में हमें बताता है जिनकी ज्यादा चर्चा नहीं होती। इसका दूसरा सीजन बड़े खास अंदाज में अंतरराष्ट्रीय फ़िल्म महोत्सव गोवा में लॉन्च हुआ। भारतीय फ़िल्म जगत की महान हस्तियों का भी अपने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने जिक्र किया जिनकी इस वर्ष 100वीं जयंती है। उन्होंने राज कपूर, मोहम्मद रफी, अक्किनेनी नागेश्वर राव गारू और तपन सिन्हा का उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज कपूर ने फिल्मों के माध्यम से दुनिया को भारत की सॉफ्ट पावर से परिचित कराया। वहीं रफी साहब ने हर तरह के भावों को अपनी आवाज देकर जीवंत किया है।

अगले साल भारत में आयोजित होने वाले ऑडियो विजुअल इंटरटेनमेंट सबमिट यानी वेव्स सबमिट के विषय पर बात करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें दुनिया भर के मीडिया और एंटरटेनमेंट उद्योग के दिग्गज और सृजनात्मक दुनिया के लोग भारत आएंगे। यह भारत के दुनिया के कंटेंट क्रिएशन का हब बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। मन की बात में प्रधानमंत्री ने दुनिया भर में भारत की संस्कृति के प्रचार-प्रसार से जुड़े कुछ तथ्य रखे। उन्होंने मिस्र में भारत की संस्कृति पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता और

▶10 पर

दक्षिण कोरिया, नॉर्वे और कनाडा में 24 घंटे में तीन विमान हादसे

179 लोगों ने गंवाई जान

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

ये साल जाते-जाते गहरे जख्म दे गया है । जख्म भी ऐसे जो कभी भर नहीं पाएंगे। दरअसल, बीते 24 घंटे में तीन देशों में तीन बड़े विमान हादसे हुए। पहला बड़ा प्लेन हादसा दक्षिण कोरिया में हुआ। यहां मुआन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर 181 लोगों को ले जा रहे जेजू एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, उसमें आग लग जाने से 179 लोगों की मौत हो गई। दूसरा हादसा- कनाडा के हैलिफैक्स एयरपोर्ट पर हुआ, यहां एयर कनाडा के एक विमान की एयरपोर्ट पर खतरनाक लैंडिंग हुई, जिसमें विमान रनवे से फिसल गया और लैंडिंग गियर टूट जाने के कारण उसमें आग लग गई। यह घटना तब हुई जब विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आ गई और उसके विंग्स रनवे से टकरा गए, इसके चलते उसमें आग लग गई। तीसरा हादसा- नॉर्वे के ओस्लो एयरपोर्ट पर हुआ।

सबसे पहले बात करते हैं साउथ कोरिया विमान दुर्घटना की। रविवार को साउथ कोरिया के मुआन इंटरनेशनल एय़रपोर्ट पर 181 लोगों को ले जा रहे जेजू एयर का विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में आग लगने से 179 लोगों की मौत हो गई। जबकि 2 लोगों को बचा लिया गया है। यह देश के इतिहास में सबसे घातक विमानन आपदाओं में से एक बन गई।

15 साल पुराना विमान बोइंग 737-800 जेट थाईलैंड के बैंकॉक से आया था। वह रनवे से उतर गया, लेकिन विमान का लैंडिंग गियर खराबी के कारण बंद था, और एयरपोर्ट पर सुबह 9।07 बजे (स्थानीय समय) उतरने का प्रयास करते समय वह कंक्रीट की बाड़ से टकरा गया। अधिकारियों को संदेह है कि लैंडिंग गियर में खराबी संभवतः पक्षी के टकराने के कारण हुई थी। विमान के बाढ़ से टकराते ही उसमें आग लग गई, और विमान के कुछ हिस्सों में धुआं उठा और आग की लपटें चारों तरफ फैल गईं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय अग्निशमन एजेंसी के अनुसार हादसे में 179 लोग मारे गए।

▶10 पर

गुजरात के केमिकल प्लांट में लीक हुई जहरीली गैस

चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत

भरूच, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

गुजरात में भरूच जिले के दहेज स्थित एक रासायनिक संयंत्र में जहरीली गैस का रिसाव होने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। दहेज थाने के निरीक्षक बी.एम. पाटीदार ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे 'गुजरात फ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड' (जीएफएल) की एक उत्पादन इकाई में पाइप से जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आने से कर्मचारी बेहोश हो गए। अधिकारी ने बताया कि चारों कर्मचारियों को भरूच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से तीन की रविवार तड़के करीब तीन बजे मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने सुबह छह बजे दम तोड़ दिया।

पुलिस ने बताया ''घटना रात करीब 10 बजे हुई। कंपनी के सीएमएस संयंत्र के भूतल से गुजर रहे पाइप से गैस रिसाव होने के कारण चार कर्मचारी बेहोश हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चारों की मौत हो गई।'' अधिकारी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और घटना की जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान

▶10 पर

2023-24 में भारत का रक्षा निर्यात रिकॉर्ड

32.5% की बढ़त के साथ छूआ 21,083 करोड़ का आंकड़ा

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत का रक्षा निर्यात वित्तीय वर्ष 2023-24 में ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गया है। इस वर्ष रक्षा निर्यात ने 21,083 करोड़ रुपये (लगभग 2.63 बिलियन अमेरिकी डॉलर) का आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 के मुकाबले 32.5% की उल्लेखनीय वृद्धि है। पिछले वित्तीय वर्ष में यह आंकड़ा 15,920 करोड़ रुपये था।

हालिया आंकड़े भारत के रक्षा निर्यात की जबरदस्त वृद्धि को दर्शाते हैं। पिछले 10 वर्षों में भारत का रक्षा निर्यात 31 गुना बढ़ा है। रक्षा मंत्रालय की वर्षांत समीक्षा के अनुसार, 2004-05 से 2013-14 के बीच कुल रक्षा निर्यात 4,312 करोड़ रुपए था, जबकि 2014-15 से 2023-24 के बीच यह आंकड़ा 88,319 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

आठ वर्षों के रक्षा निर्यात का तुलनात्मक विश्लेषण

(संख्या करोड़ रुपए में)

2016-17	:	1,521
2017-18	:	4,682
2018-19	:	10,745
2019-20	:	9,115
2020-21	:	8,434
2021-22	:	12,814
2022-23	:	15,920
2023-24	:	21,083

इस उपलब्धि में निजी क्षेत्र और रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों (डीपीएसयू) का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कुल रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र ने 60% और डीपीएसयू ने 40% का योगदान दिया। भारत फिलहाल 85 से अधिक देशों को हथियार प्रणालियां और रक्षा उत्पाद निर्यात कर रहा है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 में रक्षा निर्यात प्राधिकरणों की संख्या भी बढ़ी है।

▶10 पर

संतोष देशमुख हत्या मामला

महाराष्ट्र में सड़कों पर उतरा मराठा समाज

मुंबई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के बीड में सरपंच संतोष देशमुख की हत्या का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। अब हत्याकांड के खिलाफ मराठा समाज मोर्चा सड़क पर उतर आया है। मोर्चा के नेता सूर्याजी सोनावले ने इसे लेकर प्रदेश सरकार और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सूर्याजी सोनावले ने न्यूज एजेंसी से बातचीत करते हुए बताया सरपंच संतोष देशमुख की हुई

हत्या में सरकार के एक बड़े नेता का हाथ...?

▶10 पर

नया साल मनाने के खिलाफ फतवा जारी

मुसलमानों को ऐसा न करने की हिदायत

बरेली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

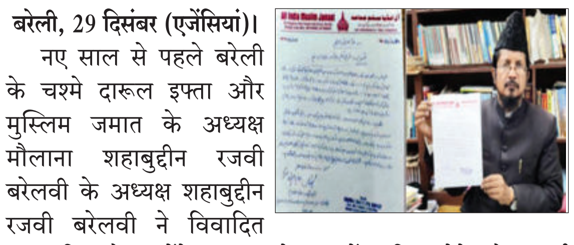

नए साल से पहले बरेली के चश्मे दारूल इफ्ता और मुस्लिम जमात के अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी के अध्यक्ष शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने विवादित बयान दिया है। उन्होंने नए साल के जश्न में शामिल होने और बधाई देने के खिलाफ फतवा जारी किया है।

उन्होंने मुसलमानों को ऐसा न करे की हिदायत दी है। उन्होंने कहा कि ऐसा करने वाले शरीयत की नजर में मुजरिम हैं। मुसलमान ऐसा काम हरगिज न करें। उन्होंने वीडियो जारी कर कहा कि जनवरी जो अंग्रेजी कैलेंडर का नया साल है, उसे मनाना मुसलमानों के लिए उचित नहीं है। इसमें यह भी कहा गया है कि कई मुसलमान लड़के और लड़कियां नए साल का जश्न मनाते हैं और एक-दूसरे को मुबारकबाद देते हैं, जो ईसाइयों का धार्मिक रस्म है। इस्लाम में किसी भी दूसरे धर्म के धार्मिक रस्मों में शामिल होना या उनका पालन करना मना है।

▶10 पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 78,700/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 89,680/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}

न्यूनतम : 20^{0}

14000 फीट की ऊंचाई पर शिवाजी महाराज की विशाल प्रतिमा का अनावरण

लद्दाख में भारत का चीन को कड़ा संदेश

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने एक बार फिर अपनी संप्रभुता और ताकत का प्रदर्शन करते हुए चीन को एक मजबूत संदेश दिया है। भारतीय सेना ने लद्दाख में पैंगोंग त्सो झील के किनारे 14,300 फीट की ऊंचाई पर स्थित छत्रपति शिवाजी महाराज की एक विशाल और भव्य प्रतिमा का अनावरण किया है। यह ऐतिहासिक कदम भारत की सैन्य शक्ति और दृढ़ता का प्रतीक है।

26 दिसंबर 2024 को आयोजित इस कार्यक्रम में भारतीय सेना के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रतिमा का अनावरण लेफ्टिनेंट जनरल हितेश भल्ला ने किया। इस अवसर पर जीओसी फायर एंड फ्यूर कॉर्प्स के अधिकारी और मराठा लाइट इन्फैंट्री के जवान भी उपस्थित थे।

भारतीय सेना के आधिकारिक सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर firefurycorps ने इस उपलब्धि की जानकारी साझा की। पोस्ट में लिखा गया- 26 दिसंबर 2024 को पैंगोंग त्सो के तट पर 14,300 फीट की ऊंचाई पर श्री छत्रपति शिवाजी महाराज की भव्य प्रतिमा का उद्घाटन किया गया। यह प्रतिमा वीरता, दूरदर्शिता और अटल न्याय का प्रतीक है।

बता दें कि छत्रपति शिवाजी महाराज को भारतीय इतिहास में अभूतपूर्व वीरता और दूरदर्शिता के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। उनकी विरासत आज भी न केवल मराठा समुदाय, बल्कि पूरे भारत के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। उनकी प्रतिमा का अनावरण करते समय भारतीय सेना ने शिवाजी महाराज के उन मूल्यों को सम्मानित किया, जो न्याय, दृढ़ता और साहस का प्रतिनिधित्व करते हैं।

लद्दाख का पैंगोंग त्सो इलाका लंबे समय से भारत और चीन के बीच तनाव

▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

रिश्तों में हमारा आकर्षण होना चाहिए आध्यात्मिक: साध्वी सुयशा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर में विराजित साध्वी सुधाकंवर के सानिध्य में साध्वी सुयशा ने कहा कि हमारा यह जीवन परमात्मा द्वारा दिया हुआ सुन्दर उपहार है। प्रकृति की तरफ से हमे सब सामग्री मिलती है, लेकिन यह हम पर निर्भर है कि हमे पुण्य की सामग्री लेना या पाप की। हम प्रकृति से क्या ले सकते है और क्या छोड़ सकते है यह हमारे हाथ में है।

जीवन को किस तरह से जीना है यह जिम्मेदारी हमारी स्वयं की है। इस जीवन को हमने स्वयं बनाया है। इस जीवन निर्माण का दायित्व हमारा स्वयं का है। जीवन जीने के दो तरीके हैं। एक हमारी स्वयं की मर्जी से जीना और दूसरा परमात्मा की मर्जी से जीना। हम अपनी मर्जी से जीयेंगे तो हमे क्षणिक आनंद मिलेगा और परमात्मा की मर्जी से जीयेंगे तो भव भव का आनंद प्राप्त होगा। इस पुण्य की सामग्री की वजह से ही हमें धर्म का प्लेटफार्म मिला है। यह अब हमारा कर्तव्य है कि पुरुषार्थ द्वारा किस प्रकार हम इस जीवन को जीते है।

उन्होंने कहा कि जैन होना और जैन कहलाना दोनों अलग है। आध्यात्मिक जीवन में रमण करने के पश्चात भी हम पूर्ण रूप से जैन नहीं बने हैं। जैन कहलाने से जैन बनने की जो यात्रा है उस ओर हमे कदम बढ़ाने होंगे। जैन का प्रथम लेटर 'जे' यानि जस्टिस न्याय है।

हमारा कमाया हुआ धन न्याय नीति से होना चाहिए। जब न्याय से सब कुछ चल सकता है तो अन्याय की कमाई क्यों करें। व्यक्ति पेट भरने के लिए नहीं पेटी भरने के लिए कमाता है, कार्य करता है। हमारी प्रैक्टिकल लाइफ से यह जैन बनने की यात्रा प्रारंभ होती है। हमें सिर्फ धर्म स्थलों में ही जैन नहीं रहना है, संपूर्ण जीवन में जैन बनना है। इसलिए आध्यात्मिक होकर न्याय का आचरण करना आवश्यक है। जैन का दूसरा लेटर है 'ए' यानि अफेक्शन (प्रेम)। परमात्मा का प्रेम हमारे जीवन को पावन पवित्र बनाता है। लेकिन हमारा प्रेम सांसारिक प्रेम है। परमात्मा का प्रेम आध्यात्मिक प्रेम है जो हमारे जीवन को उन्नति की ओर ले जाता है। लेकिन हम परमात्मा के प्रति भी निःस्वार्थ प्रेम नहीं करते। उसमें भी हमारा स्वार्थ छिपा होता है। हमने रिश्तों को भी व्यापार बना दिया है। बिना शर्त के हमारे रिश्ते नहीं होते। रिश्तों में हमारा स्वार्थ छिपा होता है। हमे रिश्तों में आध्यात्मिक प्रेम रखना है और बिना शर्त के करना है तभी रिश्ते निभते है। रिश्तों में हमारा आकर्षण स्पिरिचुअल होना चाहिए। तभी रिश्तों को निभाया जा सकता है। इस मौके पर बेंगलूरु के विभिन्न क्षेत्रों से श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति रही। सोमवार से प्रतिदिन प्रवचन प्रातः 9.15 से 10.15 तक रहेगा। 1 जनवरी 2025 बुधवार को उग्र अभिग्रहधारी वेणीचंद महाराज एवं मेवाड़ शिरोमणि अंबालाल महाराज केपुण्य स्मृति दिवस के अवसर पर गुरु गुणगान एवं मंगलपाठ प्रातः 8.15 से 10 बजे तक दो दो सामायिक आराधना से होगा। संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

मुमुक्षु विरल हिंगड का अभिनंदन समारोह आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांतिनगर के तत्वावधान में शांतिनगर संघ एवं शांत क्रांति संघ बेंगलूरु ने मैसूरु निवासी मुमुक्षु विरल हिंगड का अभिनंदन किया। लूणावत भवन में आयोजित समारोह में मुमुक्षु विरल ने कहा कि आसक्ति का प्रायश्चित विरक्ति है और भोग का प्रायश्चित योग है। मृत्यु किसी का इंतजार नही करती है और मृत्यु के पहले मुझे अपना जीवन और जन्म सार्थक करना है। इस लिए छोटी उम्र में ही वैराग्य मार्ग अपना रहा हूं। आगामी 7 फरवरी को जयपुर में आचार्य विजयराज जी के पास संयम ग्रहण करने वाले मुमुक्षु के दादा सुंदरलाल हिंगड ने कहा कि घर के संस्कार मुनि का निर्माण करते हैं।

मोह का त्याग घर के सदस्य का संयम मार्ग प्रशस्त करता है। शांतिनगर संघ के मंत्री छगनलाल लूणावत ने अभिनंदन करते हुए कहा कि संघ का भाग्य प्रबल होता है, तब मुमुक्षु का संयोग मिलता है। शांत क्रांति संघ की ओर से अभय कुमार बांठिया ने मुमुक्षु को सिख देते हुए कहा कि आप के त्याग के कारण जिनशासन की प्रभावना हो रही है। आप गुरु आज्ञा में रहते हुए खूब ज्ञानार्जन कर सकल संघ के मार्गदर्शक बने और माता पिता तथा महावीर के नाम को यशस्वी करें। मुमुक्षु विरल हिंगड का खोल भर कर साफे शाल और माला से सम्मान किया गया। इस अवसर पर शांतिनगर संघ अध्यक्ष धनरूप मेहता, शांत क्रांति संघ के राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष ओमप्रकाश लूणावत, कर्नाटक शाखा के अध्यक्ष महेंद्र चोपड़ा, गौतम चंद गुगलिया, राजेंद्र कोठारी, गौतम चंद ओस्तवाल आदि अनेक गणमान्य जन उप-स्थित थे। सुरेश गोलेछा के मंगल पाठ के साथ समारोह संपन्न हुआ।

यात्री का छूटा हुआ सामान आरपीएफ ने सफलतापूर्वक लौटाया

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के कर्मियों ने कुशलता और समर्पण का एक सराहनीय कार्य करते हुए, एक यात्री द्वारा मथ्यगंधा एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 12619) में छोड़े गए कीमती सामान को सफलतापूर्वक बरामद किया।

ठाणे से बिंदूर तक ए1 कोच में यात्रा करने वाले सनथ देवाडिगा ने बिंदूर स्टेशन पर उतरते समय अनजाने में अपना एक बैग पीछे छोड़ दिया। अपनी गलती का एहसास होने पर, उन्होंने तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर घटना की सूचना दी। उडुपी में आरपीएफ टीम ने तेजी से काम करते हुए ट्रेन में सामान का पता लगा लिया। उन्होंने सनथ से संपर्क किया और उन्हें सामान बरामद होने की जानकारी दी। सुबह 10 बजे, वे उडुपी स्टेशन पर आरपीएफ कार्यालय गए, जहां उन्होंने बैग की पहचान की और उसकी जांच की, जिसमें लगभग 4 लाख रुपये मूल्य के सोने के आभूषण और दो लैपटॉप शामिल थे। सनथ ने अपने बहुमूल्य सामान की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई करने हेतु आरपीएफ टीम के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

कृष्णगिरी में नववर्ष भक्ति महोत्सव का आगाज आज से

कृष्णगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृष्णगिरी जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध श्री पार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ धाम में नववर्ष के उपलक्ष में प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी तीन दिवसीय नववर्ष भक्ति महोत्सव का आगाज सोमवार से प्रारंभ होगा।

आयोजन में शामिल होने के लिए देश और दुनिया भर के विभिन्न राज्य, शहरों से बड़ी संख्या में गुरु भक्त श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम निर्बाध गति से जारी है। तीर्थ धाम के संकेश छाजेड़ ने बताया कि शक्ति पीठाधिपति, राष्ट्रसंत, सर्वधर्म दिवाकर परम पूज्य गुरुदेवश्री वसंत विजय जी के दिव्य पावन सानिध्य में तीन दिनों के कार्यक्रम के तहत नूतन वर्ष पर 1 जनवरी को व्यापक स्तर पर गुरु दीक्षा कार्यक्रम भी होगा। तीर्थ धाम पहुंचे इन प्रत्यक्ष श्रद्धालुओं के अलावा भारत एवं विदेशों में श्रद्धालु भी बुधवार को दोपहर 3 बजे यूट्यूब चैनल पर लाइव जुड़कर शांत और पवित्र मन से इस दिव्य प्रक्रिया का हिस्सा बन सकते है। इससे पूर्व सोमवार को वर्ष की आखिरी एवं सबसे बड़ी कही जाने वाली पौष सुदी अमावस्या से भक्ति आराधनामय कार्यक्रम शुरू होगा। इसी दिन से यहां विराजित पाताल लोक की नागरानी देवी मां पद्मावतीजी की चमत्कारिक दिव्य प्रतिमा का श्रद्धालुओं द्वारा ही केसर युक्त दूध से अभिषेक होगा। इस पूजन के बाद श्रृंगार, भोग अर्पण होगा। इस दौरान पूज्यश्री ने अपने संबोधन में कहा कि मंत्रों का व्यवस्थित तरीके से किया गया जाप सिद्धि प्रदान कर सकता है। सांसारिक व्यक्ति की किसी भी समस्या का समाधान प्रथम दृष्टि से उनके कुल देवी, देवता के पास ही होता है, आवश्यकता उन्हें नियम पूर्वक वंदन, पूजन, भोग, प्रसाद अर्पण करने की रहनी चाहिए। उन्होंने कहा कि व्यक्ति की सच्ची भक्ति उसके द्वारा होने वाले गलत कार्यों को रोककर अच्छा करने की शक्ति प्रदान करती है। पूज्य गुरुदेव ने यह भी कहा कि परमात्मा की भक्ति से तकदीर में जो नहीं भी लिखा, वह भी मिल सकता है।

पूर्व मुख्यमंत्री का किया सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं राज्य सभा सांसद दिग्विजय सिंह के तीन दिवसीय कर्नाटक दौरे के दौरान बेंगलूरु के एक होटल में उत्तर भारतीय उद्यमियों एवं नेताओं द्वारा स्वागत किया गया।

उन्होंने कर्नाटक में उत्तर भारतीय उद्यमियों के कारोबार की विस्तृत जानकारी ली एवं अन्य राज्यों से आकर कर्नाटक में सफलता पूर्वक, ईमानदारी से स्थानीय लोगों के साथ मिलकर कार्य करने पर प्रसंशा व्यक्त की। इस अवसर पर कीया के अध्यक्ष दिलीप जैन, बेंगलूरु जिला कांग्रेस महासचिव बिशनसिंह राजपुरोहित एवं प्रकाश सैन सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

19 दिनों के बाद मुरुदेश्वर समुद्र तट अब पर्यटकों के लिए फिर से खुला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

समुद्री झटके के कारण कोलार की चार छात्राओं की मौत के बाद, पिछले 19 दिनों से तूफान के साये में रहा समुद्र तटीय मुरुदेश्वर अब पर्यटकों के लिए खुल गया है। उत्तर कन्नड़ जिले के मुरुदेश्वर में स्कूली यात्रा के दौरान चार छात्राओं की मौत हो गई थी। इसके चलते समुद्र तट पर पर्यटकों के आने पर रोक लगा दी गई थी। मुरुदेश्वर तट पर लाखों पर्यटक आते हैं। लेकिन पर्यटकों पर रोक होने के कारण वे जिला प्रशासन को कोसते थे और वापस आ जाते थे। इससे सतर्क जिला प्रशासन ने कुछ एहतियाती उपायों के साथ रविवार से समुद्र तट को पर्यटकों के लिए खोल दिया। अब समुद्र तट को डेंजर जोन और सेफ जोन नाम से दो भागों में बांट दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि पर्यटक केवल जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित क्षेत्र में ही तैर सकते हैं। यदि पर्यटकों को निःशुल्क अवसर मिले तो भी वे जिला प्रशासन द्वारा निर्धारित क्षेत्र में तैराकी का आनंद ले सकते हैं। जिला प्रशासन ने चेतावनी दी है कि अगर सावधानी में थोड़ी सी भी चूक हुई तो दोबारा आपदा घटित होने की आशंका है और पर्यटकों को भी सावधानी बरतनी चाहिए।

खागा ने किया कैलेंडर का विमोचन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटका होजरी एवं गारमेंट्स एसोसिएशन ने अपनी मासिक बैठक में नव वर्ष 2025 के कैलेंडर का विमोचन किया। कैलेंडर के मुख्य सहयोगी ललीत कुमार, जय ज्वाला एजेंसी का खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी ने सम्मान कर आभार व्यक्त किया। इसमें सदस्यों की जानकारी हेतु वार्षिक त्योहार सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां प्रकाशित की गई है।

इस अवसर पर खागा अध्यक्ष प्रकाश भोजानी, उपाध्यक्ष पीएच राजपुरोहित, नरपतसिंह राजप-ुरोहित, सह सचिव बिशनसिंह विराणा, विकास जैन, कोषाध्यक्ष जोगेश जैन एवं पूर्व अध्यक्ष सज्जनराज मेहता, दिलीप जैन, गौतमचंद पोरवाल सहित कई कार्यकारिणी समिति सदस्य उपस्थित रहे।

धोखा खाए प्रेमी ने जिलेटिन की छड़ों से खुद को उड़ाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मांड्या जिले के नागमंगला ग्रामीण पुलिस स्टेशन की सीमा में रविवार सुबह जिलेटिन की छड़ों से खुद को उड़ा लेने से एक प्रेमी रामचंद्रू (21) की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि यह घटना नागमंगला शहर के कलेनहल्ली में सुबह करीब 3 बजे हुई। सूत्रों ने बताया कि नागमंगला के बसवेश्वर नगर निवासी रामचंद्रू ने कलेनहल्ली में अपनी प्रेमिका के घर के सामने डेटोनेटर का इस्तेमाल कर खुद को उड़ा लिया। रामचंद्रू द्वारा इस्तेमाल की गई जिलेटिन की छड़ें पत्थर की खदानों में चट्टानों को उड़ाने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं।

बताया जा रहा है कि रामचंद्रू नशे की हालत में था, तभी उसने यह कदम उठाया। वह एक ट्रक ड्राइवर था और एक नाबालिग लड़की से प्यार करता था। शिकायत के आधार पर पुलिस ने रामचंद्रू को गिरफ्तार किया था, क्योंकि वह एक साल पहले अपनी नाबालिग प्रेमिका के साथ भाग गया था। रामचंद्रू को यौन अपराधों से बच्चों की रोकथाम अधिनियम के तहत आरोप लगाए जाने के बाद लगभग छह महीने तक जेल में रहना पड़ा। वह जमानत पर बाहर था, लेकिन उसने अपनी प्रेमिका से मिलने की निरर्थक कोशिशें कीं, इससे पहले कि वह खुद को जिलेटिन की छड़ों से उड़ाकर अपनी जान लेने जैसा चरम कदम उठा ले। पेट के क्षेत्र से बंधे हुए खुद को उड़ाते समय रामचंद्रू का शरीर कई टुकड़ों में बिखर गया और नींद में सो रहे ग्रामीण तेज आवाज सुनकर अपने घरों से बाहर निकल आए और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि मृतक को जिलेटिन की छड़ें कहां से मिलीं।

राजस्थान परिषद की आम सभा आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान परिषद की आम सभा रविवार को तेरापंथ भवन, राजराजेश्वरी नगर में कार्यवाहक समिति के सदस्य सुशील चौरड़िया, सुनील सुराना, विकास लोढ़ा और सूरज चिंडालिया एवं पूर्व अध्यक्ष बालचंद चिंडालिया एवं अनेक सदस्यों की उपस्थिति में संपन्न हुई। सभा का प्रारम्भ नमस्कार महामंत्र के उच्चारण से हुआ। पूर्व अध्यक्ष बालचंद चिंडालिया ने सभी का स्वागत करते हुए परिषद के प्रति सभी की निष्ठा और योगदान की सराहना की। निवर्तमान मंत्री विनय बैद ने गत आम सभा की कार्यवाही का वाचन किया एवं आयोजित कार्यक्रमों की जानकारी प्रस्तुत की। निवर्तमान उपाध्यक्ष संजय बैद ने परिषद की आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। ओम अर्हम् की ध्वनि से कार्यवाही और लेखा-जोखा को पारित किया गया। तत्पश्चात् चुनाव अधिकारी आलोक सेठिया ने सदन को सूचित किया कि संजय बैद निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए हैं। संजय बैद ने अपने भाषण में परिषद की प्रगति हेतु प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए सभी से सहयोग की अपील की। परिषद के विकास हेतु अनेक सदस्यों ने अपने सुझाव साझा किए। ऋषभ बरड़िया ने कुशल संचालन किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री शिव पार्वती पुत्र विनायक गेल्लेयरा बल्लगा द्वारा हंपी नगर में नगर देवता श्री अन्नमा देवी उत्सव का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने देवी मां के दर्शन कर आशीर्वाद लिया एवं अन्नदान कार्यक्रम में सेवा प्रदान की। मुणोत एवं शांता भंडारी का आयोजकों ने सम्मान किया।

ठेकेदार आत्महत्या मामला

मंत्री प्रियांक खड़गे ने अपने खिलाफ भाजपा के आरोपों को किया खारिज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे ने शनिवार शाम को एक ठेकेदार की आत्महत्या के मामले में भाजपा द्वारा उन पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया। बेंगलूरु में अपने आवास पर मीडिया को संबोधित करते हुए मंत्री खड़गे ने कहा आत्महत्या के दो संस्करण हैं। ठेकेदार एक बात कह रहा है, जबकि आरोपी ने पूरी घटना का दूसरा पहलू भी सामने लाया है। उन्होंने कहा स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। मैंने खुद गृह मंत्री से मामले की जांच के लिए गृह विभाग के भीतर एक स्वतंत्र प्राधिकरण गठित करने का अनुरोध किया है। स्वाभाविक रूप से, भाजपा को लगता है कि उसे कारण मिल गए हैं क्योंकि वह एक साल से अधिक समय से तुच्छ कारणों से मेरा इस्तीफा लेने की कोशिश कर रही है। खड़गे ने स्पष्ट किया कि न तो मैं, न ही मेरा विभाग और न ही सरकार इस घटना में शामिल है। उन्होंने कहा मैंने संबंधित मंत्री से बात की है, लेकिन वह अभी बेंगलूरु में नहीं हैं। एक बार जब वह वापस आ जाएंगे, तो मैं उनसे इस बारे में चर्चा करूंगा। भाजपा द्वारा उनकी गिरफ्तारी की मांग के बारे में पूछे जाने पर खड़गे ने कहा कि भाजपा कानून को नहीं समझती। मैं आरोपी हूं? क्या भाजपा जानती है कि कानून क्या है? क्या वह देश के कानून को समझती है? किस आधार पर वे मेरी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं? क्या मेरा नाम मामले में है, क्या यह आरोप लगाया गया है कि मैंने आत्महत्या के लिए उकसाया? भाजपा केवल राजनीति करना चाहती है और उनकी मंशा साफ है। वे आंतरिक समस्याओं को छिपाना चाहते हैं। पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा पॉक्सो मामले में शामिल हैं। भाजपा विधायक एन मुनिरत्ना और भाजपा एमएलसी सी.टी. रवि के भी मामले हैं। आंतरिक कलह भी है और वे इसे छिपाना चाहते हैं। यह आज की बात नहीं है, प्रियांक खड़गे उनके पसंदीदा हैं। मेरी एक मजबूत विचारधारा है जो उनके राजनीतिक आकाओं के खिलाफ है। इसलिए, यह बिल्कुल स्वाभाविक है

कि वे मुझे निशाना बना रहे हैं। पिछले कई सालों से वे मुझ पर एक भी आर-ोप नहीं लगा पाए हैं। वे तथ्यों, सबूतों और दस्तावेजों के साथ नहीं आते हैं। मुझे एक भी ऐसी बात दिखाइए, जिसमें मैंने बिना किसी दस्तावेजी सबूत के भाजपा पर आरोप लगाया हो। भाजपा हमेशा हिट एंड रन करती है और यह भी हिट एंड रन है। मैं उन्हें चुनौती देता हूं कि वे मुझ पर लगे आरोपों को साबित करें। आठ लोग आरोपी हैं। उनमें से एक हमारे कांग्रेस पार्षद का भाई है। यह एक ऐसा तथ्य है, जिससे मैं इनकार नहीं कर सकता। इसका मतलब यह नहीं है कि मैं हर चीज में शामिल हूं।

आरोपी कह रहे हैं कि बैंक से पैसे का लेन-देन हुआ था और यह एक कानूनी लेन-देन है। पैसे के हस्तांतरण के बारे में कोई अस्पष्टता नहीं है। उन्होंने कहा कि जांच में आगे की जानकारी सामने आने दें। भाजपा कर्नाटक में कलबुर्गी सहित कहीं भी सुरक्षा कर सकती है। पूर्व मंत्री के.एस. ईश्वरप्पा का इस्तीफा अलग-अलग परिस्थितियों में लिया गया था। खड़गे ने कहा कि सुसाइड नोट में उनका नाम था और उन्हें सीधे तौर पर दोषी ठहराया गया था। कर्नाटक भाजपा ने कलबुर्गी जिले में एक ठेकेदार द्वारा कथित तौर पर मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी द्वारा प्रताड़ित किए जाने के कारण आत्महत्या करने की पृष्ठभूमि में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार को हत्यारों की सरकार करार दिया है।

आत्महत्या मामले में उनके इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग

कर्नाटक विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायणस्वामी ने कलबुर्गी जिले के प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे पर अपने पद का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया और ठेकेदार की आत्महत्या मामले में उनके इस्तीफे और गिरफ्तारी की मांग की। उन्होंने आगे कहा कि खड़गे परिवार अपने गृहनगर कलबुर्गी में गणतंत्र चला रहा है। कर्नाटक के ग्रामीण विकास और पंचायत राज मंत्री प्रियांक खड़गे के एक सहयोगी द्वारा जान से मारने की धमकी और जबरन वसूली के बाद 26 वर्षीय ठेकेदार सचिन ने गुरुवार को कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में आत्महत्या कर ली। मृतक ठेकेदार ने सात पन्नों का सुसाइड नोट छोड़ा है और आरोप लगाया है कि मंत्री खड़गे के सहयोगी और कलबुर्गी सिटी कॉरपोरेशन के पूर्व सदस्य राजू कपानुरू के अत्याचारों ने उसे यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया।

आग लगने की घटना में दो और लोगों की मौत

मृतकों की संख्या बढ़कर छह हुई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में कथित सिलेंडर विस्फोट के कारण आग लगने की घटना के बाद जलने से घायल हुए दो और अयप्पा भक्तों की रविवार को मौत हो गई। शंकर चव्हाण (29) और मंजूनाथ वाघमोर (22) की मौत हो गई, जिससे इस घटना में मरने वालों की संख्या छह हो गई। इस दुर्घटना में अब तक मरने वाले भक्तों में लिंगराज बीरनूर (19), निजलिंगप्पा बेपुरी (58), राजू मुगेरी (16) और संजय सवादत्ती (18) शामिल हैं। वे 22 दिसंबर को साईं नगर की अच्छव्वा कॉलोनी में स्वामी अयप्पा टेंट की अस्थायी रसोई में हुई दुर्घटना में घायल हुए लोगों में शामिल थे। मामला दर्ज कर लिया गया है। इससे पहले आग लगने की दुर्घटना में घायल होने के बाद हुब्बल्ली के केएमसी-आरआई अस्पताल में इलाज करा रहे नौ अयप्पा भक्तों में से एक और व्यक्ति ने शुक्रवार को दम तोड़ दिया था, जिससे मरने वालों की संख्या तीन हो गई थी। गुरुवार को भी दो लोगों की मौत हो गई थी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने मृतकों के परिवारों को 5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की थी। दुर्घटना के बाद, कर्नाटक सरकार ने घायल भक्तों को उन्नत उपचार प्रदान करने में केएमसी-आरआई डॉक्टरों की सहायता के लिए बेंगलूरु से विशेषज्ञ डॉक्टरों को बुलाया था। हाल ही में कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने अस्पताल का दौरा किया और घटना में घायल हुए भक्तों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। एक्स पर एक पोस्ट में परमेश्वर ने कहा कि वह मुख्यमंत्री राहत कोष से घायलों को मुआवजा देने का अनुरोध करेंगे। उन्होंने कहा हुब्बल्ली के साईनगर में रसोई गैस विस्फोट में घायल हुए अय्यप्पा मालाधारी का इलाज चल रहा है और वे उनके स्वास्थ्य के बारे में जानकारी लेने के लिए अस्पताल गए थे।

12.51 करोड़ की साइबर धोखाधड़ी मामले में निजी बैंक का प्रबंधक समेत चार गिरफ्तार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। बेंगलूरु की एक कंपनी से संवेदनशील डेटा चुराकर उसके खाते से कथित तौर पर 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी करने के मामले में एक निजी बैंक के प्रबंधक सहित चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि यह मामला तब सामने आया, जब ड्रीम प्लग पे टेक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड (सीआरईडी) के निदेशक ने नवंबर में पुलिस से संपर्क किया। इसमें कंपनी के खातों से 12.51 करोड़ रुपये की हेराफेरी का आर-ोप लगाया गया। पुलिस के मुताबिक, सीआरईडी के निदेशक ने आरोप लगाया कि कंपनी के नोडल और चालू बैंक खाते बेंगलूरु में एक्सिस बैंक की इंदिरानगर शाखा में थे। इस दौरान कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने बैंक के

खिलाफ साजिश रची और साइबर हमलों की योजना बनाई। इन खातों से जुड़ी ईमेल आईडी और फोन नंबर तक पहुंच हासिल कर ली थी। पुलिस के मुताबिक, अब तक की जांच से पता चला कि आरोपियों ने गुजरात और राजस्थान में 17 अलग-अलग बैंक खातों में 12.51 करोड़ रुपये का हस्तांतरण करने के लिए कंपनी का डेटा चुराया। इसके लिए उन्होंने जाली सीआईबी (कॉर्पोरेट इंटरनेट बैंकिंग) फॉर्म का सहारा लिया। उन्होंने फर्जी हस्ताक्षर और मुहर लगाईं। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने कहा कि निजी कंपनी के एक्सिस बैंक खाते से जुड़े फोन नंबर और ईमेल आईडी का इस्तेमाल करके आरोपियों ने जाली सीआईबी फॉर्म और फर्जी मुहर बनाईं, जिससे विभिन्न खातों में 12.51 करोड़ रुपये स्थानांतरित किए गए। बेंगलूरु के पूर्व सीईएन पुलिस ने मामले की जांच की और गुजरात में एक्सिस बैंक के प्रबंधक समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि 17 खातों में स्थानांतरित किए गए 55 लाख रुपये फ्रीज कर दिए गए हैं और आरोपियों के पास से 1,28,48,500 रुपये तथा दो मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। मामले में कुछ अन्य आरोपी भी शामिल हैं। पुलिस उनकी पहचान करने में जुटी है।

अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान करने वाले बीएमटीसी कर्मचारियों पर ब्रहास्त्र परीक्षण

अगले छह महीने तक कर्मचारी नहीं कर सकेंगे हड़ताल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के चार परिवहन निगमों के कर्मचारियों द्वारा वेतन संशोधन सहित अन्य मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर 31 दिसंबर को अनिश्चितकालीन हड़ताल का आह्वान करने के बाद अब बीएमटीसी के प्रबंधन बोर्ड ने कर्मचारियों पर ब्रहास्त्र का प्रयोग किया है। बीएमटीसी के प्रबंधन बोर्ड ने इस संबंध में एक अधिसूचना जारी की है और आवश्यक सेवा अधिनियम-2013 के तहत बीएमटीसी सेवा को एक आवश्यक सेवा माना गया है। इसके तहत अगले छह महीने तक कर्मचारी हड़ताल नहीं

कर सकेंगे। बीएमटीसी सुरक्षा एवं सतर्कता अधिकारी ने एक आदेश जारी कर एक जनवरी से छह महीने के लिए बीएमटीसी कर्मचारियों की हड़ताल पर रोक लगा दी है। केएसआरटीसी कर्मचारी एवं कर्मचारी महासंघ के अध्यक्ष एचवी अनंत सुब्बाराव ने कहा कि वेतन वृद्धि की घोषणा के बावजूद 2020 से 1750 करोड़ बकाया है। हालाँकि उन्होंने जनवरी 2024 में वेतन वृद्धि लागू करने का वादा किया था, लेकिन अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। इसके चलते कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन का निर्णय लिया है। उन्होंने सरकार की लापरवाही पर दुख जताया। मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री ने बार-बार हमारी मांग पूरी करने का वादा किया है, लेकिन अब तक कुछ नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि कर्मचारी इससे तंग आ चुके हैं और उनके पास हड़ताल पर जाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। जनवरी 2020 से फरवरी 2023 के बीच लगभग 1785 करोड़ रुपये बकाया है। भुगतान कराने की मांग की जा रही है। 2900 करोड़ रुपये का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। भविष्य निधि का निपटारा करने की मांग की गयी है। सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए 325 करोड़ बकाया देय है और तत्काल भुगतान का अनुरोध किया गया है। शक्ति योजना के कार्यान्वयन के बाद परियोजना से संबंधित 2000 करोड़ बकाया है और तुरंत भुगतान करने की मांग की गई है। परिवहन कर्मचारियों की संयुक्त कार्रवाई समिति ने 9 दिसंबर को बेलगावी में अपने सत्र में हड़ताल के बारे में सरकार को अवगत कराया था। श्रम विभाग के नियमानुसार हड़ताल से पहले 21 दिन का नोटिस देना होगा। उन्होंने इस बात पर आक्रोश व्यक्त किया कि नोटिस दिये जाने के बाद भी सरकार इसकी परवाह नहीं कर रही है। राज्य सरकार ने परिवहन कर्मचारियों के वेतन में पीएफ के रूप में 2900 करोड़ रुपये की कटौती की है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने जो पैसा चुकाया है वह लोन के रूप में नहीं दिया जा रहा है। हमारा इरादा जनता को परेशान करने का नहीं है। लेकिन जब हमारी मांग पूरी न हो तो क्या करें? उन्होंने कहा कि परिवहन कर्मचारियों का मूल वेतन 25 प्रतिशत बढ़ाया जाए।

वक्फ संघर्ष के दूसरे दौर के लिए तैयार भाजपा के बागी

विजयेंद्र को भी किया आमंत्रित

बल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा के विद्रोही गुट के रूप में पहचाने जाने वाले नेताओं ने वक्फ संघर्ष का दूसरा दौर शुरू कर दिया है और 4 जनवरी को कांपली में संघर्ष करने का फैसला किया है।

यहां पत्रकारों से वार्ता में पूर्व मंत्री रमेश जारकीहोली ने कहा कि बसनगौड़ा पाटिल यतनाल वक्फ के विरुद्ध संघर्ष शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। फिर सब लोग आये और शामिल हो गये। काले कानून के विरोध में मेरा संघर्ष निरंतर जारी है। हमारा संघर्ष गैर-पक्षपातपूर्ण है। इसमें उन्होंने

बी.वाई विजयेंद्र, आनंद सिंह और अन्य नेताओं को हमारे संघर्ष में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। वक्फ संघर्ष को हिंदू और मुसलमानों के बीच संघर्ष के रूप में चित्रित किया जा रहा है। इस कृत्य से मुसलमानों के साथ भी अन्याय हुआ है। मठ संकट में हैं। इसलिए देश में मौजूद काले कानून को रद्द किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस संबंध में कार्रवाई करेंगे। यतनाल के नेतृत्व में हमारी टीम बल्लारी और विजयनगर जिलों का दौरा करेगी। वहां निरीक्षण के बाद चार जनवरी को कांपली में सम्मेलन होगा। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश भर के वक्फ से प्रभावित लोगों के दस्तावेज और जानकारी हासिल कर 6 और 7 जनवरी को दिल्ली में वक्फ पर बनी ज्वाइंट हाउस कमेटी को रिपोर्ट सौंपेंगे। वहीं बोलते हुए पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा ने कहा कि पहले चरण की रिपोर्ट केंद्रीय संयुक्त सदन समिति को सौंपी जा चुकी है। हमारी रिपोर्ट को राष्ट्रीय मॉडल बताया गया है। कर्नाटक विधानसभा की अल्पसंख्यक समिति ने वक्फ संपत्तियों को नियमित करने के लिए उठाए गए कदमों पर रिपोर्ट पेश नहीं की है। उन्होंने कहा अब हम लगन से दूसरी रिपोर्ट जमा कर रहे हैं। देश में वक्फ के नाम पर 20 से 24 लाख एकड़ जमीन का दुरुपयोग हो रहा है। इसे कानून के तहत लाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी पहले से लागू कानूनों को बदल देंगे। वक्फ कानून संपत्ति विवादों को प्रथागत अदालतों के अधिकार क्षेत्र से बाहर रखते हैं। इसका उपयोग करते हुए राज्य के वक्फ मंत्री जमीर अहमद खान ने कई संपत्तियों को वक्फ के रूप में सूचीबद्ध किया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपनी शक्ति का दुरुपयोग किया है और आम लोगों को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि हमारी टीम ने पूरे राज्य में दूसरे चरण का दौरा शुरू कर दिया है।

सस्थाना टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों से टोल वसूली के विरोध में प्रदर्शन कल

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सस्थाना राष्ट्रीय हेद्दारी जागृति समिति ने घोषणा की है कि समिति के सदस्य और कोटा जिला पंचायत क्षेत्र के आम लोग मंगलवार को स्वैच्छिक बंद रखेंगे, जिसमें उडुपी जिले में एनएच 66 पर सस्थाना टोल प्लाजा पर स्थानीय वाहनों से टोल वसूली का विरोध किया जाएगा। सस्थाना राष्ट्रीय हेद्दारी जागृति समिति के महासचिव एल्विन एंड्रेड ने शनिवार शाम को उडुपी में संवाददाताओं को बताया कि क्षेत्र में व्यावसायिक प्रतिष्ठान पूरे दिन बंद रहेंगे, जबकि लोग सुबह 9.30 बजे से टोल प्लाजा के पास विरोध प्रदर्शन करेंगे। बंद और विरोध प्रदर्शन एनएच 66 के भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के रियायतकर्ता द्वारा सस्थाना प्लाजा पर स्थानीय वाणिज्यिक वाहनों से टोल की मांग के खिलाफ था। उन्होंने कहा कि निजी और वाणिज्यिक स्थानीय वाहनों को टोल भुगतान से छूट दी गई है।

हालांकि रियायतकर्ता ने हाल ही में वाणिज्यिक वाहनों से टोल मांगना शुरू कर दिया है। समिति ने 22 दिसंबर, 2024 को प्लाजा में पहले ही विरोध प्रदर्शन किया था, जिस दौरान उडुपी-चिकमगलूरु के सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी ने हस्तक्षेप किया और सोमवार को उडुपी में एक समझौता बैठक बुलाई है। यदि बैठक में स्थानीय वाणिज्यिक वाहनों को टोल भुगतान से छूट देने की सिफारिश नहीं की जाती है, तो समिति प्रस्तावित बंद और विरोध के साथ आगे बढ़ेगी। एंड्रेडे ने कहा कि एनएचएआई राजमार्ग रखरखाव की पूरी तरह से अनदेखी करते हुए केवल टोल संग्रह पर ही ध्यान दे रहा है। जबकि राजमार्ग खंड खराब स्थिति में है, सस्थाना-कोटा खंड के साथ स्ट्रीट लाइटें काम नहीं करती हैं। राजमार्ग के किनारे और मध्य भाग की नियमित रूप से सफाई नहीं की जाती है और वे घने पेड़ों से ढके हुए हैं, जिससे सार्वजनिक सुरक्षा को खतरा है। एनएचएआई को स्थानीय वाहनों के लिए खंड के साथ एक सर्विस रोड प्रदान करना चाहिए था, लेकिन एक दशक बाद भी उसने एक भी नहीं बनाया है।

मेंगलूरु के लिए 262 करोड़ रुपये की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। विधानसभा अध्यक्ष यू टी खादर ने घोषणा की कि राज्य मंत्रिमंडल ने मेंगलूरु निर्वाचन क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिनका संयुक्त बजट 262 करोड़ रुपये है।

पहली परियोजना में 200 करोड़ रुपये की लागत से कोटेपुरा और बोलर को जोड़ने वाला पुल बनाना शामिल है। दूसरी

परियोजना, जिसकी लागत 62 करोड़ रुपये है, में साजिपा और थुम्बे के बीच पुल बनाना शामिल है। खादर ने इन परियोजनाओं के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे मेंगलूरु शहर में यातायात की भीड़ को कम करेंगे और राजमार्ग अवरोधों के दौरान वैकल्पिक मार्ग के रूप में काम करेंगे। खादर ने समुद्र तट के साथ केरल की सीमा को जोड़ने वाली तटीय सड़क या कॉर्निश के लिए अपने दृष्टिकोण का खुलासा किया। उन्होंने कहा इस परियोजना के लिए एक प्रस्ताव केंद्र सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्होंने कहा कि चल रही जेप्पू-महाकालीपाडपु अंडरपास परियोजना जल्द ही पूरी हो जाएगी। इस विकास से थोकोट्टू की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए पंपवेल में यातायात की भीड़ को काफी कम करने की उम्मीद है।

मेंगलूरु पुलिस ने 2024 में 1,090 ड्रग-संबंधी अपराध मामले किए दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
मेंगलूरु शहर की पुलिस ने 2024 में कुल 1,090 ड्रग-संबंधी अपराध के मामले दर्ज किए हैं। पुलिस ने 77,12,870 रुपये मूल्य का कुल 191.073 किलोग्राम गांजा, 5 लाख रुपये मूल्य का 100 ग्राम चरस, 8,000 रुपये मूल्य का 20 मिली गांजा राख तेल, 80,000 रुपये मूल्य का आठ ग्राम हाइड्रोविड गांजा, 6,59,54,260 रुपये मूल्य का 7.305 किलोग्राम एमडीएमए, 1.08 लाख रुपये मूल्य का 43 यूनिट एलएसडी, 1.39 लाख रुपये मूल्य का 39 ग्राम मेथमफेटामाइन, 6.62 लाख रुपये मूल्य का 81 ग्राम कोकीन और 6,000 रुपये मूल्य का 8 ग्राम मेथाक्वालोन जब्त किया है। पुलिस आयुक्त अनुपम अग्रवाल ने कहा कि सिंथेटिक ड्रग जब्ती में 314 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। 2023 की तुलना में 2024 में

जब्त की गई दवाओं का मूल्य 339 प्रतिशत बढ़ गया, जो जब्त की गई सिंथेटिक दवाओं के उच्च मूल्य को दर्शाता है और इस वर्ष 45 प्रतिशत अधिक गिरफ्तारियां की गईं, जिनमें तीन नाइजीरियाई शामिल हैं जो शहर आयुक्तालय की सीमा में ड्रग सप्लाई चेन में प्रमुख खिलाड़ी के रूप में काम कर रहे थे। पिछले तीन वर्षों (2022-2024) में कुल 216 ड्रग तस्करी के मामले दर्ज किए गए हैं, जिसमें 2022 में 34 मामले, 2023 में 94 मामले और 2024 में 88 मामले शामिल हैं। उल्लाल पुलिस स्टेशन ने इस साल सबसे अधिक 10 मामले दर्ज किए। नशीली दवाओं के सेवन के मामलों के संबंध में, 2022 और 2024 के बीच कुल 1,984 मामले दर्ज किए गए। इसमें 2022 में 363 मामले, 2023 में 619 मामले और 2024 में 1,002 मामले शामिल हैं। सेवन के मामलों में उल्लाल और कावूर पुलिस स्टेशन की सीमा में 94-94 और मेंगलूरु उत्तर पुलिस स्टेशन की सीमा में 93 मामले दर्ज किए गए। आयुक्त ने कहा कि उल्लाल, मेंगलूरु उत्तर, कंकनाडी टाउन और कोनाजे पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले 7 हॉटस्पॉट में अधिक मामले दर्ज किए गए।

2023 की तुलना में 2024 में सेवन के मामलों में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई। गिरफ्तारियों के बारे में बताते हुए, आयुक्त ने कहा कि तीन वर्षों में 2,818 भारतीय और 11 विदेशी पकड़े गए। भारतीयों में से 2022 में 508, 2023 में 942 और 2024 में 1,368 गिरफ्तार किए गए और विदेशी नागरिकों के रूप में, 2022 में एक, 2023 में छह और 2024 में चार गिरफ्तारियां की गईं। अग्रवाल ने कहा कि एक विशेष अभियान के तहत 25 जुलाई को मेंगलूरु की जिला जेल की तलाशी ली गई और 29 मोबाइल फोन समेत अन्य प्रतिबंधित सामान जब्त किए गए। 27 जुलाई को एक औचक ड्रग टेस्ट आयोजित किया गया और अदालत की अनुमति के बाद 120 कैदियों का परीक्षण किया गया, जिनमें से 40 में संक्रमण की पुष्टि हुई। इस बीच, बार-बार अपराध करने वालों (तस्करों) के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई और तीन लोगों पर गुंडा अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया। 28 लोगों के खिलाफ निर्वासन आदेश निष्पादित किए गए, 123 को जमानत पर रिहा किया गया और जमानत जब्त करने के 18 मामले दर्ज किए गए। इसके अलावा, अदालत के आदेश के अनुसार 13.59 लाख रुपये मूल्य का 53.658 किलोग्राम गांजा नष्ट किया गया। शहर की पुलिस ने स्कूलों, कॉलेजों और कमजोर समुदायों को लक्षित करते हुए शहर भर में 212 जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए।

सड़क हादसे में बच्चे की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल में स्थित विट्टल के मणि के पास गडियारा में एक आयशर ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें एक छह वर्षीय लड़के की मौके पर ही मौत हो गई, और एक दंपति सहित चार अन्य घायल हो गए। मृतक लड़के की पहचान शाजिन (6) के रूप में हुई है, जो बेलटांगडी तालुक के नावूर के पास मुरा के निवासी अब्दुल सलीम का बेटा था। सलीम अपनी पत्नी और बच्चों के साथ बाइक चला रहे थे, जब गडियारा में आयशर ट्रक ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। शाजिन की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। उसके शव को बंटवाल सरकारी अस्पताल में रखा गया है। अब्दुल सलीम, उनकी पत्नी और उनके दो अन्य बच्चे घायल हो गए और वर्तमान में मेंगलूरु के एक निजी अस्पताल में भर्ती हैं।

दो गिरोहों ने एक दूसरे पर हमला किया

मामला दर्ज

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो। हाल ही में बलायिपडे में रोड रेज की घटना के कारण दो समूहों के बीच झड़प हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, गरदीमाजालू निवासी अभिषेक अपने साथियों सुधीर सोनू और रियाज के साथ एक दोस्त के घर से लौट रहा था। जब वे बलायिपडे के पास पहुंचे, तो उन्होंने सड़क के किनारे पांच से छह कारें खड़ी देखीं। सुधीर सोनू ने लाइनअप में आखिरी कार के ड्राइवर से अपनी गाड़ी हटाने का अनुरोध किया, लेकिन ड्राइवर ने अहंकारी तरीके से जवाब दिया, और जल्दबाजी पर सवाल उठाया। सुधीर सोनू अपनी कार से बाहर निकले और अपना अनुरोध दोहराया, जिससे विवाद हो गया। जवाब में, सात से आठ लोगों के एक समूह ने सुधीर को घेर लिया, उसके साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया और घटनास्थल से भागने से पहले अभिषेक, सुधीर सोनू और रियाज के साथ मारपीट की। शहर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है और आगे की जांच चल रही है।

हत्या के आरोप में दो लोग गिरफ्तार

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।
जिले की अरसीकेरे पुलिस ने रविवार को सामने आई हत्या के सिलसिले में मृतक की पत्नी समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में 38 वर्षीय यासीन शरीफ और 39 वर्षीय शानू शामिल हैं। दोनों अरसीकेरे के निवासी हैं। पुलिस ने रविवार को उन्हें मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया।

24 दिसंबर को अरसीकेरे तालुक के करहल्ली के पास ऑटोरिक्शा चालक 40 वर्षीय मुजामिल की हत्या कर दी गई थी। उसका शव जला हुआ था और चप्पलें पास में ही छोड़ दी गई थीं। मुजामिल के बेटे जायद खान ने अरसीकेरे टाउन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई कि उसके पिता 15 दिसंबर से लापता हैं। उसे 24 दिसंबर को करहल्ली में एक शव के बारे में पता चला। उसने मृतक की पहचान अपने पिता के रूप में की। पुलिस ने मामला दर्ज कर हत्या की जांच की। उन्हें पता चला कि यासीन शरीफ और शानू अपराध में शामिल थे। शानू अपने पति से तंग आ चुकी थी क्योंकि उसे शराब की लत थी और वह अक्सर उसे परेशान करता था। उसने अपने पति की हत्या के लिए शरीफ की मदद मांगी। यासीन शरीफ ने कथित तौर पर मुजामिल को शराब पिलाई और बाद में उसे ईंट से मारा। उसने शव को जला भी दिया।

नशे में वाहन चलाने के कारण 5,500 चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु के पूर्वी यातायात संभाग में 1 जनवरी से 26 दिसंबर तक शराब पीकर वाहन चलाने वाले 5,500 लोगों के ड्राइविंग लाइसेंस (डीएल) निलंबन के लिए परिवहन विभाग को भेजे गए हैं। इस संबंध में बेंगलूरु के पूर्वी यातायात संभाग के पुलिस उपायुक्त ने कहा 1 जनवरी से 26 दिसंबर तक पूर्वी यातायात संभाग में शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों और सवारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया और 3,60,214 लोगों की

जांच की गई और 5,500 लोग शराब के नशे में पाए गए और उनके डीएल निलंबन के लिए आरटीओ कार्यालय भेजे गए हैं। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान पूर्वी यातायात संभाग के यातायात पुलिस थाने की सीमा के भीतर वाहन चलाने वालों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया गया और 29 दोपहिया वाहन जब्त किए गए।

उन्होंने कहा कि इस संबंध में 29 अलग-अलग प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई हैं और कानूनी कार्रवाई की गई है। सरकार ने इस बार बेंगलूरु में नए साल का जश्न मनाने पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया है।

हालांकि, कहीं भी सरकारी और यातायात नियमों का उल्लंघन करने की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए, नए साल की शुरुआत से पहले ही पुलिस विभाग शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों और बाइक सवारों पर कड़ी नजर रख रहा है। नए साल के तीन से चार दिनों के दौरान, सप्ताहांत सहित पूरे शहर में ड्रंक एंड ड्राइव चेकिंग की जाएगी।

प्रियांक खड़गे के सहयोगी पर भाजपा नेताओं की हत्या की साजिश का मामला दर्ज, जांच जारी

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे के करीबी सहयोगी राजू कपनूर और पांच अन्य के खिलाफ भाजपा विधायक बसवराज और अन्य नेताओं की हत्या की साजिश रचने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। यह मामला सिविल ठेकेदार सचिन के सुसाइड नोट के आधार पर दर्ज किया गया है। सचिन पंचाल ने सुसाइड नोट में लिखा है कि कांग्रेस नेताओं ने मट्टीमाडु, अंडोला मठ के सिद्धलिंग स्वामी, भाजपा नेता मणिकांत राठौड़ और चंदू पाटिल की हत्या की साजिश रची थी। बिदर के रहने वाले ठेकेदार पंचाल ने गुरुवार को कथित तौर पर ट्रेन के सामने लेटकर आत्महत्या कर ली। सुसाइड नोट में उसने कपनूर और उसके सहयोगियों पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस बीच, बिदर जिले के प्रभारी मंत्री ईश्वर खंड्रे, जो वन विभाग भी संभालते हैं, भालकी तालुक में पंचाल के घर पहुंचे। जैसे ही अधिकारी घर पहुंचे, गुस्साए परिवार के सदस्यों ने उन पर चिल्लाना शुरू कर दिया और सचिन की मौत के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया। खंड्रे ने उन्हें सांत्वना दी और आश्वासन दिया कि मौत में शामिल आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने दुखी परिवार के सदस्यों से कहा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि न्याय हो और आरोपियों को सजा मिले। सरकार आपके साथ है। बाद में, मंत्री ने पंचाल के परिवार के सदस्यों को 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। उन्होंने कहा मैंने परिवार के सदस्यों से बात की जिन्होंने मुझसे शिकायत की कि पुलिस ने मामला दर्ज करने से इनकार कर दिया। मैंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से बात की है। कुछ पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। खंड्रे ने कहा कि राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) आत्महत्या मामले की जांच कर रही है और सरकार आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) को जांच सौंपने पर भी विचार करेगी। भाजपा ने मामले को गंभीरता से लिया है। पार्टी ने मांग की है कि मामले को सीबीआई को सौंप दिया जाना चाहिए। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने एक बयान में कहा बीदर के ठेकेदार पंचाल ने मंत्री प्रियांक खड़गे के दाहिने हाथ राजू द्वारा उत्पीड़न के कारण आत्महत्या कर ली थी। उसके लिखे मृत्यु नोट से चिंताजनक और गंभीर जानकारी का पता चलता है कि उसने हमारे विधायक बसवराज मट्टीमाडु, भाजपा नेताओं चंदू पाटिल, मणिकांठा राठौड़ और अंडोला स्वामी को मारने के लिए सुपारी दी थी।

अय्या हमारे लिए सबकुछ..., रिश्तेदार की पार्टी में नियुक्ति को लेकर पिता से विवाद पर बोले अंबुमणि

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमिलनाडु की पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) के अध्यक्ष अंबुमणि रामदास ने रविवार को अपने पिता एस रामदास से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद उन्होंने कहा, 'अय्या हमारे लिए सबकुछ हैं।' यह मुलाकात तब हुई, जब एक दिन पहले पार्टी में महत्वपूर्ण पद पर एक रिश्तेदार पी. मुकुंथन की महत्वपूर्ण पद पर नियुक्ति को लेकर पिता-पुत्र दोनों में जुबानी जंग हुई। पार्टी के कार्यकर्ता और समर्थक रामदास को 'मरुथुवर अय्या' (डॉक्टर साहब) या 'अय्या' कहकर सम्मान देते हैं।

अंबुमणि ने विलुपुरम जिले के थेलापुर में अपने घर पर पिता से मुलाकात की। बाद में उन्होंने पत्रकारों से कहा कि यह नियुक्ति का विवाद पार्टी का अंदरूनी मामला है, जिसे पार्टी के भीतर ही हल किया जाएगा। उन्होंने कहा, हमने अय्या के नेतृत्व में पार्टी को आगे बढ़ाने, 2026 के चुनाव और जाति जनगणना से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

शनिवार को पार्टी की बैठक में पिता और पुत्र के बीच खुलकर मतभेद दिखे थे। इस पर अंबुमणि ने कहा, पीएमके एक लोकतांत्रिक पार्टी है और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित बैठक में बहस होना

आम बात है। अंबुमणि ने कहा, 'हमारे लिए अय्या ही सबकुछ हैं। आज हम अय्या से बात कर रहे हैं।' इस मुलाकात के दौरान जी.के. मणि जैसे पार्टी के वरिष्ठ नेता भी मौजूद थे।

अपने भतीजे पी. मुकुंथन को राज्य युवा शाखा का अध्यक्ष बनाए जाने के सवाल पर अंबुमणि ने कहा, यह पार्टी का अंदरूनी मामला है। आपको इस पर चर्चा करने की कोई जरूरत नहीं है। हम आपस में ही इसे हल करेंगे। मुकुंधन की नियुक्ति पर ही पिता और पुत्र के बीच विवाद हुआ था।

एक दिन पहले अंबुमणि ने अपने पिता के फैसले का विरोध किया था। इस पर रामदास ने कहा था कि जो लोग उनके आदेश का पालन नहीं करना चाहते, वे पार्टी छोड़ सकते हैं। इसके बाद पार्ट की बैठक में पिता और पुत्र के बीच बहस हुई थी। मुकुंथन, रामदास के पोते हैं और उनकी पहली बेटी श्रीकंठी पारसुरमन के बेटे हैं। रामदास ने यह भी कहा था कि मुकुंथन अंबुमणि की मदद करेंगे।

कोड़े मारने वाला आंदोलन बहन के यौन उत्पीड़न पर भाई का क्रोध: अन्नामालै

चेन्नई/शुभ लाभ ब्यूरो।
तमिलनाडु भाजपा प्रमुख के. अन्नामालै ने अपने कोड़े मारने वाले अनोखे आंदोलन को लेकर तमाम राजनीतिक दलों की कड़ी आलोचना के बीच कहा कि उनके इस कदम की तुलना बहन के यौन उत्पीड़न पर एक भाई के क्रोध से की जानी चाहिए। अन्नामालै ने कहा कि उनके कदम को राजनीतिक रूप से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि इसे राज्य में व्यवस्था की विफलता पर एक बड़े भाई के गुस्से के रूप में देखा जाना चाहिए। के. अन्नामालै ने पूछा, क्या पुलिस मामले को निष्पक्ष तरीके से संभाल रही है? नहीं।

एफआईआर लीक होने की कोई संभावना नहीं थी। यह कैसे लीक हो गई? बता दें कि, के अन्नामालै ने एक दिन पहले चेन्नई की कॉलेज छात्रा पर यौन उत्पीड़न के मामले से निपटने के तरीके को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक और राज्य पुलिस की निंदा करने के लिए खुद को कोड़े मारने का अनूठा आंदोलन किया था। अन्नामालै ने

गुरुवार को घोषणा की थी कि वह चेन्नई के एक विश्वविद्यालय में एक छात्रा के कथित यौन उत्पीड़न को लेकर सत्तारूढ़ द्रमुक सरकार के खिलाफ 48 दिनों का उपवास रखेंगे, खुद को कोड़े मारेंगे और नंगे पैर रहेंगे। सत्तादल डीएमके समेत कई राजनीतिक दलों ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के इस आंदोलन के लिए मजाक उड़ाया था, जिसका मकसद डीएमके सरकार को हटाना भी था। उन्होंने डीएमके के सत्ता से बाहर होने तक चप्पल न पहनने की कसम खाई थी और मुरुगन मंदिरों की तीर्थयात्रा के लिए 48 दिनों का अनुष्ठान भी शुरू किया था। इसके साथ ही, उन्होंने इस मुद्दे पर अपने रुख को उचित ठहराया। तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष ने द्रविड़ मुनेत्र कझगम के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना की और महिलाओं के खिलाफ अपराधों में बढ़ोतरी का आरोप लगाया। उन्होंने कहा महिलाओं के खिलाफ अपराध अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर हैं। यह घटना न केवल चौंकाने वाली है, बल्कि इसने हमें एक पल के लिए स्तब्ध कर दिया है। सबसे सुरक्षित स्थानों में से एक, विशाल अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में इस भयानक अपराध को देखा गया।

वैष्णो देवी में रोपवे विवाद : 5वें दिन भी बंद रहा कटड़ा

उप मुख्यमंत्री ने कहा पहले रोजी रोटी फिर विकास

अब भाजपा विधायक करेंगे भूख हड़ताल

जम्मू, 29 दिसंबर (ब्यूरो)। वैष्णो देवी में प्रस्तावति रोपवे के विरोध में आज लगातार 5वें दिन कटड़ा में सब कुछ बंद रहने से यात्रा में शामिल होने वालों की संख्या 10 हजार तक कम गई है। जबकि दिसंबर के अंतिम सप्ताह में प्रतिदिन 50 हजार श्रद्धालु आया करते थे। मामला अब इस कदर बढ़ गया है कि वैष्णो देवी सीट के भाजपा विधायक ने भी कल से भूखहड़ताल करने की घोषणा की है जबकि कटड़ा पहुंचे उप मुख्यमंत्री सुरेंद्र चौधरी ने ऐलान किया है कि रोजी रोटी पर लात मारने वाली किसी भी परियोजना का वे भी विरोध करते हैं।

वैष्णो देवी तीर्थयात्रा के लिए आधार शिविर कटड़ा में रोपवे विरोधी प्रदर्शन तेज हो गया है। स्थानीय भाजपा विधायक ने हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को रिहा न किए जाने पर भूख हड़ताल पर बैठने की धमकी दी है। प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष रमण भल्ला सहित अन्य नेताओं ने शनिवार को भी कटड़ा में जारी हड़ताल में शामिल होने के लिए कूच किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें दोमेल में रोक दिया। पार्टी नेता कटड़ा रोपवे के खिलाफ मुखर हुए लोगों से मिलने जा रहे थे। पिछले तीन दिन में यह दूसरी बार है कि पार्टी नेताओं को कटड़ा जाने से अनुमति नहीं दी गई।

श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति के आह्वान पर सड़कों से यातायात नदारद रहने के बावजूद सभी दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान लगातार पांचवें दिन बंद रहे। बुधवार को शुरू हुए बंद ने शहर में सामान्य जनजीवन को बाधित कर दिया है, जहां हजारों तीर्थयात्री वैष्णो देवी के गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए रोजाना आते हैं।

त्रिकुटा पहाड़ियों में प्रस्तावित रोपवे परियोजना के विरोध में रविवार को लगातार पांचवें दिन भी पवित्र हिंदू तीर्थ नगरी बंद रही। भाजपा विधायक बलदेव राज ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए धमकी दी कि अगर हिरासत में लिए गए लोगों को 24 घंटे के भीतर रिहा नहीं किया गया तो वे भूख हड़ताल पर बैठेंगे। शर्मा ने कहा कि अगर प्रशासन हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा नहीं करता है तो मैं अपने लोगों के साथ भूख हड़ताल पर बैठूंगा। प्रशासन को उन्हें तुरंत रिहा करना चाहिए।

कटड़ा के लोगों द्वारा दिखाई गई एकता की प्रशंसा करते हुए भाजपा विधायक ने कहा कि कटड़ा के निवासियों ने यह साबित कर दिया है कि हम इस लड़ाई में एक साथ खड़े हैं। मैं इस विरोध प्रदर्शन का समर्थन करने के लिए युवाओं और महिलाओं को धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने इस मुद्दे को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह व दिल्ली में अन्य नेताओं के समक्ष उठाया है। शर्मा ने कहा कि हमारे प्रतिनिधि दिल्ली गए और गृहमंत्री ने इस मुद्दे का संज्ञान लिया है। नेतृत्व को समाधान खोजने के लिए कहा गया है। इसलिए मैं यहां आपके साथ हूं। शहर में पहले के प्रदर्शनों के दौरान पुलिस द्वारा हिरासत में लिए गए अपने साथी प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग को लेकर पांच लोग भूख हड़ताल पर बैठे हैं। श्री माता वैष्णो देवी संघर्ष समिति ने शुरू में 25 दिसंबर को बंद का आह्वान किया था जिसे बाद में प्रस्तावित रोपवे परियोजना को स्थगित करने और हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों को रिहा करने सहित अपनी मांगों पर जोर देने के लिए 72 घंटे और बढ़ा दिया गया था।

बुधवार के विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने दो समिति नेताओं भूपिंदर सिंह और सोहन चंद समेत कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया और पुलिस वाहन में ले गए। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने पिछले महीने रोपवे लगाने की योजना की घोषणा की थी, ताकि वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और अन्य लोगों के लिए मंदिर तक पहुंच आसान हो सके, जिन्हें गुफा मंदिर तक 13 किलोमीटर का रास्ता चुनौतीपूर्ण लगता है। प्रस्तावित 250 करोड़ रुपये की रोपवे परियोजना ताराकोट मार्ग को सांजी छत से जोड़ेगी, जो रियासी जिले में गुफा मंदिर तक जाती है।

कश्मीर में 3 से 6 जनवरी के बीच जोरदार बर्फबारी की संभावना

यह ट्रेलर था, फिल्म तो अभी बाकी है: मौसम विभाग

जम्मू, 29 दिसंबर (ब्यूरो)। एक ही रात में होने वाली बर्फबारी के कारण कश्मीर वादी में सभी व्यवस्थाओं और दावों को तहस नहस कर देने के उपरांत मौसम विभाग का कहना है कि यह बर्फबारी का सिर्फ ट्रेलर था और फिल्म 3 से 6 जनवरी के बीच दिख सकती है जब मध्यम से भारी बर्फबारी की संभावना है।

चिल्लेकलां की शुरुआत के पांच दिनों बाद साल के अंत में हुई बर्फबारी से पूरी तरह सफेद हो चुके कश्मीर में नए साल पर भी बारिश व बर्फबारी होने की संभावना है। स्थानीय मौसम विभाग ने रविवार को यह भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के एक अधिकारी के अनुसार, इस साल के अंत तक मौसम सामान्य रूप से शुष्क रहने की उम्मीद है।

हालांकि, 1 और 2 जनवरी को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ के जम्मू कश्मीर पहुंचने की उम्मीद है, जिससे 1 जनवरी की शाम से 2 जनवरी की सुबह तक कश्मीर में छिटपुट स्थानों पर हल्की बर्फबारी होने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने कहा कि 3 से 6 जनवरी से एक और मध्यम पश्चिमी विक्षोभ के जम्मू कश्मीर पहुंचने की संभावना है, जिसके प्रभाव से कश्मीर संभाग के कई स्थानों और जम्मू संभाग के छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम और भारी बर्फबारी की संभावना के साथ मौसम आमतौर पर बादल छाए रहने की उम्मीद है। विभाग ने 30 और 31 दिसंबर के दौरान अलग-अलग स्थानों पर शीत लहर की चेतावनी भी जारी की। इसमें कहा गया है कि बर्फबारी और ठंड के तापमान को देखते हुए मैदानी और ऊंचे इलाकों में सड़कों पर बर्फीली स्थिति रहने की उम्मीद है। विभाग ने

पर्यटकों, यात्रियों व ट्रांसपोर्टरों से कहा कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले प्रशासन की यातायात सलाह का पालन करें।

कश्मीर वादी में शुक्रवार को मौसम की पहली बड़ी बर्फबारी हुई, जिससे निवासियों को लंबे समय से चल रहे सूखे और शीत लहर की स्थिति से राहत मिली है। हालांकि, बारिश ने वाहनों के परिवहन को प्रभावित करके और बिजली ट्रांसमिशन लाइनों और पेयजल आपूर्ति को बाधित करके सामान्य जीवन को बाधित कर दिया। आज श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं फिर से शुरू हो गई हैं। भारी बर्फबारी के कारण एक दिन के लिए निलंबित रहने के बाद रविवार को श्रीनगर हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन फिर से शुरू हो गया। श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के अधिकारियों ने कहा कि रनवे से बर्फ साफ होने के बाद श्रीनगर आने-जाने वाली उड़ानें बहाल कर दी गई हैं। एक अधिकारी ने बताया कि हवाई अड्डे के रनवे पर भारी बर्फ जमा हो गई थी, जिसके कारण उड़ानें उड़ान नहीं भर सकीं। शनिवार दोपहर से हमने रनवे को साफ करने के लिए मशीनरी तैनात की।

पंजाब में पुलिस चौकियों पर ग्रेनेड अटैक केस में बड़ी सफलता, 4 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए पाकिस्तान प्रायोजित आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। इस मॉड्यूल का बब्बर खालसा इंटरनेशनल और आईएसआई (पाकिस्तान) से गठजोड़ था। यह मॉड्यूल बटाला के बांगड़ पुलिस स्टेशन और गुरदासपुर के वडाला बांगड़ पुलिस चौकी पर हुए ग्रेनेड हमलों के लिए जिम्मेदार माना जा रहा है ।

पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें मुख्य साजिशकर्ता अभिजोत सिंह भी शामिल है। वह आर्मेनिया में बैठे विदेशी संचालकों, हैप्पी पसीयन और शमशेर उर्फ़ हनी, के निर्देशों पर काम कर रहा था।

जब पुलिस टीम सबूत बरामद करने के लिए आरोपियों को लेकर गई, तो उन्होंने हिरासत से भागने की कोशिश में पुलिस पर हमला किया। पुलिस के मुताबिक, आत्मरक्षा में कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपी घायल हो गए। उन्हें बटाला के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत स्थिर है।

पंजाब के निदेशक जनरल ऑफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने बताया कि इस मॉड्यूल का सफलतापूर्वक पर्दाफाश करते हुए पंजाब पुलिस ने राज्य में पुलिस संस्थानों पर हुए हमलों के सभी राज सुलझा लिए हैं। गिरफ्तार किए गए बाकी चार व्यक्तियों की पहचान कुलजीत सिंह, रोहित उर्फ घेसी, शुभम और गुरजिंदर सिंह उर्फ राजा के रूप में हुई है, जो सभी बटाला के किला लाल सिंह के निवासी हैं। पुलिस टीमों ने इनकी गिरफ्तारी से दो पिस्तौल बरामद की, जिनमें एक 9 एमएम ग्लॉक और एक .32 बोर पिस्तौल शामिल है।

बटाला के घनीये के बंगर पुलिस स्टेशन पर 12 दिसंबर को रात 10:20 बजे और 20 दिसंबर को रात 9:30 बजे गुरदासपुर की वडाला बंगर पुलिस चौकी पर हुए हमलों के बाद मिली। इन घटनाओं के बाद, आतंकवादी संगठन बीकेआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर विभिन्न पोस्टों के माध्यम से इन आतंकवादी हमलों की जिम्मेदारी ली थी। पुलिस के मुताबिक, इस मामले के अगले-पीछे संबंध स्थापित करने और इस पूरे आतंकवादी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने के लिए जांच जारी है।

वहीं डीआईजी (बॉर्डर रेंज) सतिंदर सिंह ने बताया कि पुलिस संस्थानों पर हुए हमलों के बाद बटाला पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया गया। तकनीकी और मानव खुफिया के आधार पर, एसएसपी बटाला सुहैल कासिम मीर की निगरानी में पुलिस टीमों ने सभी आरोपियों का पता लगाकर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एसएसपी सुहैल कासिम मीर ने बताया कि इस मामले की आगे की जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां और बरामदगी की उम्मीद है.

कांग्रेस में दरार, अलग-थलग महसूस कर रहे पुराने नेता: शर्मिष्ठा मुखर्जी

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने आरोप लगाया कि कांग्रेस में दरार आ चुकी है और पार्टी के नेता खुद को अलग महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को उन्हें ट्रोल करने के बजाय आत्मनिरीक्षण करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की बेटी शर्मिष्ठा मुखर्जी ने रविवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस में गिरावट आ गई है और पार्टी को दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति पर आत्ममंथन करने की जरूरत है। शर्मिष्ठा ने पार्टी की मौजूदा स्थिति पर अफसोस जताते हुए कहा कि आज कई पुराने कांग्रेस कार्यकर्ता खुद को पार्टी से अलग-थलग महसूस कर रहे हैं, क्योंकि शीर्ष नेताओं में विचारधारा की कमी है। शर्मिष्ठा ने यह भी सवाल उठाया कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक क्यों नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारित किया गया। उन्होंने कहा कि उन्हें बुरा लगा जब उनके पिता की मृत्यु के बाद सीडब्ल्यूसी की बैठक नहीं बुलाई गई। सीडब्ल्यूसी कांग्रेस के सबसे बड़े फैसले लेने वाली संस्था है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस को इसका जवाब देना होगा। मैं सिर्फ एक तथ्य पेश कर सकती हूं। लेकिन मैं यह भी कहना चाहूंगी कि मुझे नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था या बस लापरवाही थी।

इतनी पुरानी पार्टी में क्या परंपराएं हैं? पीटीआई से बातचीत में शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, अगर (कांग्रेस नेता) राहुल गांधी और उनके करीबी लोगों को यह नहीं पता कि कांग्रेस ने पहले इस स्थिति में कैसे काम किया, तो यह खुद कांग्रेस के भीतर एक गंभीर और दुखद स्थिति है।

जब कांग्रेस में गैर-वंशवादी नेताओं के योगदान के बारे में पूछा गया, तो शर्मिष्ठा ने कहा, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि (पूर्व प्रधानमंत्री) पीवी.नरसिम्हा राव के साथ क्या किया गया। शर्मिष्ठा ने आगे कहा, कांग्रेस का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र (इकोसिस्टम), यानी उसका सोशल मीडिया लगातार मुझे और मेरे पिता को कुछ अन्य मुद्दों पर लगातार ट्रोल कर रहा था। जो भाषा मेरे और मेरे पिता जैसे बड़े नेताओं के खिलाफ इस्तेमाल की गई, वह यह दिखाती है कि कांग्रेस में सचमुच एक दरार आ चुकी है।

उन्होंने कहा, कांग्रेस को सोशल मीडिया पर ट्रोल करने के बजाय गंभीर आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। क्योंकि मेरी तरह कांग्रेस की विचारधारा में भरोसा रखने वाले व्यक्ति आज पार्टी से खुद को अलग महसूस करते हैं।

इससे पहले, एक्स पर एक और पोस्ट में मुखर्जी ने कहा था, जब बाबा का निधन हुआ, तो कांग्रेस ने शोक के लिए सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाने की जहमत नहीं उठाई।

एक वरिष्ठ नेता ने मुझसे कहा कि यह राष्ट्रपति के लिए नहीं की जाती है। यह बिल्कुल बकवास है, क्योंकि मुझे बाबा (प्रणब मुखर्जी) की डायरियों से पता चला कि के.आर. नारायणन की मृत्यु पर सीडब्ल्यूसी की बैठक को बुलाया गया था और शोक संदेश बाबा ने ही तैयार किया था।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए स्मारक बनाने को लेकर चल रहे विवाद पर मुखर्जी ने कहा कि वह इस विवाद में नहीं पड़ेंगी, क्योंकि वह अब कांग्रेस का हिस्सा नहीं है और उन्होंने राजनीति छोड़ दी है। हालांकि, उन्होंने मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक बनाने की पैरवी की और कहा कि देश का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार भारत रत्न भी पूर्व प्रधानमंत्री को मरणोपरांत दिया जाना चाहिए।

शर्मिष्ठा मुखर्जी ने कहा, मैं इस बारे में कुछ नहीं कहूंगी, मैं अब कांग्रेस से जुड़ी हुई नहीं हुई। मैंने राजनीति छोड़ दी है। राहुल गांधी ने जो कहा है, कांग्रेस को उसे स्पष्ट करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि मनमोहन सिंह के लिए एक स्मारक बनाने की मांग बिल्कुल जायज है। वह भारत में आर्थिक सुधारों के वास्तुकार थे। वह भारत की विकास गाथा के जनक थे। वह दो बार के प्रधानमंत्री थे। इसलिए उनके सम्मान में स्मारक की मांग बिल्कुल जायज है। साथ ही भारत के आम नागरिकों की ओर से मैं उनके लिए भारत रत्न की मांग करती हूं। वह इसके पूरी तरह हकदार हैं।

डॉ. मनमोहन सिंह की यमुना में विसर्जित की गईं अस्थियां

एक जनवरी को होगा अखंड पाठ का आयोजन; तीन को अंतिम अरदास

नई दिल्ली , 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की अस्थियां उनके परिवार के सदस्यों द्वारा सिख रीति-रिवाजों के साथ मजनू का टीला गुरुद्वारे के पास यमुना नदी में विसर्जित की गईं। सिंह के परिवार के सदस्यों ने रविवार सुबह निगमबोध घाट से अस्थियां एकत्र कीं और बाद में उन्हें गुरुद्वारे के पास यमुना नदी तट पर 'अष्ट घाट' पर ले जाया गया।

डॉ. मनमोहन सिंह की पत्नी गुरशरण कौर, उनकी तीन बेटियां उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह व अन्य रिश्तेदार विसर्जन स्थल पर मौजूद रहे। सिख रीति-रिवाजों के तहत परिवार एक जनवरी को मोतीलाल नेहरू मार्ग स्थित अपने आधिकारिक आवास पर 'अखंड पाठ' का आयोजन करेगा।

तीन जनवरी को संसद परिसर के पास रकाबगंज गुरुद्वारे में 'भोग' समारोह, 'अंतिम अरदास' और 'कीर्तन' आयोजित किया जाएगा।

कांग्रेसी सिर्फ फोटो खिंचाने पहुंचते हैं, अस्थि विसर्जन में नहीं था कोई नेता : हरदीप सिंह

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के लिए स्मारक और उनके अंतिम संस्कार को लेकर अभी भी राजनीतिक बयानबाजी जारी है। कांग्रेस लगातार इस बात पर सवाल उठा रही है कि अब तक डॉक्टर मनमोहन सिंह की स्मारक बनाने को लेकर जमीन का आवंटन क्यों नहीं हो पा रहा और इसमें क्यों देरी हो रही है? इसके साथ ही कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निगम बोध घाट पर हुए अंतिम संस्कार को लेकर भी सवाल उठाए हैं। हालांकि, इसको लेकर केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने जवाब देते हुए कहा है कि कांग्रेस वाले केवल फोटो खिंचवाने आ जाते हैं, लेकिन डॉ। मनमोहन सिंह के अस्थि वसर्जन के समय कोई नहीं पहुंचा। कांग्रेस की ओर से उठाए गए सवालों पर भाजपा ने भी पलटवार किया है। बीजेपी की तरफ से कहा गया कि कांग्रेस इस मुद्दे पर सिर्फ राजनीति कर रही है, जबकि भाजपा की तरफ से पहले ही कहा जा चुका है कि डॉ मनमोहन सिंह का स्मारक बनाने को लेकर कैबिनेट में फैसला लिया जा चुका है और रही बात निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार की तो वहां पर किए गए इंतजाम के ऊपर सवाल उठाकर कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रही है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कांग्रेस के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस बेबुनियाद आरोप लगा रही है। डॉ मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार हुआ है। जो मेमोरियल बनाने की बात कही जा रही है, उसके लिए भी सरकार तैयार हो गई, लेकिन अभी की स्थिति ऐसी थी कि उसमें कुछ दिक्कतें थीं। पिछले तीन दिनों से हो रही बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही थी, ऐसे में खुले में अंतिम संस्कार मुमकिन नहीं था। हरदीप पुरी ने कहा कि कि कांग्रेस की सरकारों के दौरान भी देश के कई पूर्व प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति का अंतिम संस्कार एकता स्थल पर हुआ है, जहां पर उनके स्मारक भी बनी हुई है। अगर कांग्रेस चाहती तो उस स्थान पर भी डॉ मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार हो सकता था क्योंकि वह जगह पहले से ही चिन्हित है और उस जगह पर अभी भी दो स्मारक बनने की जगह खाली है। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के परिवार वालों के कथित अपमान के मुद्दे पर हरदीप सिंह पुरी ने जवाब देते हुए कहा कि मनमोहन सिंह के परिवार के सदस्यों की गाड़ी किसी काफिले की वजह से नहीं रुकी और निगम बोध घाट पर भी उनके लिए पूरे इंतजाम थे। कांग्रेस सिर्फ राजनीति कर रही है। केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी ने कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता सिर्फ फोटो खिंचवाने के लिए पहुंच जाते हैं, लेकिन आज जब डॉ मनमोहन सिंह की अस्थियों को प्रवाहित करना था तो उस दौरान कांग्रेस का कोई नेता वहां नहीं पहुंचा।

नवी मुंबई हवाई अड्डे के सत्यापन के लिए पहला यात्री विमान उतरा

नवी मुंबई , 29 दिसंबर (एजेंसियां)। अदानी समूह द्वारा विकसित किया जा रहे नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिचालन की तैयारी के सत्यापन के लिए रविवार को पहली वाणिज्यिक उड़ान का सफलतापूर्वक परिचालन आयोजित किया।

समूह का कहना है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है। उसे अब विनियामक से लाइसेंस की प्रतीक्षा है।

नव विकसित हवाई अड्डे पर उड़ानों के आवागमन में सहायक प्रणालियों और सुविधाओं के सत्यापन पहले ही किया जा चुके थे। वाणिज्यिक उड़ान की सत्यापन प्रक्रिया में आज इंडिगो एयरलाइंस का एक ए 320 विमान इस हवाई अड्डे की उड़ान पट्टी 08/ 26 पर उतारा गया। हवाई अड्डे का विकास और परिचालक करने के लिए गठित कंपनी नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एन एम आई ए) की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार विमान के हवाई पट्टी की ओर आने और हवाई पट्टी पर उतरने की प्रक्रिया और प्रणालियों के सत्यापन के साथ इसे हवाईअड्डा विनियामक डीजी-सीए (नागर विमानन महानिदेशालय) से परिचालन का लाइसेंस मिलने का रास्ता साफ हो गया है। विज्ञप्ति के अनुसार हवाई अड्डे पर पहले वाणिज्य विमान की सत्यापन उड़ान को देखने के लिए वहां डीजीसीए और उन एजेंसियों के अधिकारी भी उपस्थित थे। इंडिगो के विमान के हवाई पट्टी पर उतरने पर दोनों ओर से दो दमकल मशीनों द्वारा पानी की फुहार से परंपरागत तरीके से स्वागत किया गया।

इस अवसर पर वहां डीजीसीए के अधिकारियों के अलावा भारतीय विमान पत्तन प्राधिकरण, सीमा शुल्क, आव्रजन विभाग,केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, महाराष्ट्र सरकार की एजेंसी सिडको, मौसम विभाग, नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो और अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड कंपनी के अधिकारी और अन्य संबद्ध पक्षों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि इन विभिन्न एजेंसियों की उपस्थिति में हवाई अड्डे पर वाणिज्यिक उड़ान व्यवस्था के सफलतापूर्वक प्रमाणीकरण से यह संकेत मिलता है कि यह हवाई अड्डा अंतरराष्ट्रीय विमान मानकों के अनुसार परिचालन के लिए तैयार है।

अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसल ने इस कार्यक्रम को इस नए हवाई अड्डे के लिए एक ऐतिहासिक दिन बजाते हुए कहा कि प्रणालियों के सफलतापूर्वक सत्यापन से हम इस पर व्यावसायिक उड़ानों के शुरू करने के एक कदम और नजदीक पहुंच गए हैं। उन्होंने कहा कि उनके लिए विमानन सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है यह हवाई अड्डा न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर का होगा बल्कि इससे क्षेत्र का विकास होगा । यह हवाई अड्डा मुंबई क्षेत्र में दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा। सत्यापन हेतु आयोजित इस वाणिज्यिक उड़ान से पहले इस हवाई अड्डे पर पर विमान को उतारने के लिए सही-सही पथ प्रदर्शन और दिशा निर्देश देने मैं सहायक इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और प्रीसीजन एप्रोच पाथ (पी ए पी आई) इंडिकेटर की जांच की गई थी।

श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर

मातृशक्तियों द्वारा किया जाएगा सुंदरकांड पाठ

लखनऊ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में रविवार 29 दिसंबर को सनातन मातृशक्तियों की आध्यात्मिक संगोष्ठी का आयोजन भूतनाथ मार्केट के बी-209, सावित्री प्लाजा में किया गया। श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ पर अयोध्या के मंदिर परिसर में 11 जनवरी को प्रदेश भर से आमंत्रित पांच सौ मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। इसमें लखनऊ ही नहीं मिश्रिख, रायबरेली, कानपुर, बरेली, शाहजहांपुर, बनारस, अम्बेडकरनगर, सुल्तानपुर सहित उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों से मातृशक्तियां भाग लेंगी। इसके साथ ही सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल की अगुआई में 5 जनवरी को बाराबंकी के अम्बौर में वृहद सुंदरकांड का पाठ किया जाएगा। इस अवसर पर महाकुंभ के माध्यम से जगत कल्याण हो, इस कामना के साथ मंगल कलश पूजन भी किया। लोगों का

आवाहन किया गया कि वह अधिक से अधिक संख्या में महाकुंभ पहुंचे। इसके साथ ही नूतन वर्ष 2025 की मंगल कामना के साथ कैलेंडर भी वितरित किए गए।

मंगलवार 17 दिसंबर को अयोध्याजी मंदिर परिसर में चतुर्थ सामूहिक मासिक सुंदरकांड का पाठ किया गया था। इसके साथ ही पहली बार सैकड़ों सनातनी मातृशक्तियों ने रविवार 01 दिसंबर को वाराणसी के श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में सुंदरकांड का पाठ कर विश्व कल्याण और भारत उन्नति की कामना की। सपना गोयल के अनुसार सुंदरकांड के नियमित पाठ से केवल सनातनियों का ही नहीं बल्कि हर समाज के अनुयायियों का कल्याण सम्भव है। सुंदरकांड के पाठ में सुंदर विश्व की कामना का भाव निहित है। सपना गोयल के अनुसार प्रतिदिन सुंदरकांड के पाठ और सप्ताह में दो बार, मंगलवार और शनिवार को नजदीक के मंदिर में सामूहिक सुंदरकांड करने से उनके परिवार का ही नहीं समाज का भी उत्थान होगा। उन्होंने बताया कि श्री सुंदरकांड का पाठ करने से जीवन में आ रही सभी प्रकार की परेशानियां शीघ्र ही दूर होती हैं और साधक को बल, बुद्धि और विद्या सहित सुख-संपत्ति का आशीर्वाद प्राप्त होता है। उनके अनुसार यदि किसी कार्य विशेष में तमाम प्रयासों के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही है तो व्यक्ति को सुंदरकांड का पाठ अवश्य करना चाहिए। इससे भक्त में आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति का वर्धन होगा और समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

अयोध्याजी जन्मभूमि परिसर में मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक मासिक सुंदरकांड पाठ का सिलसिला 11 सितंबर से शुरू हो गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र की ओर से लखनऊ की ईश्वरीय स्वप्नाशीष सेवा समिति की सनातन ध्वजवाहिका सपना गोयल को इसका दायित्व सौंपा गया है। इसके साथ ही संकल्प के अनुसार जल्द ही अयोध्याजी में पांच हजार मातृशक्तियों द्वारा सामूहिक सुंदरकांड पाठ का वृहद आयोजन भी किया जाएगा। सपना गोयल द्वारा बिना किसी सरकारी या निजी सहयोग के, बीते 10 मार्च को महिला दिवस के उपलक्ष्य में पांच हजार से अधिक मातृशक्तियों द्वारा लखनऊ के झूलेलाल घाट पर सामूहिक सुंदरकांड का भव्य अनुष्ठान सम्पन्न करवाया गया था। सामूहिक सुंदरकांड का अभियान राष्ट्रीय स्तर पर वृहद रूप में निरंतर संचालित किया जा रहा है। इसके तहत नैमिषारण्य तीर्थ और उत्तराखंड कोटद्वार के प्रतिष्ठित प्राचीन मंदिर सिद्धबली परिसर में भी सामूहिक सुंदरकांड पाठ का अनुष्ठान, सफलतापूर्वक आयोजित करवाया जा चुका है। इस क्रम में हरिद्वार तीर्थ में भी यह आयोजन किया जाना है। यह अभियान देश ही नहीं विदेशों तक में संचालित किया जा रहा है।

पीलीभीत एनकाउंटर : बब्बर खालसा के तीन आतंकियों पर केस

पीलीभीत, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। पीलीभीत मुठभेड़ में मारे गए खालिस्तान समर्थक आतंकियों के मददगार सिद्धू समेत तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तीनों बब्बर खालसा के आतंकी है। पीलीभीत के पूरनपुर में पुलिस मुठभेड़ में मारे गए खालिस्तान समर्थक आतंकियों के मददगारों की फेहरिस्त में बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े आतंकी सिद्धू के बाद अब विदेश में बैठे रिंदा और फतेह सिंह के भी नाम जुड़ गए हैं।

ट्रैवल एजेंट को धमकी देने और रंगदारी मांगने के मामले में पूरनपुर पुलिस ने सिद्धू, रिंदा और फतेह सिंह बागी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि इन तीनों ने पूरनपुर में नेटवर्क खड़ा कर लिया है।

घुंघचाई के घनश्यामपुर गांव निवासी मलकीत सिंह ग्लोबल गेटवे सेंटर के नाम से ट्रैवल एजेंसी चलाते हैं। शुक्रवार को उन्होंने पूरनपुर कोतवाली में दर्ज कराई गई शिकायत में कहा था कि सात सितंबर को रात करीब नौ बजे उनके पास अंतरराष्ट्रीय नंबर से दो कॉल की गई थी। इनमें से एक ने अपनी पहचान लंदन से सिद्धू और दूसरे ने पाकिस्तान से रिंदा बताई थी। सिद्धू ने धमकाया था कि तुम्हारे बारे में बहुत जानकारी मिल चुकी है। 10 लाख रुपए दो, नहीं तो गोलियों से भून दिया जाएगा।

मलकीत का दावा है कि वह सितंबर में लंदन में थे, तब भी सिद्धू ने कॉल कर धमकाया था। छह दिसंबर को रात करीब एक बजे फतेह सिंह बागी ने कॉल कर धमकी दी थी। पुलिस ने तीनों आतंकियों पर रंगदारी समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज की है। कोरोना काल में कुलबीर सिंह सिद्धू गजरौला के जिन लोगों के घर रुका और नजदीकी रही, पुलिस उन सभी से पूछताछ कर रही है। इनमें अर्शदीप और सतवंत मुख्य हैं। बताया जा रहा है कि सिद्धू इन दोनों के यहां ठहरा था। यहीं से उसने अपना नेटवर्क मजबूत कर गुर्गे तैयार किए।

हरियाणा के नंगल में विहिप नेता विकास बग्गा की हत्या के मामले में उसने यहीं के एक युवक के खाते से रुपयों का लेनदेन किया।

शनिवार को कोतवाली में सीओ सिटी, माधोटांडा एसओ, कोतवाली के इंस्पेक्टर क्राइम ने सिद्धू के करीबियों से पूछताछ की। पीलीभीत के एसपी अविनाश पांडेय ने बताया कि ट्रैवल एजेंट की शिकायत पर बब्बर खालसा से जुड़े तीन आतंकियों पर केस दर्ज किया गया है। वहीं कुलबीर सिंह सिद्धू के संपर्क में आए लोगों से पूछताछ की जा रही है।

नए साल पर मंदिर और बाजारों में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अलर्ट

यूपी के डीजीपी ने दिए सख्त निर्देश

लखनऊ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार ने नए वर्ष पर मंदिरों और बाजारों में महिला सुरक्षा को लेकर विशेष एहतियात बरतने का निर्देश दिया है। उन्होंने नए साल पर होने वाले आयोजनों के दौरान अग्निकांड आदि की घटनाओं से बचने के लिए अग्निशमन विभाग को भी सतर्क रहने को कहा है। साथ ही, नववर्ष की पूर्व संध्या से ही पीएसी बल के साथ फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया है।

डीजीपी ने सभी पुलिस आयुक्त, एडीजी जोन, आईजी रेंज और जिलों के पुलिस कप्तानों को निर्देश दिया कि नववर्ष के आयोजनों को सूचीबद्ध करते हुए हॉट स्पॉट चिन्हित करके राजपत्रित अधिकारियों के नेतृत्व में पर्याप्त पुलिस बल की ड्यूटी लगाई जाए और फुट पेट्रोलिंग की जाए।

संवेदनशील स्थलों व आयोजन स्थलों, होटलों, क्लब, मनोरंजन गृहों तथा विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, जहां नववर्ष के सामूहिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हो, पुलिस प्रबंध कर विशेष सुरक्षा की जाए। महिलाओं के आवागमन के मार्गों पर पेट्रोलिंग की जाए।लूट, चेन स्नेचिंग आदि घटनाओं की रोकथाम के लिए सादे वस्त्रों में महिला पुलिसकर्मियों तथा एंटी रोमियो स्क्वाड को सक्रिय रखा जाए।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की जाए। धार्मिक स्थलों के आसपास सघन चेकिंग की जाए। ड्रोन कैमरा और सीसीटीवी कैमरों की मदद ली जाए। सोशल मीडिया के विभिन्न माध्यमों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट प्रसारित होने पर तत्काल विधिक कार्रवाई करें।

संभल हिंसा का पाकिस्तान कनेक्शन

आईएसआई से शारिक साठा के संबंध

संभल, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। संभल दंगे के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़ रहे हैं। पुलिस को शक है कि दुबई में बैठे संभल के दीपा सराय के शारिक साठा बवाल की साजिश में शामिल रहा है। आईएसआई से शारिक के संबंध हैं।

संभल की जामा मस्जिद सर्वे के दौरान 24 नवंबर को हुए बवाल की साजिश का शक दीपा सराय निवासी शारिक साठा पर है। पुलिस की एसआईटी इस आधार पर जांच कर रही है। शारिक साठा देश का बड़ा वाहन चोर है। वह इस समय फर्जी पासपार्ट के जरिए दुबई में जाकर बस गया है। पुलिस को शक है कि शारिक दाऊद इब्राहिम और पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करता है। उसके दुबई से जाली नोट का काला कारोबार भी करने की जानकारी पुलिस को मिली है।

दीपा सराय निवासी शाकिर साठा पर नखासा थाने में 12 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसका हसनपुर मार्ग पर स्थित एक प्लॉट भी कुर्क कर चुकी है, जिसकी कीमत एक करोड़ से भी ज्यादा बताई जा रही है। शारिक साठा के तार पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हैं। वहीं, पुलिस को दुबई में बैठे शारिक साठा पर संभल में 24 नवंबर को हुए बवाल की साजिश रचने का शक है। अब एसआईटी इसी आधार पर कार्रवाई कर रही है।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि नखासा थाने में डकैती, लूट, वाहन चोरी, गुंडा एक्ट और गैंगस्टर के मामले शारिक साठा के खिलाफ दर्ज हैं। कई मामले में वह वारंटी है। एसपी ने बताया कि दिल्ली, एनसीआर और अन्य राज्यों में दर्ज मुकदमों का भी रिकॉर्ड मंगाया जाएगा। एसपी ने बताया कि टीम शारिक साठा के संपर्क में रहे लोगों की भी छानबीन कर रही है। जिससे शारिक साठा के गिरोह में शामिल लोगों पर भी कार्रवाई की जा सके। एसपी ने बताया कि शारिक साठा ने यदि पाकिस्तानी व अमेरिकी कारतूस भेजे हैं तो उसके गुर्गों ने ही बवाल में इस्तेमाल किए हैं। उन गुर्गों तक पहुंचने के लिए ही छानबीन शुरू की है।

दिल्ली क्राइम ब्रांच के रिकॉर्ड के मुताबिक शारिक साठा देश के अलग-अलग हिस्सों से लग्जरी कारों की चोरी कराकर या लूटकर नेपाल भेजता था। वहां भी गिरोह के सदस्य थे। इसका खुलासा दिल्ली पुलिस ने किया था। शारिक साठा जेल चला गया था तो गिरोह से घटनाओं को अंजाम दिलाता रहा। वर्ष 2020 में जेल से छूटने के बाद फर्जी पासपोर्ट से दुबई भाग गया था। करीब दो वर्ष पहले 300 वाहन शारिक गिरोह से दिल्ली की क्राइम ब्रांच ने बरामद किए थे। उस मामले में शारिक साठा के परिवार से भी आरोपी गिरफ्तार किए गए थे।

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि शारिक साठा पर शक है कि उसने ही 24 नवंबर को बवाल की साजिश रची थी। उसके माध्यम से पाकिस्तानी व अमेरिकी कारतूस संभल तक पहुंचे, जो उसके गुर्गों ने बवाल में इस्तेमाल किए। जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। एसपी ने बताया कि शारिक बड़ा वाहन चोर भी है। दिल्ली, एनसीआर, उत्तराखंड व अन्य राज्यों में 50 से ज्यादा वाहन चोरी व लूट के मामले दर्ज हैं। उन्होंने बताया कि वह जेल से छूटने के बाद फर्जी पासपोर्ट बनवाकर दिल्ली से दुबई भाग गया था। उसके बाद से ही वह जाली नोट भेजता है। एसपी ने कहा कि पूरा शक है कि वह इस बवाल में साजिश रचने वाले आरोपियों में शामिल है। उसके खिलाफ सबूत तलाश किए जा रहे हैं।

पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि शारिक साठा के गिरोह के जो वाहन चोर है वह अब जाली नोटों का काला कारोबार करते हैं। कई संभल के रहने वाले हैं। पुलिस को यह भी जानकारी मिली है कि दुबई में भी मिलने जाने वालों की सूचना है। उनकी जांच पड़ताल की जाएगी। जिससे शारिक साठा तक पहुंचा जा सके। संभल के एसपी ने कहा, वाहन चोर गिरोह का सरगना शारिक साठा दुबई भाग गया था। उसके बाद से ही वह दाऊद इब्राहिम की गिरोह और आईएसआई के संपर्क में आया। पूरा शक है कि बवाल की साजिश उसने रची और पाकिस्तानी कारतूस भी उसने ही भेजे।

मैड्रिड और बर्लिन में आयोजित होगा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग का अग्रणी व्यापार मेला

लखनऊ, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की पर्यटन संपदा और सामर्थ्य को विश्व समुदाय के समक्ष प्रदर्शित कर विदेशी पर्यटकों को 30प्र0 की ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग स्पेन की राजधानी मैड्रिड में 24 से 28 जनवरी, 2025 तथा जर्मनी की राजधानी बर्लिन में 04 से 06 मार्च, 2025 तक अंतर्राष्ट्रीय पर्यटन उद्योग मेले में अपनी जोरदार उपस्थिति दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि वैश्विक मंच पर प्रदेश में स्थित 12 टूरिज्म सर्किट, ओडीओपी, हस्तशिल्प एवं अन्य विशेषताओं का प्रदर्शन एवं प्रचार प्रसार किये जाने की रणनीति बनाई गयी है। इसके अलावा प्रदेश का गौरवशाली इतिहास समृद्ध विरासत और विशेषताओं की विदेशी पर्यटकों को जानकारी दी जायेगी। उन्होंने बताया कि इस मेले में भाग लेने का उद्देश्य विदेशी पर्यटकों को यूपी की ओर आकर्षित करना है। ताकि यूपी विदेशी पर्यटकों के मामले में भी पूरे देश में पहले स्थान पर स्थापित हो।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि इस अंतरराष्ट्रीय मेले में यह भी बताया जाएगा कि अब यूपी नए भारत का नया उत्तर प्रदेश है। जहां सुरक्षा के साथ रेल, वायु, वाटर-वे तथा एक्सप्रेसवे की बेहतर कनेक्टिविटी है। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश पर्यटन 40 वर्ग मीटर में प्रदर्शनी लगाएगा। यहां 12 टूरिज्म सर्किट के महत्वपूर्ण स्थलों के अलावा हस्तकला, विभिन्न कलाकृतियों और एक जिला, एक उत्पाद (ओडीओपी) आदि का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके अलावा, वीवीआईपी लाउंज, इंटरएक्टिव सेल्फी जोन और डिजिटल माध्यम (जैसे- स्क्रीन, मोबाइल ऐप और ब्रोशर) के जरिए दर्शकों से जुड़ने का प्रबंध होगा। इस आयोजन में टूर ऑपरेटरों और अन्य हितधारकों के साथ बिजनेस-टू-बिजनेस और बिजनेस-टू-कंज्यूमर इंटरैक्शन को बढ़ावा दिया जाएगा, जिससे उत्तर प्रदेश को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित किया जाएगा।

श्री जयवीर सिंह ने बताया कि इन आयोजनों में उत्तर प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों और विषयों को वैश्विक मंच पर लाया जाएगा, जिनमें महाकुंभ-2025, बौद्ध सर्किट, ईको-पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और वेलनेस पर्यटन की बढ़ती संभावनाएं शामिल हैं। कार्यक्रम में भगवान बुद्ध की भूमि उत्तर प्रदेश और महाकुंभ-2025 जैसे आकर्षक स्लोगन के माध्यम से दर्शकों का ध्यान खींचा जाएगा। साथ ही, प्रचार सामग्रियां, पर्यटन से जुड़ी फिल्में और उत्तर प्रदेश के पर्यटन मानचित्र वितरित किए जाएंगे। इन आयोजनों का विशेष ध्यान बौद्ध सर्किट, राज्य के सांस्कृतिक उत्सवों और विरासत स्थलों को बढ़ावा देने पर रहेगा। इन आयोजनों में उत्तर प्रदेश का शानदार प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए पर्यटन विभाग ने पेशेवर एजेंसियों से अत्याधुनिक प्रदर्शनी स्पेस डिज़ाइन, निर्माण और प्रबंधन के लिए प्रस्ताव आमंत्रित किए हैं।

पर्यटन मंत्री ने बताया कि राज्य के पर्यटन स्थलों की लोकप्रियता को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का प्रयास है। उत्तर प्रदेश अपनी समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, और विविध पर्यटन अनुभवों को पेश कर एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में उभरेगा।

काशी में 10 करोड़ भक्तों के पहुंचने का अनुमान

गंगा में वाटर बैरिकेडिंग व सेफ्टी नेट भी लगेंगे

वाराणसी, 29 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान काशी आने वाले श्रद्धालुओं के लिए गंगा स्नान के दौरान सुरक्षा के खास इंतजाम रहेंगे। इसके मद्देनजर कमिश्नरेट की जल पुलिस के पास जल्द ही अपना फ्लोटिंग डिवाइडर होगा। इस क्रम में 3000 मीटर लंबी वाटर बैरिकेडिंग और 3000 मीटर लंबा सेफ्टी नेट

काशी में देव दीपावली जैसे बड़े आयोजन पर गंगा में लेन बनाने के लिए अब तक प्रयागराज से फ्लोटिंग डिवाइडर मंगवाए जाते थे। प्रयागराज के महाकुंभ के दौरान प्रशासन का अनुमान है कि तकरीबन 10 करोड़ श्रद्धालु काशी आएंगे। इसके अलावा मकर संक्रांति, महाशिवरात्रि, छठ, पूर्णिमा-अमावस्या, सूर्य-चंद्र ग्रहण जैसे अवसरों पर काशी में गंगा स्नान के लिए लाखों श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ता है।

इसे देखते हुए शासन स्तर से कमिश्नरेट की जल पुलिस के लिए स्थायी रूप से फ्लोटिंग डिवाइडर खरीदने का निर्णय लिया गया है। इस क्रम में शासन स्तर से तीन करोड़ 63 लाख 75 हजार रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। जल पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि दोनों ही महत्वपूर्ण जल सुरक्षा उपकरण हैं। फ्लोटिंग डिवाइडर की व्यवस्था स्थायी रूप से होने से देव दीपावली के समय उसका इस्तेमाल गंगा में वाटर लेन बनाने के लिए किया जाएगा।

स्नान पर्व के दौरान उसका इस्तेमाल गंगा में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर बैरिकेडिंग के रूप में किया जा सकेगा। इसके अलावा सेफ्टी नेट के चलते स्नान के दौरान पैर फिसलने से कोई श्रद्धालु गहरे पानी में नहीं जाएगा। जेटी में लगी सेफ्टी नेट से स्नान करने वाले श्रद्धालु को आसानी से बचाया जा सकेगा। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने कहा, जल पुलिस को अत्याधुनिक संसाधनों से लैस करने का प्रयास किया जा रहा है। उसी क्रम में पूर्व में भेजे गए प्रस्ताव पर शासन स्तर से स्वीकृति मिली है।

संपादकीय

कांग्रेस की सस्ती राजनीति

पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के तत्काल बाद ही कांग्रेस ने जिस प्रकार की सस्ती राजनीति प्रारंभ की है, वह नहीं होनी चाहिए थी। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की ओर से जिस प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान एवं स्मारक निर्माण को लेकर राजनीतिक वितंडावाद खड़ा किया गया, उससे इतिहास के ऐसे पृष्ठ भी खुलने शुरू हो गए हैं, जो कांग्रेस की संकीर्णता को ही उजागर करते हैं। जैसा डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के मामले में कांग्रेस उल्टी घिर गई, उसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मामले में भी घिर गई है। याद रहे कि भाजपानीत केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक करके सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया। और उनका स्मारक बनाने के संबंध में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी सूचित किया। भाजपा के प्रत्येक नेता ने शोक संवेदनाएं प्रकट कीं और डॉ. सिंह के योगदान का स्मरण किया। लेकिन अपनी खोयी हुई राजनीतिक जमीन पाने की छटपटाहट में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री की 'सिख' पहचान को सामने रखकर उनके अपमान का वितंडावाद खड़ा करने का प्रयास किया। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के मुख्य चेहरे राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार उनके स्मारक के लिए निर्दिष्ट स्थान के बजाय निगम बोध घाट पर करके उनका अपमान करने का आरोप लगाया। यही आरोप कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी की बहन एवं सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से लेकर अन्य नेताओं ने भी लगाए हैं। कांग्रेस के आरोपों पर भाजपा पलटवार करती उससे पहले जनता ने ही कांग्रेस को आईना दिखाना शुरू कर दिया। सोशल मीडिया पर लिखा जा रहा है कि डॉ. मनमोहन के सम्मान की चिंता करनेवाले राहुल गांधी ने सार्वजनिक रूप से एक प्रधानमंत्री के रूप में डॉ. सिंह को बौना साबित करने का काम किया था, जब राहुल गांधी ने उनकी कैबिनेट के निर्णय को सरेआम फाड़कर फेंक दिया था। उन पुस्तकों का भी जिक्र जा रहा है, जिनमें दावा किया गया है कि प्रधानमंत्री कार्यालय की सभी फाइलें सोनिया गांधी के पास जाती थीं। भारत के प्रधानमंत्री की छवि 'रबर स्टम्प' के रूप में बनाने का काम किसके समय में किया गया, इस प्रश्न का उत्तर भी जनता पूछ रही है। राहुल गांधी सहित समूची कांग्रेस को बताना चाहिए कि उसके ही कार्यकाल में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का निधन हुआ, तब उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में राजघाट पर क्यों नहीं किया गया? राव के निधन के बाद लगभग 10 वर्ष तक कांग्रेस की सरकार रही लेकिन इसके बावजूद दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का स्मारक क्यों नहीं बनाया गया? उनके शव को कांग्रेस कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए क्यों नहीं रखने दिया गया? राव की मृत देह को कांग्रेस कार्यालय के बंद दरवाजे के बाहर आधा घंटे तक अपमान झेलना पड़ा। याद रहे कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर 2015 में पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिंहा राव का स्मारक दिल्ली में बनाया गया और उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया। भाजपा सरकार ने अपने विरोधी राजनीतिक दलों के बड़े नेताओं को सदैव सम्मान दिया है। त्रिमूर्ति भवन में सभी प्रधानमंत्रियों की स्मृतियों को संजोने का निर्णय भी भाजपा सरकार ने किया। कांग्रेस को धैर्य रखना चाहिए, भाजपा सरकार ही दिल्ली में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह का स्मारक बनवायेगी। इस संबंध में कैबिनेट में निर्णय हो ही चुका है।

> कांग्रेस के शीर्ष नेताओं की ओर से जिस प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के अंतिम संस्कार के स्थान एवं स्मारक निर्माण को लेकर राजनीतिक वितंडावाद खड़ा किया गया, उससे इतिहास के ऐसे पृष्ठ भी खुलने शुरू हो गए हैं, जो कांग्रेस की संकीर्णता को ही उजागर करते हैं। जैसा डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर के मामले में कांग्रेस उल्टी घिर गई, उसी प्रकार पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के मामले में भी घिर गई है। याद रहे कि भाजपानीत केंद्र सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. सिंह के निधन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक करके सात दिन का राजकीय शोक घोषित किया। और उनका स्मारक बनाने के संबंध में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भी सूचित किया। भाजपा के प्रत्येक नेता ने शोक संवेदनाएं प्रकट कीं और डॉ. सिंह के योगदान का स्मरण किया। लेकिन अपनी खोयी हुई राजनीतिक जमीन पाने की छटपटाहट में कांग्रेस ने पूर्व प्रधानमंत्री की 'सिख' पहचान को सामने रखकर उनके अपमान का वितंडावाद खड़ा करने का प्रयास किया।

भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है

उदारीकरण एवं आर्थिक सुधार के महासूर्य का अस्त होना!

ललित गर्ग

> डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।'

भारत के धुरंधर अर्थशास्त्री, प्रशासक, कद्दावर नेता, दो बार प्रधानमंत्री रह चुके डॉ. मनमोहन सिंह का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से आर्थिक सुधार का महासूर्य अस्त हो गया, भारतीय राजनीति में एक संभावनाओं भरा राजनीति सफर ठहर गया, जो राष्ट्र के लिये एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। वे निश्चित ही आर्थिक सुधारों एवं उदारीकरण के नींव के पत्थर थे, मील के पत्थर थे। वे आर्थिक सुधार की बुलंद आवाज थे। उन्हें आर्थिक सुधार, भारत में वैश्विक बाजार व्यवस्था एवं उदारीकरण का जनक कहा जा सकता है। जिन्होंने न केवल देश-विदेश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर हमसे जुदा हो गये हैं। डॉ. सिंह यह नाम भारतीय इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त राष्ट्रनायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, भारत में नये अर्थ के निर्माता, कुशल प्रशासक, दार्शनिक के साथ-साथ भारत को आर्थिक महाशक्ति का एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग है, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, दार्शनिक और चिंतक हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने डॉ. सिंह के निधन पर कहा है कि जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल करना आसान बात नहीं है। एक नेक इंसान के रूप में, एक विद्वान अर्थशास्त्री के रूप में उन्हें हमेशा याद किया जाएगा।' दो बार देश के प्रधानमंत्री रहे डॉ. मनमोहन सिंह ने पांच दशक तक सक्रिय राजनीति की, अनेक पदों पर रहे, केंद्रीय वित्त मंत्री व प्रधानमंत्री- पर वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार चलाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया। विलक्षण प्रतिभा, राजनीतिक कौशल, कुशल नेतृत्व क्षमता, बेवाक सोच, निर्णय क्षमता, दूरदर्शिता और बुद्धिमत्ता के कारण कांग्रेस के सभी नेता उनका लोहा मानते रहे, उनके लिये वे मार्गदर्शक ही नहीं, प्रेरणास्रोत भी है। वे बेहद नम्र इंसान थे और वह अहंकार से कोसों दूर थे। उनके प्रभावी एवं बेवाक व्यक्तित्व से भारतीय राजनीति एवं लोकतांत्रिक संस्थान चमकते रहे हैं। डॉ. सिंह ने भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक बाजारों के लिए खोलने के

लिए उदारीकरण सुधार लागू किए। साथ ही, उन्होंने लाइसेंस राज समाप्त कर, निजीकरण और राज्य नियंत्रण में कमी की। डॉ. सिंह द्वारा विदेशी निवेश को आकर्षित करने के साथ निर्यात को प्रोत्साहित किया गया। डॉ. सिंह का जन्म ब्रिटिश भारत के पंजाब में 26 सितम्बर 1932 को हुआ था। उनकी जन्मतिथि भी 26 एवं निधन तिथि भी 26 एक संयोग ही कहा जायेगा। उनकी माता का नाम अमृत कौर और पिता का नाम गुरुमुख सिंह था। देश के विभाजन के बाद सिंह का परिवार भारत चला आया। डॉ. सिंह की पत्नी का नाम गुरशरण कौर है, जो कि एक गृहिणी और गायिका भी हैं। उनके तीन बेटियां हैं। पंजाब विश्वविद्यालय से उन्होंने स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई पूरी की। बाद में वे कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय गये। जहाँ से उन्होंने पीएच. डी. की। तत्पश्चात उन्होंने आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय से डी. फिल. भी किया। डॉ॰ सिंह ने अर्थशास्त्र के अध्यापक के तौर पर काफी ख्याति अर्जित की। वे पंजाब विश्वविद्यालय और बाद में प्रतिष्ठित दिल्ली स्कूल ऑफ इकनामिक्स में प्राध्यापक रहे। इसी बीच वे संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन सचिवालय में सलाहकार भी रहे और 1987 तथा 1990 में जेनेवा में साउथ कमीशन में सचिव भी रहे। 1971 में डॉ॰ सिंह भारत के वाणिज्य एवं उद्योग मन्त्रालय में आर्थिक सलाहकार के तौर पर नियुक्त किये गये। इसके तुरन्त बाद 1972 में उन्हें वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार बनाया गया। इसके बाद के वर्षों में वे योजना आयोग के उपाध्यक्ष, रिजर्व बैंक के गवर्नर, प्रधानमन्त्री के आर्थिक सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष भी रहे हैं। भारत के आर्थिक इतिहास में हाल के वर्षों में सबसे महत्वपूर्ण मोड़ तब आया जब डॉ॰ सिंह 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मन्त्री रहे। डॉ. सिंह ने भारत के 13वें प्रधानमंत्री के रूप में लगातार दो कार्यकाल पूरे किए हैं। पहले कार्यकाल के दौरान उन्होंने राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम लागू किया। वहीं सूचना का अधिकार अधिनियम भी उनके कार्यकाल में आया। इसके अतिरिक्त उन्हें ऐतिहासिक भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता पर हस्ताक्षर के लिए भी जाना जाता है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण योजनाओं पर ध्यान केंद्रित किया। हालांकि, इस दौरान उन्हें 2जी स्पेक्ट्रम घोटाला और राष्ट्रमंडल खेल घोटाले जैसे विवादों का भी सामना करना पड़ा। यह बात हम सभी जानते हैं कि उन्हें मौन पीएम भी कहा जाता था, हालांकि उन्होंने इस पर चुप्पी तोड़ते हुए सार्वजनिक रूप से इसका सटीक जवाब भी दिया था। विकास के प्रति डॉ. सिंह की प्रतिबद्धता और उनकी अनेक उपलब्धियों को उन अनेक सम्मानों के माध्यम से मान्यता मिली है जो उन्हें प्रदान किए गए हैं। इनमें 1987 में पद्म विभूषण, 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल हैं। जवाहर लाल नेहरू के बाद मनमोहन दूसरे ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने प्रधानमंत्री के तौर पर दो कार्यकाल पूरा किया। उन्हें अपने फैसलों के लिए काफी अडिग माना जाता है। 2004 से 2014 तक, भारत दसवें स्थान से उठकर दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया, जिससे लाखों लोगों का जीवन स्तर सुधरा और गरीबी में कमी आई। डॉ. सिंह के दृष्टिकोण में केवल उच्च विकास नहीं, बल्कि समावेशी विकास और उस विश्वास की भी अहमियत थी जो सभी को ऊपर उठाने वाली लहरें उत्पन्न कर सके। यह विश्वास उनके द्वारा पारित किए गए विधेयकों में दिखाई देता है, जिनसे नागरिकों को भोजन का अधिकार, शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार और सूचना का अधिकार सुनिश्चित हुआ। डॉ. सिंह की अधिकार-आधारित क्रांति ने भारतीय राजनीति में एक नए युग की शुरुआत की, जो समाज के प्रत्येक वर्ग को समान अवसर प्रदान करने का संकल्प था। प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में समृद्धि और विकास की कहानी लिखी गयी। जुलाई 1991 में, डॉ. सिंह ने अपने बजट भाषण के अंत में कहा था, 'भारत का दुनिया की प्रमुख आर्थिक शक्ति के रूप में उदय एक ऐसा विचार है, जिसका समय अब आ चुका है।' डॉ. सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा।

दृष्टि कोण

सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल या लूट का अड्डा

वैसे तो 2012 में प्रसारित किये गये आमिर ख़ान के प्रसिद्ध व लोकप्रिय धारावाहिक 'सत्यमेव जयते' में भारतीय स्वास्थ्य सेवाओं में व्याप्त धांधली व लूट जैसे अति गंभीर विषय को अत्यंत प्रभावी रूप से उठाया जा चुका है। इस में प्रमाणिक तरीक़े से यह बताया गया था कि किस प्रकार डॉक्टर्स द्वारा मरीज़ों को बिना ज़रुरत के दवाइयाँ दी जाती हैं और किस तरह मरीज़ों का ग़ैर ज़रूरी इलाज किया जाता है। इसमें कई ऐसे उदाहरण पेश किये गये थे जिससे यह साबित होता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में किस तरह की धांधलियां हो रही हैं। 'सत्यमेव जयते' में यह भी दिखाया गया था कि आंध्र प्रदेश के एक गाँव में बड़ी संख्या में महिलाओं की बच्चेदानी (गर्भाशय) निकाल दिया गया, जबकि इसकी ज़रुरत ही नहीं थी। डॉक्टर्स द्वारा महिलाओं को यह बताया गया था कि अगर उन्होंने ऑप्रेशन नहीं करवाया तो उनकी जान चली जाएगी। जब कि इस कार्यक्रम में भाग ले रही एक सीनियर डॉक्टर का कहना था कि कैंसर के अलावा कोई और मामला नहीं होता जिसमें गर्भाशय को निकालना पड़े। इसी मंच पर यह भी बताया गया था कि कई बार मरीज़ों से दवाओं की क़ीमत पचास गुना ज़्यादा तक वसूली जाती है। तरह तरह के ग़ैर ज़रूरी फ़र्ज़ी टेस्ट करने के लिए मरीज़ पर दबाव बनाने जैसी अनेक बातें भी सामने आयी थीं। यहाँ तक कि सत्यमेव जयते में डॉक्टरों के व्यवसाय से लेकर मेडिकल कॉलेजों तक सभी पर निगरानी रखने वाली संस्था मेडिकल काउंसिल ऑफ़ इंडिया (एमसीआई) की गड़बड़ियों पर भी चर्चा की गई थी। परन्तु 'सत्यमेव जयते' द्वारा भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त घोर भ्रष्टाचार व लूट के उजागर होने के बावजूद गत 12 वर्षों में इसमें कोई सुधार तो बिल्कुल नहीं आया, हाँ लूट खसोट में और अधिक इज़ाफ़ा ज़रूर हो गया है। और भारतीय चिकित्सा व्यवस्था में व्याप्त यह लूट अब इस हद तक पहुँच चुकी है जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सीधे शब्दों में मरीज़ को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ देने के बारे में तो क़तई नहीं बल्कि उससे कितने अधिक से अधिक पैसे वसूले जा सकते हैं सारा ध्यान व अस्पतालों का सारा चक्रव्यूह इसी तरीक़े से रचा जा रहा है। और ऐसा हो भी क्यों न ? जब सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फ़ार्मा और हेल्थकेयर कम्पनीज़ द्वारा सत्ता को चुनावी बांड के रूप में इतने पैसे दे दिए जायें कि उनकी हर तरह की लूट पर सरकारें खामोश रहें? ग़ौरतलब है पिछले दिनों जब सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर इलेक्टोरल बांड सार्वजनिक किये गए थे उन्हीं चुनावी बॉन्ड के आंकड़ों से पता चला था कि देश की कम से कम 30 फ़ार्मा और हेल्थकेयर कंपनियों ने 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के चुनावी बॉन्ड ख़रीदे थे जो कुल मिलाकर लगभग 900 करोड़ रुपये है। यह कुल 12,155 करोड़ रुपये की राशि का लगभग 7.4% है, जिसके लिए डेटा जारी किया गया था। नतीजतन आज सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल, फ़ार्मा और हेल्थकेयर फ़र्मों को इस बात की पूरी छूट मिल चुकी है कि वे मरीज़ की आर्थिक स्थिति के अनुसार जितना चाहे उसका दोहन कर सकते हैं करें। इनको मिली इस शाह का नतीजा है कि आज देश में प्रायः 44 % ऐसी झूठी सर्जरी की जा रही हैं जिनकी ज़रुरत ही नहीं। क़रीब 55 % ग़ैर ज़रूरी हार्ट सर्जरी, लगभग 48 % गर्भाशय सर्जरी क़रीब 47 % कैंसर सर्जरी, 48 % घुटना बदलने वाली शल्य चिकित्सा 45 % प्रसव सर्जरी केवल धन ऐंठने हेतु पूरी तरह अकारण ही की जा रही हैं। यह कोई गढ़े हुये काल्पनिक आंकड़े नहीं बल्कि मार्च 2016 को भारत की एक संसदीय समिति द्वारा स्वीकार किये गये तथ्य हैं। सत्ता संरक्षित इन अस्पतालों को भी पूरी तरह से कॉर्पोरेट कम्पनी की ही तरह टारगेट आधारित व्यवसाय बना दिया गया है। अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिये हर महीने के अंत में इन डॉक्टर्स पर दबाव बढ़ता है और डॉक्टर्स को OPD के मरीज़ों को भी अकारण शल्य चिकित्सा (सर्जरी) की तरफ़ धकेलना पड़ता है। यूँही नहीं कई बड़े नामी सुपर-स्पेशलिटी हॉस्पिटल अपने सीनियर डॉक्टर्स को एक करोड़ रूपये प्रति माह तक तनख़्वाह देते हैं।

कुछ अलग

भ्रम फैलाने की राजनीति न हो

दिल्ली के विधानसभा चुनाव को लेकर सरगर्मी तेज हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के मुकाबले सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी अधिक सक्रिय और तैयारी के साथ दिखायी दे रही है। यही हाल रहे तो भाजपा और कांग्रेस इतना अधिक पीछे रह जाएंगे कि मुकाबले में आना मुश्किल हो जाएगा। जबकि दिल्ली की जनता के मन में उथल-पुथल है। राजनीति के विश्लेषक दावा कर रहे हैं कि दिल्ली की जनता अब बदलाव चाहती है। क्योंकि आआपा जिन वायदों को करके सत्ता में आई थी, उसका आचरण उनके सवर्था प्रतिकूल रहा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध आंदोलन की कोख से जन्मी आआपा के नेता भ्रष्टाचार में आकंठ डूबे दिखायी दे रहे हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से लेकर अन्य प्रमुख नेताओं ने सादगीपूर्ण जीवन का वायदा किया था लेकिन मुख्यमंत्री निवास के लिए बनवाया गया 'शीशमहल' कुछ और ही हकीकत बयान कर रहा है। बहरहाल, जनता का मन आआपा के नेता भी पढ़ पा रहे हैं इसलिए वे पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतर चुके हैं। चुनाव जीतने के लिए आआपा की ओर से हर संभव प्रयास प्रारंभ हो गए हैं। अपने प्रतिद्वंद्वियों के प्रति 'सूत्रों' के हवाले से अफवाहें फैलाने से लेकर मतदाताओं को लुभाने के प्रयास आआपा के सामान्य नेता से लेकर शीर्ष नेता के द्वारा किए जा रहे हैं। अरविंद केजरीवाल एवं उनकी पार्टी को यह बात ध्यान में आ गई है कि महिला मतदाताओं को अपने पाले में करना है तो अन्य राज्यों में प्रारंभ हुई नकद सहायता देने की योजना की घोषणा दिल्ली की महिलाओं के लिए भी कर देना चाहिए। याद रहे कि भारत की राजनीति में 'रेवड़ी कल्चर' को लोकप्रिय बनाने में आम आदमी पार्टी की ही प्रमुख भूमिका है। चुनाव जीतने के लिए आआपा की ओर से बाकायदा 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के तहत महिलाओं को 2100 रुपये देने के प्रारूप भरवाए जा रहे हैं। महिलाएं भी खूब उत्साह से यह फॉर्म भर रही हैं। लेकिन मामला तब बिगड़ गया जब दिल्ली सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से एक विज्ञापन जारी कर इस योजना को 'फ्रॉड' बताया गया। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसी कोई योजना आधिकारिक तौर पर अधिसूचित नहीं की गई है। कोई भी राजनीतिक दल 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' के नाम पर आवेदकों से जानकारी एकत्र कर रहा है, तो वह धोखाधड़ी कर रहा है। इस विज्ञापन के बाद भाजपा और कांग्रेस दोनों ही आआपा पर हमलावर हो गईं। कांग्रेस की ओर से तो थाने में फर्जीवाड़े की शिकायत दर्ज करा दी गई है। आआपा के कुछ नेता भी इस प्रकार के फर्जीवाड़े पर अपनी ही पार्टी की आलोचना कर रहे हैं। वहीं, आआपा की ओर से कहा जा रहा है कि भाजपा के दबाव में आकर अफसरों ने यह झूठा विज्ञापन प्रकाशित कराया है। अरविंद केजरीवाल का दावा है कि महिला सम्मान योजना के अंतर्गत 1000 रुपए देने की योजना स्वीकृत हो चुकी है, चुनाव में जीतने के बाद इसे 2100 रुपये किया जाएगा। हालांकि, फिलहाल सच्चाई यही है कि दिल्ली में महिलाओं को अभी तक किसी प्रकार की 'मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना' की राशि नहीं मिलती है। यह मामला कितना तूल पकड़ेगा और किसके पक्ष में जाएगा, यह तो आनेवाला समय ही बताएगा। परंतु, चुनाव जीतने के लिए भ्रामक दावों एवं कार्यों से प्रत्येक दल को बचना चाहिए। जनता को भ्रमित करके वोट हथियाना, लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है।

देश दुनिया से

कट्टरपंथियों के वर्चस्व से बढ़ी वैश्विक चिंताएं

पिछले दिनों मिडल ईस्ट के सीरिया में जो तख्तापलट की घटना हुई उसके बाद अरब स्प्रिंग फिर चर्चा के केन्द्र में आ गया है। अरब स्प्रिंग या क्रांति के दौरान मध्यपूर्व में दशकों से सत्ता के केन्द्र में रहे शाही परिवारों व सैन्यशासकों को रुख्सत होना पड़ा था। सैन्य शासकों की ज्यादतियों और तानाशाही के खिलाफ ट्यूनीशिया में जो चिंगारी सुलगी उसने अरब गणतंत्र की कई बड़ी शक्तियों को अपनी जद में ले लिया था। मिस्र के हुस्नी मुबारक हो या लीबिया के कर्नल गद्दाफी- इन तनाशाही शासकों को या तो देश छोड़कर भागना पड़ा या मौत के घाट उतार दिए गए। यमन के अली अब्दुल्ला सालेह के साथ भी ऐसा ही हुआ। तानाशाहों की सत्ता किस तरह से कुछ ही क्षणों में भरभराकर गिर जाती है, उस वक्त दुनिया ने देखा था। रूस और ईरान जैसी बड़ी ताकतों के साथ मिल जाने के कारण उस वक्त सीरिया का 'प्रेसिडेंशियल पैलेस' विद्रोहियों की पहुंच से बच गया था। अब जिस ढंग से सीरिया में तानाशाह राष्ट्रपति बशर-अल-असद को देश छोड़कर भागना पड़ा है उसे देखकर अरब स्प्रिंग की याद ताजा हो जाती है। तख्तापलट के बाद विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेता मोहम्मद अल-जुलानी ने मोहम्मद अल-बशीर को कार्यवाहक सरकार का मुखिया नियुक्त करते हुए जन सहमति से सरकार बनाने की बात कही है। उन्होंने अल्पसंख्यकों को सुरक्षा देने का वादा किया है। लेकिन साथ में उन्होंने यह भी कहा है कि शासन इस्लामिक सिद्धातों पर आधारित होगा। इस्लामिक स्टेट (आईएसआईएस) की वजह से सीरिया पहले से ही काफी खराब स्थिति में है। अब जुलानी की जिस तरह से इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर शासन चलाने की योजना है उससे वैश्विक समुदाय की चिंता बढ़ गई है। खासतौर से ईरान की। तख्तापलट के बाद जिस तरह से विद्रोही गुट के लड़ाकों की ओर से असद समर्थकों पर अत्याचार की तस्वीरें सामने आ रही हैं, उसे देखते हुए यह सवाल उठने लगा है कि कहीं सीरिया फिर से आईएसआईएस की गिरफ्त में तो नहीं आ जाएगा। यह सवाल इसलिए भी अहम हो जाता है क्योंकि एचटीएस अलकायदा की कोख से ही निकला हुआ आतंकी संगठन है। सीरिया में शासन व्यवस्था का स्वरूप कैसा होगा यह देखना भी काफी दिलचस्प होगा। एचटीएस नेतृत्व वाले समूह में तुर्किये की समर्थन वाली सीरिया राष्ट्रीय सेना अर्थात् एसडीएफ के शामिल होने की बात भी कही जा रही है। अगर ऐसा होता है तो सीरिया की पूरी व्यवस्था एचटीएस, कुर्द, एसडीएफ और स्थानीय मिलिशिया समूहों में बंटी हुई दिखाई देगी। ऐसे में अत्याधुनिक हथियारों से सुसज्जित और परस्पर विपरीत हितों के लिए संघर्षरत इन गुटों के बीच एकता और शांति की बात करना हाथी को सूई के छेद से निकालने के बराबर होगा। ऐसे में सीरिया और उसकी अवाम का भविष्य क्या होगा, यह प्रश्न भी कौतूहल बढ़ा रहा है। पूरे घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि क्रांति के दौरान रूस और ईरान जैसे देशों द्वारा राष्ट्रपति बशर-अल-असद और उनके समर्थकों को जो हथियार दिए गए थे, उनका क्या होगा। हथियारों का यह जखीरा सीरिया की सत्ता पर काबिज चरमपंथी गुटों के हाथ लग गया तो इसका उपयोग वह कब, कहां और किस रूप में करेंगे, यह प्रश्न सीरियाई अवाम के लिए जितना चिंताजनक है, उससे कहीं अधिक विश्व समुदाय के लिए भी है।

कुल 3.35 करोड़ की आबादी वाला सीरिया आर्थिक व भू-राजनीतिक दृष्टि से पश्चिम एशिया का अत्यंत महत्वपूर्ण देश है। इसकी सीमाएं इराक, तुर्कीये, जॉर्डन, लेबनान व इस्राइल जैसे देशों से लगती हैं। सीरिया पर नियंत्रण अहम व्यापार मार्गों, ऊर्जा गलियारों तक पहुंच प्रदान करता है। पश्चिमी एशिया में वह रूस का सबसे भरोसेमंद पार्टनर रहा है। ऐसे में सवाल यह भी उठ रहा है कि अचानक असद की सत्ता का अंत कैसे हो गया। दरअसल, अरब स्प्रिंग के दौरान जब सीरिया में बशर-अल-असद के खिलाफ प्रदर्शनों का सिलसिला शुरू हुआ तो उस वक्त रूस और ईरान की मदद से असद उसे कुचलने में कामयाब हो गये थे। लेकिन अब स्थिति पूरी तरह से बदल चुकी है। रूस और ईरान दोनों ही अपनी-अपनी समस्याओं में उलझे हुए हैं। पुतिन यूक्रेन को निपटाने में व्यस्त हैं। अली खामेनेई इस्राइली मोर्चे पर डटे हुए हैं। रणनीतिक हित और भू-राजनीतिक स्थितियां भी दोनों नेताओं के हाथ बांधे हुए हैं। रूस को लगता है कि यूक्रेन युद्ध अब अपने अंतिम चरण में है। ऐसे में वह यूक्रेन के अधिक से अधिक भू-भाग पर कब्जा करना चाहता है ताकि संघर्ष विराम की स्थिति में वह उसे अपने पास रख सके। इस रणनीतिक हित के कारण वह अपनी पूरी सैन्य क्षमता के साथ यूक्रेन के मोर्चे पर डटे रहना चाहता है। दशकों तक असद की ढाल बने रहने वाला ईरान भी हमास और हिजबुल्ला के सर्वोच्च कमांडरों के मारे जाने के बाद खौफ की स्थिति में है। अमेरिका और इस्राइली हमले के अंदेशे के चलते वह सीरिया में सीधे हस्तक्षेप से बच रहा है। लब्बोलुआब यह कि 2011 जैसी स्थिति अब नहीं थी। ऐसे में रूस और ईरान की नाक का बाल बने असद अकेले पड़ गए थे। विद्रोही गुटों ने हालात का फायदा उठाया और दमिश्क पर चढ़ाई कर दी। हालांकि, पिछले कई वर्षों से असद की शिया सरकार और विभिन्न चरमपंथी गुटों के बीच संघर्ष चल रहा था। लेकिन जिस नाटकीय ढंग से असद सरकार का पतन हुआ और जिस तरह से वहां की फौज ने बिना लड़े ही हथियार डाले हैं, उस पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब असद सरकार के पतन के बाद जिस तरह से इस्राइली सेनाओं द्वारा गोलान के पहाड़ी रास्तों से सीरिया के अंदर हमले करने के समाचार आ रहे हैं, उससे शक की सूई मोसाद (इस्राइल की खुफिया एजेंसी) की ओर भी घूम रही है। पश्चिम एशिया में इस्राइल ही एक ऐसा देश है जिसे असद सरकार के पतन का सबसे बड़ा लाभकारी पक्ष कहा जा रहा है। वह शुरू से ही यहां सीमाओं के विस्तार और बफर जोन के निर्माण की नीति में जुटा हुआ है। सीरियाई सेना की क्षमता को कुंद करना उसका इसी नीति का हिस्सा हो सकता है। हालांकि, असद सरकार के पतन के बाद अब दुनिया के कई ताकतवर देश वहां हालात सामान्य बनाने की कोशिशों में लगे हुए हैं लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी के बाद जिस तरह से दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में इस्लामिक चरमपंथ का उभार हो रहा है, उसे देखते हुए सीरिया की सत्ता पर काबिज एचटीएस लोकतांत्रिक व्यवस्था के मार्ग पर आगे बढ़ेगा, यह संदेहास्पद ही है।

आप का नजरिया

एक नयी चुनौती बांग्लादेश

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जिस तरह के कदम उठा रही है, उससे भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में बेहतरी आने के बजाय खटास और बढ़ने के आसार दिख रहे हैं। खासकर, जिस तरह से बांग्लादेश की पाकिस्तान से करीबी बढ़ रही है, वह भारत के लिए सिरदर्द साबित हो सकता है। बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन सहज लोकतांत्रिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं था। इसलिए उसके बाद थोड़ी अफरातफरी स्वाभाविक थी। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ ही जिस तरह से हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा का सिलसिला शुरू हुआ, वह अंतरिम सरकार गठित होने के बाद भी जारी रहा। यह इस बात का संकेत था कि बांग्लादेश का नया नेतृत्व या तो इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों के प्रभाव में है या उन पर अंकुश लगाने में असमर्थ है। बांग्लादेश के साथ हमारी सबसे लंबी सीमारेखा लगती है। इसलिए भी बांग्लादेश में चल रहा घटनाक्रम सीधे तौर पर भारत को प्रभावित करता है। भारत ने ठीक ही बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से बार-बार कहा कि वह अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करे। मगर वहां की सरकार ठोस कदम उठाने के बजाय हिंसा की इन घटनाओं को झुठलाने में लगी रही। इसके साथ ही उसने ऐसा रुख अपनाना शुरू किया जिससे दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ सकता है। इसी रुख का नवीनतम उदाहरण है बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग। दोनों देशों के बीच हुई प्रत्यर्पण संधि में राजनीतिक प्रत्यर्पण की बात नहीं है, फिर भी इस संधि के हवाले से उस पर जोर दिया जा रहा है। भारत ने इस पर चुप्पी बनाए रखी है, लेकिन यह सवाल तो है ही कि क्या बांग्लादेश की अंतरिम सरकार जाने-अनजाने इस मांग के जरिए उसे असुविधाजनक स्थिति में डालने की इच्छा रखने वालों का अजेंडा आगे बढ़ा रही है। यह सब जैसे काफी न था, बांग्लादेश की सरकार ने पाकिस्तान के साथ आश्चर्यजनक तेजी से संबंध सुधारने शुरू कर दिए। हालांकि कोई भी देश किसी भी अन्य देश से रिश्ते सुधारता है तो इसमें आपत्तिजनक कुछ भी नहीं है, लेकिन जिस तरह से पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ के साथ हुई मुलाकात में बांग्लादेशी सरकार के मुख्य कर्ता-धर्ता मोहम्मद यूनुस ने 1971 के मसले सुलटाने की बात कही, बांग्लादेशी सेना को पाक सेना के जरिए ट्रेनिंग दिलाने की प्रक्रिया शुरू हो गई और बगैर जांच पड़ताल के पाकिस्तानी जहाज एवं पाक नागरिकों को प्रवेश दिया जाने लगा है, वह सामान्य बात नहीं है। पहले ऐसा देखा गया है कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI ने बांग्लादेश के जरिये भारत में आतंकवाद और उग्रवाद बढ़ाने की कोशिश की थी। वह फिर से ऐसी कोशिशें कर सकती है। ऐसे में भारत को बांग्लादेश सीमा को लेकर सतर्कता बढ़ानी होगी। भारत पहले से ही पाकिस्तान और चीन की ओर से चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे में नयी चुनौती के रूप में बांग्लादेश का खड़े होना, भारत की समस्याएं बढ़ा सकता है। देखना होगा कि भारत सरकार बांग्लादेश नाम की इस नयी समस्या से निजात पाने के लिए क्या कदम उठाती है। यह तो तय है कि फिलहाल बांग्लादेश में भारत विरोधी ही नहीं मानवता के विरुद्ध बयार बह रही है।

जब असद ने अपने ही लोगों पर बरसाए थे केमिकल बम

करीब दो हजार लोग मारे गए, आज भी वह शहर है वीरान

दमिश्क, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

शनिवार देर रात सीरिया के जमाल्का में रहने वाले मोहिद्दीन खाबून गहरी नींद में सो रहे थे। अचानक तेज धमाके हुआ और उनकी नींद टूट गई। आंखों में तेज जलन हुई और दिखना बंद हो गया।

वे घर से बाहर की तरफ भागे। सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। होश आया, तो पता चला बीवी, दो जवान बेटे और भाई अब जिंदा नहीं हैं। मोहिद्दीन कहते हैं कि हमारा बदला अल्लाह लेगा।

मोहिद्दीन और उनके जैसे हजारों लोग जमाल्का में हुए केमिकल अटैक के जिंदा गवाह हैं। अगस्त, 2013 में राष्ट्रपति बशर-अल-असद की सेना ने इस शहर पर जहरीली गैस वाले बम बरसाए थे। करीब दो हजार लोग मारे गए। सीरिया में तब तक गृह युद्ध शुरू हुए दो साल हो चुके थे। फ्री सीरियन आर्मी और असद की सेना में जंग चल रही थी। जंग में पहली बार असद सरकार ने अपने ही लोगों पर केमिकल बम बरसाए थे। उनका कसूर इतना था कि वे विद्रोही गुट के कब्जे वाले इलाके में रह रहे थे।

असद सरकार ने मान लिया कि ये लोग उसके खिलाफ और फ्री सीरियन आर्मी के साथ हैं। आज जमाल्का 11 साल बाद भी वीरान पड़ा है। 8 दिसंबर को विद्रोही गुट हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया था। अब असद सरकार नहीं रही।

उसके सत्ता में रहते हुए केमिकल अटैक वाले इलाकों तक पहुंचना और मारे गए लोगों की कहानी बहुत दर्द भरी है। यहां कई लोगों ऐसे भी हैं जिनका पूरा परिवार केमिकल अटैक में खत्म हो गए। वह अकेले ही जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दक्षिण कोरिया में रनवे से फिसला विमान, 28 यात्रियों की मौत, मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका

सियोल। दक्षिण कोरिया के मुआन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर रविवार को एक विमान में आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। हादसे में कम से कम 28 यात्रियों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। जानकारी के अनुसार यह विमान जेजू एयर का था और बोइंग 737-800 था। यह 174 यात्रियों और 6 क्रू मेंबर सहित 180 लोगों को लेकर बैंकॉक से लौट रहा था। विमान रनवे से फिसल कर दीवार से टकरा गया, जिसके बाद उसमें आग लग गई। एयरपोर्ट पर तैनात फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल हरकत में आई। आग पर काबू पा लिया गया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। घटनास्थल पर राहत एवं बचाव कार्य जारी है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ही कजाकिस्तान में एक विमान हादसा हुआ जिसमें सवार 67 लोगों में से 38 की मौत हो गई थी।

उडब्ल्यूएचओ प्रमुख ने कहा- आज भी गूंज रही है धमाकों की आवाज इजराइली हमले में बाल-बाल बचे टेडरोस ने सुनाई आपबीती

सना। डब्ल्यूएचओ के प्रमुख टेडरोस अदनोम गेब्रेहेसुस ने दावा किया कि वह यमन की हूती विद्रोही-नियंत्रित राजधानी सना के हवाई अड्डे पर हुए इजरायली हवाई हमलों में बाल-बाल बचे थे। टेडरोस का कहना है कि हमलों के बाद उनके कानों में अभी भी आवाज गूंज रही है। उन्होंने कहा कि वह सना हवाई अड्डे पर फ्लाइट का इंतजार कर रहे थे। उन्होंने यह भी कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत नागरिकों की सुरक्षा के लिए जो प्रावधान हैं, उनका आदर करना चाहिए। बता दें कि गुरुवार को इजरायल ने सना के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अन्य स्थानों को निशाना बनाया था। इन हमलों को लेकर इजरायल ने कहा था कि वह विद्रोहियों को निशाना बना रहे हैं। यह हमला 19 दिसंबर के बाद दूसरी बार हुआ था, जब इजरायल ने यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों को निशाना बनाया था।टेडरोस ने इस हमले का जिक्र करते हुए कहा कि आवाज इतनी जोरदार थी कि वह सुन्न रह गए। उन्होंने कहा कि विस्फोट इतना भयंकर था जिसे मैं बयां नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि एक के बाद एक कई धमाके हुए जिसने उन्हें हिलाकर रख दिया ।

तालिबान ने पाकिस्तान की दो चौकियों पर किया कब्जा, कई सैनिकों को मौत के घाट उतारा

काबुल। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच युद्ध के हालात बन गए हैं। पाकिस्तान की तरफ से अफगानिस्तान पर लगातार एयर स्ट्राइक हो रही है, जिसकी वजह से दोनों के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। इसी बीच तालिबान के 15 हजार लड़ाके पाकिस्तान की ओर बढ़ रहे हैं। और बताया ये भी जा रहा है कि तालिबान ने पाकिस्तान की दो चौकियों पर कब्जा कर लिया है और कई सैनिकों को हत्या कर दी। तालिबान के लड़ाकों से निपटने के लिए पाकिस्तान की सेना और वायुसेना ने पेशावर और क्वेटा में सेना तैनात कर दिया है। पाकिस्तानी सेना की कुछ टुकड़ियां अफगान सीमा पर पहुंच गई है। दूसरी ओर अफगान के तालिबान लड़ाके मीर अली सीमा पर पहुंच चुके हैं। अफगानिस्तान की तालिबान सेना ने पाकिस्तान सीमा के नजदीक गोलीबारी की। वहीं, जानकारी सामने आई है कि तालिबान के लड़ाकों ने पाकिस्तान दो चौकियों को तबाह कर दिया है। वहीं, कई सैनिकों के मारे जाने की खबर सामने आई है। दोनों देश क्यों आए आमने-सामने स्थानीय मीडिया के अनुसार अफगानिस्तान ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच की सीमा डूरंड रेखा को खारिज कर दिया है।

शपथ के पहले ट्रंप को मिला अरबों का नजराना

अमेरिका के कारोबारियों में दहशत

न्यूयॉर्क, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के बहुचर्चित डोनाल्ड ट्रंप जनवरी माह में राष्ट्रपति पद की शपथ लेने जा रहे हैं। शपथ के पहले ही अमेरिका के इतिहास में पहली बार डोनाल्ड ट्रंप को नजराने के रूप में चंदा दिया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने 1700 करोड रुपए का चंदा एकत्रित करने का लक्ष्य तैयार किया है। अमेरिका में इसके पहले कभी भी राष्ट्रपति का चुनाव हो जाने के बाद शपथ के लिए चंदा नहीं लिया जाता था। शपथ ग्रहण के पहले जो लोग चंदा दे रहे हैं। उनमें अमेरिका के बड़े-बड़े कारोबारी शामिल हैं। इन लोगों ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए अपने आप को या तो चुनाव से दूर रखा था, या कमला हैरिस के पक्ष में चुनाव मैं काम कर रहे थे। उन सभी कंपनियों द्वारा अब बड़े पैमाने पर डोनाल्ड ट्रंप को चंदा दिया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 1275 करोड रुपए का चंदा ट्रंप इनॉग्रेशन के लिए जमा हो चुका है। अमेरिका की राजनीति में वित्तीय पारदर्शिका के समर्थक ब्रेडन ग्लेविन का कहना है। कंपनियों की ओर से दिया जा रहा है। यह चंदा एक तरह से शपथ के पहले दिया जा रहा नजराना है।

ट्रंप के साथ डिनर 42 करोड़ में

शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित दिए जा रहे हैं। 17 जनवरी से यह कार्यक्रम शुरू हो जाएंगे। ट्रंप -मिलेनिया और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और उनकी पत्नी उषा के साथ डिनर के लिए 42 करोड़ चंदे में लिए जा रहे हैं। इस तरह के आठ कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

ट्रंप विरोधी भी दे रहे हैं चंदा

अमेरिका में चंदे का धंधा अब खुलकर सामने आ गया है। ट्रंप के विरोधी भी बड़ी मात्रा में चंदा दे रहे हैं। मेटा के सीईओ मार्क जकरबर्ग, अमेजॉन के सीईओ जैस बेजोस ने भी शपथ ग्रहण समारोह के लिए 85-85 करोड रुपए का चंदा, ट्रंप की पार्टी को दिया है। अन्य विरोधी कंपनियों के मालिक भी भर भर कर ट्रंप को शपथ ग्रहण समारोह के लिए चंदा दे रहे हैं. चंदे का धंधा अब अमेरिका में भी चर्चाओं में आ गया है।

टेक्सास और मिसिसिपी में तूफान से दो लोगों, की मौत, छह घायल

टेक्सास। टेक्सास और मिसिसिपी में आए कई तूफानों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लोग घायल हो गए। तूफान से कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और ढेरों वाहन पलट गए। 'ब्राजोरिया काउंटी शेरिफ' कार्यालय की प्रवक्ता मैडिसन पोलस्टन ने बताया कि ह्यूस्टन के दक्षिण में स्थित लिवरपूल क्षेत्र में एक व्यक्ति की मौत हो गई तथा चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पोलस्टन ने बताया कि लिवरपूल और हिलक्रेस्ट विलेज तथा एल्विन के बीच काउंटी में कई स्थान तूफान से प्रभावित हुए। उन्होंने बताया कि अब तक अधिकारियों को लगभग 10 क्षतिग्रस्त मकानों के बारे में पता चला है लेकिन वे अब भी नुकसान के बारे में जानकारी जुटा रहे हैं। मिसिसिपी आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता के अनुसार मिसिसिपी में एडम्स काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हो गई और फ्रैंकलिन काउंटी में दो लोग घायल हो गए।

बूचड़खाने में मांस को गोदती दिखी खूबसूरत लडकी

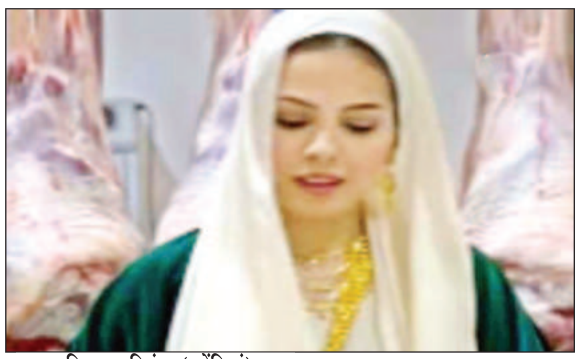

काहिरा, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

सोशल मीडिया पर एक सुंदर हसीना बूचड़खाने में ऐसा काम करती हुई नजर आ रही है, जो आमतौर शायद ही किसी ने देखा होगा। ये लड़की सोने के जेवरात से लदी हुई है और अपने हाथों में चाकू लेकर मांस को ऐसे गोद रही है मानो ये कोई कसाई हो।

सोशल मीडिया पर लड़की के इस वीडियो को लोग खूब देख रहे हैं। वायरल हो रहे इस वीडियो में आप देख सकते हैं कि हरे रंग के लिबास में बुरका पहनी हुई लड़की बूचड़खाने में जाती है। वो बेहद ही खूबसूरत है। गले से लेकर हाथ तक में उसने ढेर सारे सोने के जेवरात पहन रखे हैं।

सोने के जेवरात को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि लड़की बहुत अमीर होगी। लेकिन वो खुद बूचड़खाने में क्यों गई तो अगले ही पल आपको इसका जवाब भी मिल जाएगा। बूचड़खाने में वो अपने हाथों में बड़ा सा चाकू लेकर मांस के टुकड़े को ऐसे काट रही है मानो ये उसका पेशा हो। ऐसे में जब हमने इस प्रोफाइल को चेक किया तो पता चला कि सच में ये लड़की एक पेशेवर कसाई है, जिसका नाम लोमा हसन है। ये इजिप्ट और सउदी अरब में कसाई का काम करती है। साथ ही साथ सोशल मीडिया पर इससे जुड़े पोस्ट भी शेयर करती है।

लोमा के पोस्ट को लोग खूब पसंद करते हैं। इंस्टाग्राम पर 2 लाख 63 हजार से ज्यादा लोग लोमा को फॉलो करते हैं। बात लोमा के इस वायरल वीडियो की करें तो इसे अब तक 68 लाख से भी ज्यादा बार देखा जा चुका है। वहीं, लगभग 1 लाख 90 हजार लोगों ने इसे लाइक किया है, जबकि लगभग 97 हजार बार ये वीडियो शेयर किया गया है। इस वीडियो पर अब तक 8 हजार के करीब कमेंट्स आए हैं, जिसमें ज्यादातर लोगों ने आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणी ही किए हैं। हालांकि, कई लोगों को इस कसाई लड़की की खुबसूरती भा गई। इशु नाम शख्स ने लिखा है कि समझ तो नहीं आया कुछ, फिर भी लाइक कर दिया। सबा नाम की महिला यूजर ने लिखा है कि वाकई में हिम्मत है, तभी ये काम कर पा रही हो। बता दें कि सोशल मीडिया पर कई ऐसे वीडियो वायरल होते हैं, जिन्हें देखकर हैरानी होती है। इनमें से कई वीडियोज में लड़कियां अपनी खूबसूरत अदाओं से हटके अंदाज का काम करती हुई नजर आती हैं। इनमें से किसी वीडियो में कोई लड़की बॉडी बिल्डिंग करती हुई दिख जाती है, तो कोई दुल्हन के अंदाज में बन-संवरकर बाइक को तेज रफ्तार में दौड़ाती है। वहीं, कोई महिला ऐसा काम करती है, जिसे देखकर सभी चौंक जाते हैं।

किम जोंग की नेताओं के साथ बैठक

प्योंगयांग में उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन देश की सत्ताधारी पार्टी के नेताओं की एक बैठक हुई।

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास मंगलवार से

काठमांडू, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

नेपाल-भारत संयुक्त सैन्य अभ्यास का 18वां संस्करण मंगलवार से रूपनदेही जिले के सलझंडी में शुरू हो रहा है। इस सैन्य अभ्यास में सहभागी होने के लिए भारतीय सेना की टोली नेपाल पहुंच चुकी है।

सूर्यकिरण नामक बटालियन स्तर का यह संयुक्त सैन्य अभ्यास जंगल युद्ध, कठिनाई भूगोल में आतंकवाद का मुकाबला, संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार शांति मिशन, आपदा प्रबंधन और राहत मानवीय सहायता, आंतरिक क्षमता निर्माण और पर्यावरण संरक्षण पर केंद्रित है।

दो सप्ताह के लंबे प्रशिक्षण में नेपाली सेना की श्री जंग बटालियन और भारतीय सेना की 11वीं गोरखा राइफल शामिल होगी। नेपाली सेना के प्रवक्ता गौरव कुमार केसी ने बताया कि संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण से नेपाल और भारत के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों और विश्वास को बढ़ावा देने तथा सांस्कृतिक संबंधों का विस्तार करने की उम्मीद है। इसके साथ व्यावसायिक सहयोग भी बढ़ाया जाएगा।

संयुक्त अभ्यास का 17वां संस्करण पिछले वर्ष भारत के पिथौरागढ़ में आयोजित किया गया था। अब तक, संयुक्त प्रशिक्षण में भाग लेने वाले नेपाली सेना के व्यक्तियों की संख्या 4,215 तक पहुंच गई है, जबकि भारतीय पक्ष से यह संख्या 4,442 है।

इजराइल ने गाजा के अस्पताल को किया सीज, हमास के सैकड़ों लड़ाकों को पकड़ा

तेलअवीव, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

इजरायल के सैनिकों ने गाजा के एक अस्पताल को सीज कर दिया और वहां से करीब ढाई सौ हमास के लड़ाकों को पकड़ लिया है। नॉर्थ गाजा स्थित कमाल अदवान हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. हुस्साम अबू सफिया सहित 240 से अधिक फिलिस्तीनियों को हिरासत में लिया है।

इजरायली सैनिकों ने पहले को इस हॉस्पिटल पर छापा मारा था और अस्पताल के आसपास अपने ऑपरेशन का एक वीडियो जारी किया था। रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सेना ने कहा कि कमाल अदवान अस्पताल का इस्तेमाल हमास के सैन्य अभियानों के लिए कमांड सेंटर के रूप में किया जा रहा था और गिरफ्तार किए गए सभी संदिग्ध हमास के आतंकवादी हैं।

वहीं दूसरी तरफ हमास ने इजरायल के इस दावे को झूठ बताते हुए खारिज कर दिया है कि गाजा युद्ध के दौरान उसके लड़ाके कमाल अदवान अस्पताल से ऑपरेट कर रहे थे, और कहा कि कोई भी लड़ाका अस्पताल में नहीं था। हमास ने अभी तक 240 गिरफ्तारियों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कुछ मरीजों को कमाल अदवान से इंडोनेशियाई अस्पताल ले जाया गया, जो सेवा में नहीं है, और डॉक्टरों को उनके साथ वहां जाने से रोक दिया गया। अन्य मरीजों और मेडिकल स्टाफ को दूसरे अस्पतालों में ले जाया गया।

पहले 350 मरीजों और चिकित्सा कर्मियों रेस्क्यू किया

इजरायली सेना ने कहा कि कमाल अदवान ऑपरेशन से पहले 350 मरीजों और चिकित्सा कर्मियों को अस्पताल से रेस्क्यू किया गया था, जबकि अन्य 95 को स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के समन्वय से ऑपरेशन के दौरान इंडोनेशियाई अस्पताल में पहुंचाया गया। पिछले साल 7 अक्टूबर से गाजा में हमास के खिलाफ इजरायल के सैन्य अभियान में 45,400 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं, करीब 23 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

लीजेंड 90 लीग में दिल्ली रॉयल्स नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में शामिल

नई दिल्ली, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

फरवरी 2025 में शुरू होने वाली बहुप्रतीक्षित लीजेंड 90 लीग में नवीनतम फ्रेंचाइजी के रूप में दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक तौर पर अनावरण किया गया। अनावरण के साथ ही टीम ने अपना लोगो भी लॉन्च किया है। कवच और ढाल से सजा दिल्ली रॉयल्स का आधिकारिक लोगो ताकत, दृढ़ संकल्प, लचीलेपन और वीरता का सटीक चित्रण करता है।

दिल्ली रॉयल्स फ्रेंचाइजी का अधिग्रहण उत्तर भारत के सबसे बड़े राजमार्ग ब्रांड मन्नत ग्रुप द्वारा किया गया है। मन्नत ग्रुप ने लीजेंड्स क्रिकेट लीग में दिल्ली रॉयल्स का अधिग्रहण करके खेल उद्योग में पहली बार कदम रखा है। अपने लग्जरी हाइवे रेस्तरां, रिसॉर्ट्स और क्विक सर्विस रेस्तरां (क्यूएसआर) के लिए जाना जाने वाला मन्नत अपने 11 आउटलेट्स पर प्रतिदिन 60,000 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। मन्नत ग्रुप जिस तरह से अपने व्यवसाय में अग्रणी है, ठीक उतना ही बड़ा नजरिया उसका खेलों को बढ़ावा देने को लेकर भी है।

फ्रेंचाइजी के लॉन्च पर मन्नत ग्रुप के प्रतिनिधि मंदीप मलिक ने कहा कि दिल्ली रॉयल्स राष्ट्रीय राजधानी के गौरव का प्रतीक है। हम एक ऐसी टीम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो दृढ़ संकल्प के साथ अपने खेल कौशल से सभी को प्रभावित कर सकें। लीजेंड 90 लीग क्रिकेट के दिग्गजों को मैदान पर एक साथ लाने का एक शानदार मंच है और हम इसका हिस्सा बनकर बहुत रोमांचित हैं।

मन्नत ग्रुप के चेयरमैन देवेंद्र कादयान ने कहा कि मन्नत ग्रुप में हम युवाओं को प्रेरित कर उनके करियर को आगे बढ़ाने वाले अवसरों के माध्यम से सशक्त बनाने में विश्वास रखते हैं। ठीक उसी तरह दिल्ली रॉयल्स भी हमारे लिए सिर्फ टीम नहीं, बल्कि हमारा परिवार ही है।

लीजेंड 90 लीग अपने अनूठे 90 गेंद प्रारूप के साथ प्रशंसकों के क्रिकेट अनुभव को परिभाषित करने को तैयार है। इसी महीने पूर्व भारतीय क्रिकेटर और स्पिनर हरभजन सिंह ने लीग के अनावरण कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई थी। वह लीजेंड 90 लीग के ब्रांड एंबेसडर भी हैं।

न्यूज ब्रीफ

श्रेयंका साल की उभरती हुई महिला क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नामांकित

दुबई। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने युवा स्पिनर श्रेयंका पाटिल को शानदार प्रदर्शन करने के लिए साल की उभरती हुई महिला क्रिकेटर पुरस्कार के लिए नामांकित किया है। इस पुरस्कार के लिए नामांकितों की सूची में श्रेयंका के अलावा दक्षिण अफ्रीका की एनेरी डर्कसेन, स्कॉटलैंड की सास्किया हॉर्ले और आयरलैंड की फ्रेया सार्जेंट भी शामिल की गयी हैं। दिसंबर 2023 में पदार्पण करने के बाद से उन्होंने 13 टी20 मैच खेलकर 15 विकेट लिए हैं। टी20 एशिया कप और टी20 विश्व कप में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है। इसके अलावा 2 एकदिवसीय मैचों में उनके नाम 4 विकेट हैं। इस साल श्रेयंका हर सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल रही हैं। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीजों के महिला जैसे प्रमुख टूर्नामेंटों में भी हिस्सा लिया है। इसके अलावा वह महिला कैरेबियाई प्रीमियर लीग में भी खेलने वाली एकमात्र भारतीय हैं।

गावस्कर ने नितीश के पिता से कहा आपके बलिदानों से देश मिला एक रत्न

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने रविवार को ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी के पिता से मुलाकात की और उनकी सराहना करते हुए कहा कि आपके बलिदानों से ही देश को 'क्रिकेट का एक रत्न मिला है। नितीश ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के तीसरे दिन शानदार शतक लगाकर भारतीय टीम को फॉलोऑन से बचाया था। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया के 474 रन के जवाब में भारतीय टीम एक समय बेहद कठिन हालातों में थी। गावस्कर ने भावुक होकर कहा, ' नितीश के यहां क पहुंचने में आपने जो त्याग किये हैं उन्हें मैं जानता हूं। आपकी वजह से ही भारतीय क्रिकेट को एक बहुमूल्य रत्न मिला है। वहीं इस पर नितीश की मां ने गावस्कर से कहा कि उन्हें अब भी भरोसा नहीं हो रहा है कि उनका बेटा इतने बड़े मैदान पर खेल रहा है और इतनी 'बड़ी पारी खेली। नितीश के पिता भी उनके शतक बनाने के दौरान स्टेडिमय में मौजूद थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद दिया और गावस्कर के पैर छुए। इससे पहले पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने भी कहा था कि नितीश की शानदार पारी देखकर उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। आठवें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए नितीश ने चौथे दिन सुबह के सत्र में 114 रन बनाकर आउट हुए थे। शास्त्री ने कहा, 'सबसे अहमबात यह है कि जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की उससे उनकी प्रतिभा और अनुशासन का अंदाजा होता है। उसकी पारी को देखने का अनुभव हमेशा याद रहेगा।

दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज खिताब जीतकर कोनेरू हम्पी ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने रविवार को न्यूयॉर्क में इतिहास रचते हुए विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप में जीत हासिल की। उन्होंने इंडोनेशिया की इरीन सुकंदर को हराकर दूसरी बार विश्व रैपिड शतरंज चैंपियनशिप खिताब जीता। ऐसा करने वाली वे पहली भारतीय महिला शतरंज खिलाड़ी हैं। 2019 में मॉस्को में जीत के बाद यह इस प्रारूप में उनकी दूसरी खिताबी जीत है। चीन की जू वेनजुन के बाद हम्पी महिला वर्ग में एक से अधिक बार खिताब जीतने वाली दूसरी शतरंज खिलाड़ी बन गई हैं। 37 वर्षीय हम्पी ने 11 में से 8.5 अंकों के साथ टूर्नामेंट का समापन किया। यह भारतीय ग्रैंडमास्टर के लिए निर्णायक जीत थी। रूस के 18 वर्षीय वोलोदर मुर्जिन ने पुरुष वर्ग में यह खिताब जीता। हाल ही में सिंगापुर में क्लासिकल शतरंज विश्व चैंपियनशिप में डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को हराकर चैंपियन बने थे।

मेलबर्न टेस्ट

चौथे दिन का खेल खत्म, 333 रनों की हुई ऑस्ट्रेलिया की बढ़त

मेलबर्न, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के तहत खेली जा रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के चौथे मैच के चौथे दिन का खेल खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम ने अपनी दूसरी पारी में 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं। नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने आखिरी विकेट के लिए अब तक 55 रन की साझेदारी कर ली है।

मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए थे। इसके बाद भारतीय टीम ने अपनी पहली पारी में 369 रन बनाए। इससे पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलिया के पास 105 रन की बढ़त थी। ऐसे में अब उसकी कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है।

ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी

ऑस्ट्रेलिया टीम की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और 20 रन के स्कोर पर पहला झटका लगा। सलामी युवा बल्लेबाज सैम कोंस्टास को जसप्रीत बुमराह ने पवेलियन भेजा। कोंस्टास ने 8 रन बनाए। इसके बाद मोहम्मद सिराज ने उस्मान ख्वाजा को आउट कर दिया। ख्वाजा ने 21 रन बनाए। फिर सिराज ने स्टीव स्मिथ को अपना शिकार बनाया। वह 13 रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने एक ही ओवर में पहले ट्रेविस हेड और मिचेल मार्श को चलता कर दिया। हेड केवल 1 रन बना सके, जबकि मिचेल मार्श खाता भी नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया का 91 के स्कोर पर छठा विकेट गिरा। बुमराह ने विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को बोल्ड कर दिया। कैरी दो रन बना सके। हालांकि दूसरे छोर से मार्नस लाबुशेन ने अच्छी बल्लेबाजी करते हुए टेस्ट करियर का 23वां अर्धशतक पूरा किया। लाबुशेन को सिराज ने अपने जाल फंसाया और उन्हें एल्बीडब्ल्यू कर पलेवियन भेजा। लाबुशेन ने 139 गेंद में 70 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया का आठवां विकेट 156 के स्कोर पर गिरा। मिचेल स्टार्क 5 रन बनाकर रन आउट हुए। ऑस्ट्रेलिया को 173 के स्कोर पर नौवां झटका लगा। कप्तान पैट कमिंस 90 गेंद में चार चौके की मदद से 41 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नाथन लियोन ने स्कॉट बोलैंड के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 55 रन की साझेदारी कर ऑस्ट्रेलिया की बढ़त को 300 के पार पहुंचा दिया। दिन का खेल खत्म होने तक नाथन लियोन 41 रन और स्कॉट बोलैंड और 10 बनाकर नाबाद हैं।

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में अब तक 9 विकेट खोकर 228 रन बना लिए हैं और कुल बढ़त 333 रन की हो चुकी है। भारत की ओर से जसप्रीत बुमराह ने अब तक चार विकेट और मो. सिराज ने तीन विकेट लिए हैं। रवींद्र जडेजा को एक विकेट मिला है।

भारतीय टीम की पहली पारी 369 रन पर समाप्त

भारतीय टीम की पहली पारी 369 रन पर समाप्त हुई। टीम ने आज नौ विकेट पर 358 रन से आगे खेलना शुरू किया। नीतीश कुमार रेड्डी और मोहम्मद सिराज केवल 11 रन जोड़ सके। नीतीश आखिरी विकेट के रूप में आउट हुए। उन्होंने 189 गेंद में 11 चौके और एक छक्के की मदद से 114 रन की शानदारी पारी खेली। इससे पहले सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 82 रन, कप्तान रोहित शर्मा 3 रन, केएल राहुल 24 रन, विराट कोहली 36 रन, ऋषभ पंत 28 रन, रवींद्र जडेजा 17 रन और वॉशिंगटन सुंदर 50 रन बनाकर आउट हुए थे। जसप्रीत बुमराह और आकाश दीप खाता नहीं खोल सके थे। ऑस्ट्रेलिया की ओर से पैट कमिंस, स्कॉट बोलैंड और नाथन लियोन ने तीन-तीन विकेट लिए।

ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में बनाए 474 रन

इसके पहले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाए। स्टीव स्मिथ ने 140 रनों की शानदार शतकीय पारी खेली। स्मिथ के अलावा उस्मान ख्वाजा ने 57, मार्नस लाबुशेन ने 72 और सैम कोंस्टास ने 60 रन बनाए। इन चारों के अलावा पैट कमिंस (49) और एलेक्स कैरी (31) ने भी महत्वपूर्ण पारियां खेलीं। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 4, रवींद्र जडेजा ने 3, आकाशदीप ने 2 और वाशिंगटन सुंदर ने 1 विकेट लिया।

मांजरेकर ने रोहित पर निशाना साधा

मुम्बई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पारी की शुरुआत का रोहित शर्मा का फैसला गलत था। मांजरेकर ने कहा कि रोहित इस सीरीज में अब तक विफल रहे हैं। इसके बाद भी उनका सलामी बल्लेबाज के तौर पर आना गलत था। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में रोहित के अलावा विराट कोहली और अन्य बड़े खिलाड़ी भी रन नहीं बना पा रहे जो टीम के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है।

ऐसे में इन खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने के पूरे प्रयास करने चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन पारियों में केवल 19 रन ही बना पाए हैं। मांजरेकर ने कहा कि हमारे यहां परंपरा है कि हम अनुभवी बल्लेबाजों को लय हासिल करने के लिए ऊपर भेज देते हैं। हम प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सभी प्रकार के अवसर प्रदान करते हैं। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को पारी की शुरुआत से हटाकर तीसरे नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेज देते हैं जिससे रोहित को फॉर्म हासिल करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राहुल ने पहले तीन मैच में पारी की अच्छी शुरुआत की जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओपनिंग करना आसान नहीं है। यशस्वी जयसवाल के साथ राहुल ने भारत के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की थी पर रोहित को खिलाड़ी को सफल बनाने के लिए उस साझेदारी को तोड़ दिया दिया गया। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि यशस्वी और रोहित शीर्ष पर अच्छी साझेदारियां करते हैं । उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जब आपको एक ऐसा सलामी बल्लेबाज मिला जो अपनी भूमिका ठीक से निभा रहा था, तो खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान को पारी की शुरुआत के लिए भेजने के कारण उसे नंबर 3 पर भेजना सही नहीं है।

यूनाइटेड कप

पर्थ में यूनाइटेड कप टेनिस में खेलती हुई स्पेन की जेसिका बोजास।

बैडमिंटन स्पर्धा : आर्यन, आंजनेय शिवांश व आर्यन अगले दौर में

भोपाल/इन्दौर, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

बालक अंडर 19 में पहली वरीयता के आर्यन उपाध्याय, आंजनेय यादव, शिवांश मालवीय व आर्यन शर्मा ने अपने मुकाबले जीतकर यहाँ खेली जा रही विजय नामदेव स्मृति भोपाल जिला बैडमिन्टन प्रतियोगिता के स्पर्धा के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज से प्रारंभ हुए बालक अंडर 19 वर्ग में शीर्ष वरीयता धारी आर्यन उपाध्याय ने अपने पहले दौर के मुकाबल में हर्षित कश्यप को सीधे गेमों में 15-9, 15-5 से हराया। इसी वर्ग में आंजनेय यादव ने सत्यम कुमार को 15-4, 15-13, शिवांश मालवीय ने अर्नव सूर्यवंशी को 15-10, 15-9 तथा आर्यन शर्मा ने सानिध्य को संघर्षपूर्ण मुकाबले में 15-11, 15-10 से शिकस्त दी। अन्य परिणाम इस प्रकार रहे :-

बालक अंडर 9 : वेदांत विवि अद्रित पांडेय 15-14, 15-10 यर्थाथ वैष्णव विवि आर्यन गोयल 15-12, 15-1

बालक अंडर 11 : अभिनव आर्य विवि आदर्श पाठक 15-10, 15-8 अर्जुन राव विवि निपूर्ण 15-8, 15-4 आरव सोनी विवि गर्वित लालवानी 15-11, 15-4 युग भारती विवि मितांश जैन 15-8, 15-6

बालक अंडर 13 : प्रेरक पालीवाल विवि वैदिक बंसल 15-9, 11-15, 15-12 आदित्य रघुवंशी विवि शौर्यादित्य मिश्रा 6-15, 15-13, 15-7 वैभव द्विवेदी विवि मनन चंदनानी 15-6, 15-4

बालिका अंडर 13 : अन्वी गुप्ता विवि ओयस उपाध्याय 15-3,15-5 आराध्या गुप्ता विवि राधेश्री परिहार 15-12, 15-6 भूमि सिंह विवि तारा तिवारी 15-2,15-6 अदिति परमार विवि निया 15-7, 15-6 ।

ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग ने पहले सीजन के लिए 12 टीमों की घोषणा की

मुम्बई, 29 दिसंबर (एजेंसियां)।

छह पुरुष और छह महिला टीमें शामिल गुरुग्राम, 29 दिसंबर (हि.स.)। ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) ने आधिकारिक तौर पर 12 फ्रेंचाइजी टीमों और लीग के लोगो का अनावरण किया है, जिससे इसके पहले सीजन के लिए उत्सुकता और बढ़ गई है। यह लीग, जिसमें पुरुषों और महिलाओं की प्रतियोगिताओं पर समान रूप से जोर दिया जा रहा है, अपने अभिनव प्रारूप और समावेशी दृष्टिकोण के साथ खेल में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतिनिधित्व करती है।

टीमों के नाम रणनीतिक रूप से उनकी क्षेत्रीय पहचान को दर्शाने के लिए रखे गए हैं। इनमें महिला टीमें मराठी फाल्कन्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु चीता, तमिल लायनेस, पंजाबी टाइग्रेस और हरियाणवी ईगल्स हैं। पुरुषों की टीमें मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स शामिल हैं।

जीआई-पीकेएल ने अपनी टैगलाइन सकबड्डी की नई जंग भी जारी की, जो पुरुषों और महिलाओं को एक बैनर के तहत लाकर और समान शर्तों पर प्रतिस्पर्धा करके खेल को फिर से परिभाषित करने के लीग के मिशन का प्रतीक है। प्रत्येक फ्रेंचाइजी के पास एक पुरुष और एक महिला टीम होगी। इस महीने की शुरुआत में, ग्लोबल प्रवासी कबड्डी लीग (जीपीकेएल) ने इंडियन प्रीमियर कबड्डी लीग (आईपीकेएल) के साथ अपने विलय की घोषणा की, जिससे जीआई-पीकेएल का गठन हुआ।

टीम की घोषणाओं के बारे में होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन (एचआइपीएसए) की अध्यक्ष कांथी डी. सुरेश ने एक बयान में कहा, जीआई-पीकेएल भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाता है। साथ ही कबड्डी को वैश्विक दर्शकों तक ले जाता है। एक बैनर के तहत पुरुष और महिला दोनों टीमों को पेश करके, हमारा उद्देश्य खेल में समानता, सशक्तीकरण और एकता को बढ़ावा देना है।

हमेशा से ही होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन कबड्डी के वैश्विक विकास को लेकर प्रतिबद्ध रहा है। 2023 में जीपीकेएल ने दुनिया भर में महिला कबड्डी को बढ़ावा देने के लिए हरियाणा राज्य सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले, होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी स्पोर्ट्स एसोसिएशन ने सभी महाद्वीपों में खेल का विस्तार करने के लिए यूनाइटेड किंगडम स्थित विश्व कबड्डी निकाय के साथ भी 10 वर्ष के लिए करार किया था। यह प्रयास चार महाद्वीपों में पुरुषों के लिए कम से कम 75 देशों और महिलाओं के लिए 45 देशों में सक्रिय भागीदारी जैसे मानदंडों को पूरा करके ओलंपिक में कबड्डी को शामिल करने के महत्वाकांक्षी लक्ष्य पर आधारित है।

जीआई-पीकेएल की शुरुआत 12 टीमों के साथ होगी, जिसमें 6 पुरुष और 6 महिला टीमें शामिल होंगी। पहले सीजन में कुल 66 मैच खेले जाएंगे। लीग लगभग एक महीने तक चलेगी।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है, लेकिन चांदी की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ है। सोना 150 से 160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। सोने के भाव में आई कमजोरी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये से लेकर 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,5000 रुपये से लेकर 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में 100 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। इस तेजी के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,600 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,990 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 77,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

रतन टाटा : देश के प्रेरणास्त्रोत और व्यवसाय के महानायक, रतन टाटा की काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया

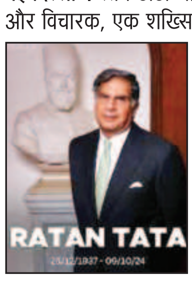

नई दिल्ली । रतन टाटा भारत के एक प्रमुख उद्यमी और विचारक, एक शख्सियत है जिसने देश और विश्व को अपनी साफ़, सजीव और प्रेरणास्त्रोत शक्ति से प्रेरित किया है। उनका कारोबारिक जीवन और नेतृत्व और काबिलियत ने टाटा ग्रुप को बुलंदियों पर पहुंचाया है और उन्हें एक सफल उद्यमपीठ के रूप में माना गया है। रतन टाटा ने हमेशा अपने कर्मचारियों को अपने परिवार के सदस्य की भावना से देखा है और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए हमेशा तैयार रहे हैं। उनकी सादगी, सम्मानवादिता और व्यवहार का ताज और सच्चाई के साथ ही उन्हें सबके दिलों में एक अजेय स्थान दिलाया है। एक खास कहानी जिसने रतन टाटा की महानता को और भी उजागर किया, वह है फोर्ड मोटर्स के साथ की एक घटना। जब टाटा इंडिका कार बाजार में मना नहीं पा रही थी, तो रतन टाटा ने अपने पैसेंजर कार व्यावसाय को बेचने का फैसला किया। इसमें फोर्ड मोटर्स के चेयरमैन बिल फोर्ड के मजाक का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने अपमान को भूला नहीं। रतन टाटा ने फोर्ड के जैगुआर और लैंड रोवर ब्रांड को खरीदा और उसके उतार चढ़ाव में सहायक बने, जिससे टाटा मोटर्स ने अपने आदर्श और समर्पण की यात्रा को विस्तारित किया। इस्तीफा देने के बजाय, रतन टाटा ने अपनी निर्णयकता और सहनशीलता से विश्वास दिखाया और एक महान उपलब्धिस्तर को हासिल किया। रतन टाटा के लिए काम करने का मतबल पूजा था। उनका कहना था कि काम तभी बेहतर होगा, जब आप उसकी इज्जत करेंगे। उनमें एक और खासियत ये थी कि वे हमेशा शांत और सौम्य रहते थे, अपनी कंपनी के छोटे से छोटे कर्मचारी तक से वे बड़े प्यार से मिलते थे, उनकी जरूरतों को समझते थे और उनकी हर संभव मदद करते थे।

सरकार ने 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक की नीलामी रद्द की, पिछले चार दौर की नीलामी में बेच दिए गए थे 24 खनिज ब्लॉक

नई दिल्ली। सरकार ने कंपनियों की ओर से ठंडी प्रतिक्रिया के कारण चौथे दौर में 11 महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द कर दी है। इस निर्णय के बाद जिसमें 11 में से चार ब्लॉक के लिए कोई बोली नहीं मिली, कंपनियों को भारी नुकसान होने का सामना करना पड़ा है। बताया गया है कि टंगस्टन और ग्लोकोनाइट सहित चार ब्लॉक छत्तीसगढ़ और अरुणाचल प्रदेश में स्थित हैं और इन खनिजों का उत्पादन महत्वपूर्ण है स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के लिए। इसी तरह बाकी के सात खनिज ब्लॉकों के लिए भी तीन से कम तकनीकी रूप से पात्र बोलियां मिली हैं और इन भी ब्लॉकों की नीलामी प्रक्रिया रद्द कर दी गई है। नीति के अनुसार सरकार ने पहले भी ऐसे खनिज ब्लॉकों की नीलामी रद्द की थी, जिनके लिए उपयुक्त बोलियां नहीं मिली थी। खान मंत्रालय ने इस बारे में यह जानकारी दी कि पिछले चार दौर की नीलामी में 24 महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज ब्लॉक बेच दिए गए थे। इस अप्रत्याशित निर्णय की उपेक्षा करने के परिणाम स्वरूप कंपनियों और खनिज सेक्टर के लिए चुनौतीपूर्ण समय हो सकता है।

हिमाचल के ऊना में आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित होगा: मुख्यमंत्री सुक्खू

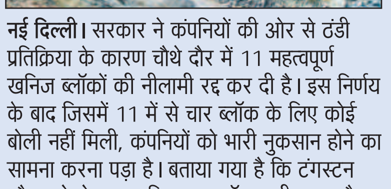

शिमला । मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण घोषणा की, जिसमें उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ऊना जिले में लगभग 20 करोड़ रुपये के निवेश से आलू प्रसंस्करण संयंत्र स्थापित करने की योजना बना रही है। इस संयंत्र की न्यूनतम प्रसंस्करण क्षमता होगी 500 किलोग्राम प्रति घंटा और यह आलू के गुच्छे के उत्पादन पर केंद्रित होगा। सुक्खू ने बताया कि राज्य में कुल सब्जी खेती में आलू का हिस्सा लगभग 20 प्रतिशत है। यह 16,960 हेक्टेयर से लगभग 2,38,317 टन उपज देता है। आलू प्रसंस्करण संयंत्र की स्थापना से किसानों को अधिक लाभकारी मूल्य मिलेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि आलू को फ्लेक्स जैसे मूल्य-संवर्धित उत्पादों में प्रसंस्कृत करने से यह संयंत्र आलू बाजार को स्थिर करेगा और किसानों की संवेदनशीलता में कमी आएगी।

वैश्विक दबाव के बावजूद डीआईआई की खरीदारी से शेयर बाजार को मिली बढ़त

साप्ताहिक आधार पर निवेशकों को 1.40 लाख करोड़ का मुनाफा

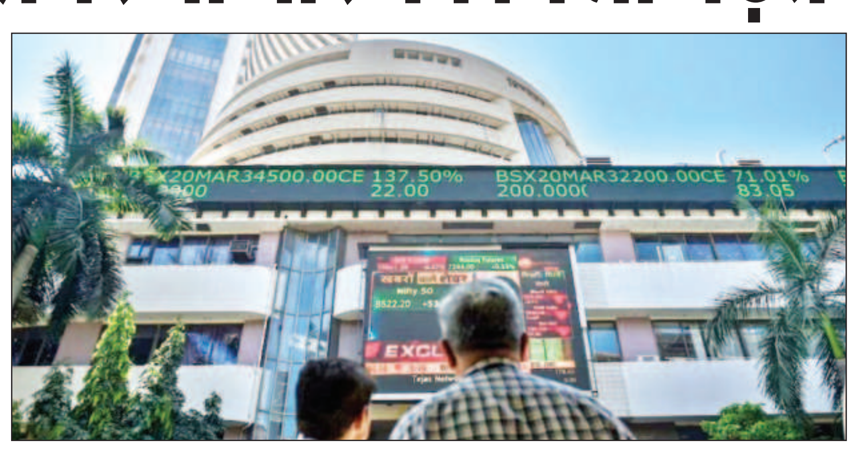

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

सोमवार 23 दिसंबर से लेकर शुक्रवार 27 दिसंबर तक के कारोबारी सप्ताह के दौरान घरेलू शेयर बाजार साप्ताहिक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहा। 25 दिसंबर को क्रिसमस की छुट्टी होने की वजह से इस सप्ताह सिर्फ चार दिन ही कारोबार हुआ। वैश्विक दबाव और विदेशी संस्थागत निवेशकों की बिकवाली के बावजूद घरेलू संस्थागत निवेशकों की खरीदारी के सपोर्ट से सेंसेक्स 657.48 अंक यानी 0.84 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी के साथ 78,699.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी ने 225.90 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,813.40 अंक के स्तर पर पिछले सप्ताह के कारोबार का अंत किया ।पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद एनएसई के ऑटोमोबाइल और फार्मास्यूटिकल इंडेक्स दो प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ बंद हुए। इसी तरह एफएमसीजी इंडेक्स ने साप्ताहिक आधार पर 1.53 प्रतिशत की तेजी की दिखाई, जबकि बैंक और रियल्टी इंडेक्स 1 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान करीब 2 प्रतिशत लुढ़क गया। इसी तरह मेटल इंडेक्स भी 1 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। पूरे सप्ताह के कारोबार में शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन 27 दिसंबर के कारोबार के बाद बढ़ कर 442.39 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 20 दिसंबर को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 440.99 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को पिछले सप्ताह के कारोबार से करीब 1.40 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद बीएसई का लार्जकैप इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट, इंटरग्लोब एवियशन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ट्रेंट लिमिटेड, अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस, एवेन्यू सुपरमार्ट्स और अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनामिक जोन टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, जेएसडब्ल्यू एनर्जी, आईसीआईसीआई लोंबार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी, श्री सीमेंट्स, हिंदुस्तान जिंक, जोमैटो और सिमेंस लार्जकैप के टॉप लूजर्स में शामिल हुए। बीएससी का मिडकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद 0.21 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ।

मिडकैप इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से वन 97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम), जूबिलेंट फूडवर्क्स, बाइकॉन, फिनिक्स मिल्स, अडाणी विल्मर और अजंता फार्मास्यूटिकल के शेयर 5 से 13 प्रतिशत की मजबूती के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, थर्मैक्स, इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डेवलपमेंट एजेंसी, जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशन ऑफ इंडिया, एफएसएन ई-कॉमर्स वेंचर्स (न्याका), ऐस्ट्रल और गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के शेयर मिडकैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए। इसी तरह बीएसई का स्मॉलकैप इंडेक्स पिछले सप्ताह के कारोबार के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ। इस इंडेक्स में शामिल कंपनियों में से पीटीसी इंडस्ट्रीज, इंटेलेक्ट डिजाइन अरेना, ग्रीव्स कॉटन सौराष्ट्र सीमेंट, अंबर एंटरप्राइजेज इंडिया, आरती फॉर्मालैब्स, कैपलिन प्वाइंट लैबोरेट्रीज, पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज, देवयानी इंटरनेशनल, त्रिवेदी इंजीनियरिंग एंड इंडस्ट्रीज, कैंपस एक्टिव वेयर और हिताची एनर्जी इंडिया के शेयर 10 से 24 प्रतिशत तक की तेजी के साथ टॉप गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, टीटागढ़ रेल सिस्टम, कीटेक्स गारमेंट्स, राजू इंजिनियर्स, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी, केपीआर मिल्स, इंडो काउंट इंडस्टरीज, हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज, पाईशैलो डिजिटल और एनजीएल फाइन केम के शेयर 10 से 13 प्रतिशत की गिरावट के साथ स्मॉल कैप इंडेक्स के टॉप लूजर्स की सूची में शामिल हुए ।27 दिसंबर को खत्म हुए सप्ताह के दौरान विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) भारतीय बाजार में शुद्ध बिकवाल बने रहे। पिछले सप्ताह विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में 6,322.88 करोड़ रुपये की बिकवाली की। दूसरी ओर, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने एफआईआई की बिकवाली का जवाब देते हुए 10,927.73 करोड़ रुपये की खरीदारी की। इस खरीदारी के कारण ही घरेलू शेयर बाजार विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा।

उतार चढ़ाव के बावजूद शेयर बाजार ने निवेशकों को कराया मुनाफा, लगातार 9वें साल मिला पॉजिटिव रिटर्न

नई दिल्ली,29 दिसंबर (एजेंसियां) ।

घरेलू शेयर बाजार साल 2024 के कारोबार के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव का सामना करता रहा। इस साल के कारोबार में अब सिर्फ आने वाले 2 दिन सोमवार और मंगलवार यानी 30 और 31 दिसंबर का कारोबार होना बाकी है। इन दो दिनों के अलावा अभी तक हुए कारोबार के दौरान घरेलू बाजार ने कई बार ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि, शेयर बाजार को बीच-बीच में बड़े नुकसान का भी सामना करना पड़ा। अगर पूरे साल के कारोबार की बात करें, तो ओवरऑल घरेलू शेयर बाजार ने अपने निवेशकों को 2024 के दौरान पॉजिटिव रिटर्न दिया। इस तरह लगातार नौवें साल घरेलू शेयर बाजार के निवेशक वार्षिक आधार पर मुनाफे में रहे।

साल 2024 के दौरान शेयर बाजार ने 65 दिनों के कारोबार में ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना। इसमें आखिरी बार 27 सितंबर को सेंसेक्स 85,978.25 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि निफ्टी 26,277.35 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। इसके पहले 2023 के आखिरी कारोबारी दिन सेंसेक्स 72,240.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। इसी तरह निफ्टी ने 21,731.40 अंक के स्तर पर पिछले साल के कारोबार का अंत किया था।

इस तरह साल 2024 में 27 सितंबर तक सेंसेक्स में 13,737.99 यानी 19.02 प्रतिशत की तेजी आ गई थी। इसी तरह निफ्टी 27 सितंबर तक 4,545.95 अंक यानी 20.92 प्रतिशत उछल चुका था। हालांकि अक्टूबर और नवंबर में वैश्विक दबाव और विदेशी निवेशकों की चौतरफा बिकवाली के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक अपने रिकॉर्ड हाई से नीचे आ गए। 27 सितंबर के बाद से लेकर अभी तक के कारोबार में सेंसेक्स 7,279.18 अंक यानी 8.46 प्रतिशत और निफ्टी 2,463.95 अंक यानी 9.37 प्रतिशत टूट चुके हैं।

अगर 1 जनवरी से 27 दिसंबर तक के कारोबार की बात की जाए तो साल 2024 के दौरान शेयर बाजार में सेंसेक्स ओवरऑल 6,458.81 अंक यानी 8.94 प्रतिशत मजबूत हो चुका है। इसी तरह निफ्टी में इस साल अभी तक ओवरऑल 2,082 अंक यानी 9.58 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है। घरेलू शेयर बाजार पर असर डालने वाले कारकों में इस साल इजरायल-ईरान संघर्ष और रूस और यूक्रेन के बीच पहले से ही जारी जंग का मुख्य रूप से उल्लेख किया जा सकता है। इन दोनों जगहों के जियो-पॉलिटिकल टेंशन का भारतीय शेयर बाजार पर काफी असर पड़ा। इसके साथ ही अमेरिका में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव ने भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शेयर बाजारों पर अपना असर दिखाया। इसके अलावा नवंबर के महीने में चीन द्वारा आर्थिक पैकेज का ऐलान करने से भी दुनिया भर के स्टॉक मार्केट पर असर पड़ा। चीन के आर्थिक पैकेज की वजह से बड़े विदेशी निवेशकों ने दुनिया के तमाम स्टॉक मार्केट में बिकवाली करके बड़े पैमाने पर अपने पैसे की निकासी की और उन्हें चीन के शेयर बाजार में इन्वेस्ट किया।

इसकी वजह से जहां चीनी स्टॉक एक्सचेंज का सूचकांक शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 14 प्रतिशत तक उछल गया, वहीं दुनिया के ज्यादातर स्टॉक मार्केट दबाव में कारोबार करते नजर आए।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

1971 में खदेड़ी ...

पाकिस्तानी सेना का अगर बांग्लादेश में दखल बढ़ा तो ये काफी लाजमी हो जाएगा कि इसका असर भारत और बांग्लादेश के संबंधों पर भी पड़ेगा। बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को गिराए जाने के बाद से ही वहां मौजूद हिंदुओं की जो स्थिति है उसे लेकर भारत पहले से ही अपनी चिंताएं व्यक्त करता रहा है। इसके बावजूद भी बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ अत्याचार जारी है। ऐसे में अब पाकिस्तान से बांग्लादेश की बढ़ती नजदीकियां भारत के साथ उसके साथ संबंध पर असर जरूर डालेंगे।

संविधान हमारा...

दक्षिण अमेरिकी देश पराग्वे में लोगों की आयुर्वेद के प्रति बढ़ती रुचि का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि दुनिया की सबसे प्राचीन भाषा तमिल को वहीं ट्रेनिंग लिए शिक्षक सिखा रहे हैं।विकास के पथ पर अग्रसर मोहब्बत प्रभावित बस्तर संभाग में आयोजित ओलंपिक के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा कि 65000 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया यह हमारे युवाओं के संकल्प की गौरव गाथा है।डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2015 से 2023 के बीच मलेरिया के मामलों और इससे होने वाली मौतों में 80 प्रतिशत की कमी आई है। इस उपलब्धि का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने कुछ सराहनीय प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने इस संदर्भ में असम में जोरहाट और हरियाणा के कुरुक्षेत्र में हुए प्रयासों का उल्लेख किया।आयुष्मान भारत योजना से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में मिल रही मदद को प्रधानमंत्री ने गरीबों को संबल देने वाला बताया। उन्होंने कहा कि अब भारत में समय पर कैंसर का इलाज शुरू होने की संभावना काफी बढ़ गई है। आयुष्मान योजना ने उपचार के 30 दिनों के भीतर ही शुरू कराने में बड़ी भूमिका निभाई है।ओडिशा के कालाहांडी में सब्जी क्रांति अर्थात कालाहांडी का वेजिटेबल हब बनने की उल्लेखनीय उपलब्धि को प्रधानमंत्री ने अपनी मन की बात में शामिल किया। उन्होंने बताया कि कम पानी और कम संसाधनों के बावजूद यहां एक समूह ने मिलकर एफपीओ यानि कृषि उत्पाद संघ की स्थापना की। खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया और आज यह करोड़ों का कारोबार कर रहा है। आज इससे 200 से अधिक किस जुड़े हैं जिसमें से 45 महिलाएं हैं। अब इस एफपीओ का सालाना टर्नओवर भी बढ़कर डेढ़ करोड़ से ज्यादा हो गया है।

दक्षिण कोरिया...

इसमें 83 महिलाएं, 82 पुरुषों की पहचान हो गई है, शेष की शिनाख्त नहीं हो सकी है। आपातकालीन कर्मचारियों ने दो लोगों को बचाया जो होश में थे।

कनाडा में हुआ दूसरा हादसा

दूसरा हादसा कनाडा में हुआ। यहां एयर कनाडा की एक फ्लाइट हैलिफैक्स एयरपोर्ट पर खतरनाक लैंडिंग हुई। लैंडिंग के दौरान विमान रनवे से फिसल गया। उसका लैंडिंग गियर टूट गया। टूटे हुए लैंडिंग गियर के साथ उतरने के बाद उसमें आग लग गई। हालांकि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ये घटना तब हुई जब विमान के लैंडिंग गियर में खराबी आ गई, जिससे विंग रनवे से टकरा गया और आग लग गई। आपातकालीन दल ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर आग बुझाई और विमान में सवार सभी यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित की।विमान में सवार एक यात्री ने सीबीसी न्यूज को बताया कि विमान का एक टायर उतरते समय ठीक से नहीं खुला। उन्होंने कहा कि विमान बाईं ओर लगभग 20 डिग्री के एंगल पर झुकने लगा और जैसे ही ऐसा हुआ, हमने बहुत तेज़ आवाज़ सुनी, जो लगभग किसी हादसे जैसी थी, विमान का विंग फुटपाथ पर टकराने लगा, उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि विमान इंजन भी रनवे पर फिसल गया था। एहतियात के तौर पर हैलिफैक्स हवाई अड्डे को अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया है।

नॉर्वे के ओस्लो में हुआ तीसरा हादसा

तीसरा हादसा नॉर्वे में हुआ। केएलएम का विमान स्थानीय समयानुसार शाम 7:14 बजे टॉर्प सैंडफजॉर्ड एयरपोर्ट पर उतरा, गनीमत है कि विमान में सवार सभी 182 लोग सुरक्षित हैं, जिनमें चालक दल के सदस्य भी शामिल हैं। विमान ने शाम 6:55 बजे ओस्लो से उड़ान भरी, लेकिन यात्रियों और चालक दल ने उड़ान भरने के तुरंत बाद तेज आवाज सुनने की सूचना दी। केएलएम ने एक बयान में कहा कि एक तेज आवाज के कारण पायलटों को सुरक्षा के लिए टॉर्प की ओर मुड़ना पड़ा। स्थानीय मीडिया ने बताया कि पायलटों ने बाएं इंजन से धुआं निकलता देखा। इसके बाद विमान की लैंडिंग कराई गई, हालांकि विमान रनवे पर कंट्रोल नहीं हो पाया और रनवे से फिसलकर घास में रुक गया।

चपेट में आने...

राजेश कुमार (गुजरात), मुद्रिका यादव (झारखंड), सुशीत प्रसाद और महेश नंदलाल (दोनों उत्तर प्रदेश से) के रूप में हुई है। दहेज स्थित जीएफएल के उपमहाप्रबंधक जिग्नेश परमार ने संवाददाताओं को बताया कि वे मामले की जांच करेंगे और मृतकों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''कंपनी और प्रबंधन इस घटना से दुखी हैं। हमने अधिकारियों के साथ सहयोग करने का वादा किया है तथा हम मामले की जांच करेंगे और अपनी रिपोर्ट पेश करेंगे।'' भरूच की उपमंडल मजिस्ट्रेट मनीषा मनानी ने कहा, ''अंबेटा गांव के पास जीएफएल संयंत्र में गैस रिसाव होने के कारण चार लोगों की मौत हो गई। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भरूच के सिविल अस्पताल भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।''

2023-24 में भारत...

इस वर्ष 1,507 निर्यात प्राधिकरण जारी किए गए, जबकि पिछले वित्तीय वर्ष में यह संख्या 1,414 थी। यह वृद्धि सरकार की नीतिगत पहलों और रक्षा उद्योग के सहयोग का परिणाम है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस उपलब्धि पर सभी हितधारकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत का रक्षा उद्योग, जिसमें निजी क्षेत्र और डीपीएसयू शामिल हैं, हाल के वर्षों में सराहनीय प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत 2029 तक 50,000 करोड़ रुपये के रक्षा उपकरण निर्यात का लक्ष्य हासिल कर लेगा।भारत के रक्षा निर्यात में हाल के वर्षों में बड़ा उछाल देखा गया है। 2016-17 के बाद से यह 10 गुना से अधिक बढ़ा है। भारत ने दुनिया को अपने डिज़ाइन और विकास क्षमताओं से प्रभावित किया है। वर्तमान में 100 से अधिक भारतीय कंपनियां रक्षा उत्पादों का निर्यात कर रही हैं।भारत के रक्षा मंत्रालय ने रक्षा विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कई नीतिगत पहल की हैं। मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसी योजनाओं ने इस क्षेत्र को मजबूत किया है। साथ ही, निर्यातकों के लिए प्रक्रियाओं को सरल बनाने और निर्यात प्रोत्साहन की दिशा में कदम उठाए गए हैं।भारत का रक्षा निर्यात पिछले कुछ वर्षों में न केवल मात्रा में बढ़ा है, बल्कि गुणवत्ता और डिज़ाइन में भी वैश्विक मानकों को छू रहा है। यह उपलब्धि भारत के रक्षा उद्योग की वैश्विक पहचान को मजबूत करती है और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक बड़ा कदम है।

महाराष्ट्र में ...

निर्मम हत्या के विरोध में हम विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं। हम सभी जानते हैं कि हत्या में शामिल चार हत्यारे खुलेआम घूम रहे हैं, लेकिन अभी तक सिर्फ तीन हत्यारों को ही गिरफ्तार किया गया है। सरकार का कहना है कि वह मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित करेगी, लेकिन अब तक एसआईटी का गठन नहीं किया गया। यह न केवल प्रशासन की विफलता को दर्शाता है, बल्कि महाराष्ट्र की सरकार की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाता है।सोनावले ने कहा कि राज्य सरकार हत्यारों का समर्थन कर रही है। सरकार की अनदेखी और ढीले रवैये के कारण हत्यारे आज भी खुलेआम घूम रहे हैं। मैं यह स्पष्ट तौर पर कह रहा हूं कि इस हत्या के पीछे महाराष्ट्र सरकार के एक बड़े नेता का हाथ है और वह नेता हैं धनंजय मुंडे। धनंजय मुंडे ने कहा था कि वाल्मीकि कराड उनका खास है। अगर धनंजय मुंडे को थोड़ी भी शर्म है, तो उन्हें तुरंत अपना इस्तीफा देना चाहिए।सोनावले ने आगे कहा कि हमारी मांग है कि इस मामले में एसआईटी का गठन किया जाए और दोषियों को जल्द से जल्द सजा दिलाई जाए। इस तरह के अपराधियों को संरक्षण देने वाले नेताओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। हम तब तक शांत नहीं बैठेंगे जब तक हमारे सवालों का जवाब नहीं मिलता।बता दें कि 9 दिसंबर को संतोष देशमुख का अपहरण किया गया था और बाद में उनकी हत्या कर दी गई थी। शीतकालीन सत्र के दौरान विपक्ष के नेताओं ने दावा किया कि वाल्मीकि कराड हत्याकांड का मास्टरमाइंड है। मृतक सरपंच की बेटी वैभवी देशमुख ने अपने पिता के लिए न्याय की मांग की थी।

मुसलमानों को...

उन्होंने आगे कहा कि फतवे में यह भी कहा गया कि नए साल के जश्न में नाच-गाना, शोर-शराबा, शराब पीना, जुआ खेलना जैसे काम होते हैं, जो इस्लाम में सख्ती से मना किए गए हैं। जो भी मुसलमान इस तरह के कार्यक्रमों में शामिल होगा, उसे गुनहगार माना जाएगा। इसलिए मुसलमानों को साफ हिदायत दी गई है कि वे इस तरह के कार्यों से दूर रहें और नए साल का जश्न न मनाएं, क्योंकि यह इस्लामी उसूलों के खिलाफ है। शरीयत की नजर में इस तरह का काम करने वाले लोग मुजरिम हैं। ऐसे लोगों को इस तरह के कार्यों से बाज आना चाहिए, उन्हें ऐसे काम हरगिज नहीं करना चाहिए।

लद्दाख में भारत...

का केंद्र रहा है। चीन की आक्रामक नीतियों और बार-बार क्षेत्रीय दावों के चलते यह क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील बन गया है। ऐसे में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का अनावरण भारत की ओर से चीन को कड़ा संदेश है। यह स्पष्ट संकेत है कि भारत अपनी संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और चीन के क्षेत्रीय दावों के आगे झुकने वाला नहीं है।भारत द्वारा लद्दाख में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा स्थापित करना न केवल एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, बल्कि यह देश की संप्रभुता और सांस्कृतिक विरासत के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है। भारत के इस कदम को केवल एक सैन्य गतिविधि के रूप में नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक और राष्ट्रीय गौरव के प्रतीक के रूप में भी देखा जा रहा है। भारतीय सेना ने छत्रपति शिवाजी की प्रतिमा लगाकर न केवल इतिहास और संस्कृति को सम्मान दिया, बल्कि अपने दृढ़ संकल्प को भी प्रदर्शित किया। यह कदम भारत के उस संदेश को रेखांकित करता है, जिसमें चीन को स्पष्ट रूप से बताया गया है कि भारत अपने क्षेत्रीय अधिकारों और सीमाओं की रक्षा के लिए हरसंभव कदम उठाएगा। वहीं शिवाजी महाराज की यह प्रतिमा आने वाली पीढ़ियों को वीरता और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती रहेगी।

पैंगोंग त्सो झील के किनारे शिवाजी महाराज की प्रतिमा लगाने का स्थान भी विशेष महत्व रखता है। यह इलाका सामरिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और भारतीय सेना की स्थायी उपस्थिति यहां सुनिश्चित करती है कि इस क्षेत्र में कोई भी बाहरी ताकत अतिक्रमण न कर सके।

वार्षिक राशिफल 2025

11.कुंभ राशि

पाल बालाजी ज्योतिष जयपुर जोधपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा.अनीष व्यास ने बताया कि साल आपको मिले-जुले परिणाम दे सकता है। कुछ मामलों में आपको एवरेज से बेहतर परिणाम भी मिल सकते हैं। एक ओर जहां मार्च के बाद शनि का प्रभाव प्रथम भाव से दूर हो रहा है जो आपके भीतर नई नई ऊर्जा देने का काम करेगा। आप रुके हुए कामों को गति दे सकेंगे। यात्राओं के माध्यम से भी लाभ प्राप्त कर सकेंगे। वहीं मई के बाद राहु का प्रथम भाव में गोचर इसी तरह की परेशानियां फिर से दे सकता है। हालांकि परेशानियों का स्वरूप छोटा और कमजोर सकता है अर्थात पहले की तुलना में परेशानियां कम होगी लेकिन पूरी तरह से दूर नहीं हो पाएंगे। अतः अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखते हुए अपनी वास्तविक ऊर्जा के अनुरूप कार्य व्यवहार करना समझदारी का काम होगा। इससे आपका स्वास्थ्य भी अनुकूल बना रहेगा और आपके काम भी धीरे-धीरे पूरे होने लग जाएंगे। इस वर्ष माता के स्वास्थ्य पर ध्यान देना बहुत जरूरी रहेगा। हालांकि इन सारे हालातों के बावजूद मई मध्य के बाद बृहस्पति के गोचर की अनुकूलता आपको विभिन्न मामलों में अच्छी सफलता दिला सकती है। यदि आप विद्यार्थी हैं तो मई मध्य के बाद आपको अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। प्रेम संबंध के लिए भी गुरु का यह गोचर अनुकूल परिणाम देना चाहेगा। सगाई, विवाह और वैवाहिक जीवन के लिए भी बृहस्पति का यह गोचर अच्छा अनुकूल रहेगा लेकिन वैवाहिक जीवन में केतु बीच-बीच में छोटी-मोटी परेशानियां देना चाहेगा। तो वहीं बृहस्पति उन परेशानियों दूर करना चाहेगा। अर्थात परेशानियां आएंगी लेकिन जल्दी ही ठीक हो जाएंगी। इसी तरह कार्य व्यवसाय नौकरी इत्यादि में भी छोटी-मोटी विसंगतियों के बाद सब कुछ ठीक-ठाक चलता रहेगा। सारांश यहां की इस वर्ष विभिन्न मामलों में छोटी-मोटी परेशानियां देखने को मिल सकती हैं लेकिन आप अपने पुरुषार्थ और योजनाओं के कारण उन परेशानियों को दूर कर सफलता प्राप्त करते रहेंगे। साल 2025 की शुरुआत में शनिदेव आपके प्रथम भाव में गोचर करेंगे जिसके चलते आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। आपके मन में नए-नए विचारों का आदान प्रदान होगा। आप अपने वर्किंग स्किल्स से अपने हर प्रोजेक्ट को से पूरा कर पाओगे और लोगों के बीच प्रशंसा के पात्र बनोगे। जो लोग किसी काम से छुट्टियां बिताने के लिए विदेश जाने का सपना देख रहे है उनकी यह मनोकामना इस अवधि में पूरी हो सकती है। विदेशी कंपनी में काम कर रहे लोगों के लिए यह समय रहेगा। आप अपने करियर में अच्छी ग्रोथ देख सकते हो। आपकी इनकम बढ़ेगी या आपको अच्छी मात्रा में बोनस मिल सकता है। आपको एक से ज्यादा माध्यम से धन कमाने को मिलेगा। मार्च को शनि कुंभ राशि वालों के द्वितीय भाव से गोचर करेंगे। आपको एक बार फिर अच्छी में धन कमाने को मिलेगा। आप अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने में समर्थ रहोगे। आप दिल खोल कर खर्चा करोगे। मई से राहु कुंभ राशि वालों के प्रथम भाव से और केतु सप्तम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपके निजी रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो सकती आपकी शादीशुदा जीवन में कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। इस समय आपके न चाहते हुए भी लड़ाई-झगड़े या वाद विवाद होंगे। ऐसे हालातों में आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखना है। अक्टूबर से दिसंबर तक धन व आर्थिक मामलों में सावधान रहने की जरूरत है। बिजनेस में भी तरह का बड़ा निवेश न करें।

कैरियर – इस साल आपको करियर को सँवारने के कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आपके सपनों को नई उड़ान मिलेगी और आपको अपने जीवन में तरक्की होगी। कुंभ राशि के छात्र पिछले साल के मुकाबले इस साल बेहतरीन प्रदर्शन करेंगे। आपको अपने करियर में सुधार करने के कई सुनहरे अवसर मिलेंगे। देवगुरु बृहस्पति की शुभ दृष्टि होने से आपकी नौकरी में परिवर्तन होने की पूरी संभावना है। आपको एक अच्छी कंपनी में काम करने का मौका मिलेगा। आपको अच्छी इनकम के साथ-साथ एक अच्छा मुकाम भी होगा। आपकी छवि में सुधार होगा और समाज में आपको पहचान मिलेगी। विद्यार्थियों को इस साल अपनी मेहनत के अनुसार परिणाम मिलेंगे।नौकरीपेशा वर्ग के लिए यह साल अच्छा रहेगा। आपकी आमदनी में इजाफ़ा होगा। व्यापारियों के लिए यह साल अच्छा रहेगा। अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए आपको कई जगहों पर जाने का मौका मिलेगा। आपको अपने हर काम में अपने गुरु, पिता या अपने सीनियर्स का साथ मिलेगा। आपके अंदर गजब का आत्मविश्वास भरा रहेगा। इस वर्ष छठे भाव पर लंबे समय तक कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं रहेगा, अतः नौकरी यथावत चलती रहेगी और आपको आपकी मेहनत अनुरूप परिणाम मिलते रहेंगे। हालांकि दूसरे भाव पर साल की शुरुआत से लेकर मई महीने तक राहु का प्रभाव रहेगा, वहीं मार्च से लेकर आगे के समय में शनि का प्रभाव रहेगा। ये स्थितियां इस बात का संकेत कर रही है कि सब कुछ स्मूथ बना रहे इस बात थोड़ा सा संशय है लेकिन फिर भी कोई बड़ा व्यवधान नहीं आना चाहिए। इस वर्ष आपको आपकी बातचीत के तौर तरीके में थोड़ी और मेहनत और संशोधन करने की जरूरत रहेगी, जिससे सहकर्मियों के साथ आपके संबंध अच्छे रहें और नौकरी करने में आपको मजा आए। वरिष्ठों और बॉस साथ बात करते समय उचित शब्दों का चयन भी बहुत जरूरी रहेगा। इन छोटी-छोटी बातों का ख्याल रखने की स्थिति में जॉब सामान्यतः अच्छी चलती रहेगी। यदि आप नौकरी में परिवर्तन करना चाह रहे हैं तो इस मामले में भी साल सामान्य तौर पर मददगार बना रहेगा। हालांकि जिम्मेदारियां निभाना अच्छी बात है लेकिन दूसरों की वाहवाही के लिए अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज करना अच्छा नहीं रहेगा। अर्थात काम करें, अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह करें लेकिन अपने स्वास्थ्य और अपने शारीरिक क्षमता को भी ध्यान में रखना जरूरी रहेगा। यानी कि अपनी क्षमता के अनुसार ही जिम्मेदारियां उठाना रहेगा।

आर्थिक स्थिति–आर्थिक मामले में यह साल औसत परिणाम दे सकता है। यदि हम कमाई के दृष्टिकोण से बात करें तो साल का दूसरा हिस्सा कमाई के दृष्टिकोण से काफी अच्छे परिणाम देता हुआ प्रतीत हो रहा है। साल शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक आपके लाभ भाव का स्वामी चतुर्थ भाव में रहेगा। अतः कमाई के मामले में आपको औसत परिणाम मिल सकते हैं लेकिन मई महीने के मध्य भाग के बाद लाभ भाव का स्वामी पंचम भाव में जाकर लाभ भाव को देखेगा आपको अच्छा खासा लाभ करवाने का प्रयत्न करेगा। यानी की आमदनी के दृष्टिकोण से साल का पहला हिस्सा एवरेज तो वहीं साल का दूसरा हिस्सा बहुत अच्छा रह सकता है। जबकि बचत के दृष्टिकोण से यह साल कुछ हद तक कमजोर रह सकता है। महीने की शुरुआत से लेकर के महीने तक धन भाव पर राहु का प्रभाव रहेगा। वहीं

मार्च के महीने से लेकर आगे के समय में धन भाव पर शनि का प्रभाव रहेगा। ये दोनों ही स्थितियां धन के बचत के मामले में अच्छी नहीं कही गई जाएंगी। ऐसे में हम कह सकते हैं कि वर्ष बचत करना थोड़ा सा कठिन रहेगा। कहने का तात्पर्य यह कि यह साल कमाई के दृष्टिकोण से सामान्य तौर पर अच्छा तो वहीं बचत के दृष्टिकोण से कमजोर रह सकता है। इसलिए आर्थिक मामले में इस साल आपको एवरेज परिणाम ही प्राप्त होंगे। पार्टनरशिप में हर आर्थिक लेन-देन अपनी नजर बनाए रखें। महत्वपूर्ण निर्णयों में जल्दबाजी न करें। अपने लक्ष्य पर फोकस बनाए रखें। सूझबूझ व विनम्रता से काम करेंगे तो आपको सफलता मिलेगी। अकड़ और घमंड से आपकी बनती बात भी बिगड़ सकती है। इस साल आपके खर्चों में बढ़ोतरी होगी पर आप अनुशासन से कार्य और बचत पर बल देंगे। आप पूरे वर्ष नियमित रुप से धन कमाएंगे। आपकी आधुनिक सोच और यूनिक आइडिया आपके बिजनेस को एक नई दिशा, नए आयाम तक ले जाएंगे। आप अपने जीवनसाथी की मदद से अच्छा धन कमा सकते हैं। आपको अपने जीवन में समय की कीमत पहचाननी लोभ प्रलोभन में आने से बचें। साख-सम्मान और कार्य व्यापार बेहतर बना रहेगा। जीत का जज्बा बढ़त पर रहेगा। वर्ष आपके लिए आर्थिक दृष्टि से बहुत शुभ रहेगा। आपके जीवन में धन कमाने के अच्छे अवसर आएंगे। बिजनेस में आकर्षक प्रस्ताव मिलेंगे।

परिवार– पारिवारिक मामलों में इस वर्ष आपको बहुत ही सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी। साल की शुरुआत से लेकर लगभग मई महीने तक दूसरे भाव पर राहु-केतु के प्रभाव के चलते परिजनों के बीच असामंजस्य देखने को मिल सकता है। परिजन एक दूसरे पर संदेह कर हैं, एक दूसरे के बारे में भला बुरा भी कह सकते हैं। इन सभी कारणों से पारिवारिक संबंध कमजोर रह सकते हैं। हालांकि मई महीने के बाद से राहु केतु का प्रभाव दूसरे भाव से समाप्त हो जाएगा लेकिन तब तक यानी कि मार्च के बाद से ही दूसरे पर शनिदेव का गोचर हो चुका होगा। अतः बाकी के समय में शनि देव के द्वारा कुछ परेशानियां दी जा सकती हैं। यानी कि इस पूरे वर्ष ही पारिवारिक संबंधों में सावधानी पूर्वक निर्वाह करने की आवश्यकता रहेगी। वहीं गृहस्थ संबंधी मामले में इस वर्ष आपको मिले-जुले या बीच-बीच कुछ कमजोर परिणाम मिल सकते हैं। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक बृहस्पति का गोचर चतुर्थ भाव में रहेगा। चतुर्थ भाव में बृहस्पति के गोचर को बहुत अच्छा नहीं माना गया लेकिन फिर भी हम ये मान कर चलते हैं कि आपका गृहस्थ जीवन बना रहेगा लेकिन इसी बीच में मार्च महीने के बाद से शनि की तीसरी दृष्टि चतुर्थ भाव पर शुरू हो जाएगी, जो बाद के समय में पूरे वर्ष और उसके बाद भी बनी रहेगी। मई महीने के मध्य भाग के बाद बृहस्पति भी चतुर्थ भाव से अपना प्रभाव समेट तब शनि का प्रभाव अधिक प्रभावी होगा। अतः उस अवधि में गृहस्थ जीवन से संबंधित परेशानियां तुलनात्मक रूप से बढ़ सकती हैं। कहने का तात्पर्य यह कि पारिवारिक मामलों के लिए साल कमजोर है लेकिन गृहस्थ मामलों को मिले-जुले परिणाम दे सकता है। फिर भी दोनों ही मामलों में निर्वाह करने की आवश्यकता रहने वाली है।

प्रेम, रोमांस – यह साल रिश्तों के लिए और आपके वैवाहिक जीवन के लिए बहुत ही यादगार रहने वाला है। आप अपने प्यार का इज़हार खुल कर करोगे। इस साल आप अपने प्यार लम्हों को जी भर जिओगे। आप अपने जीवनसाथी के साथ भावनात्मक जुड़ाव महसूस करोगे। आप एक दूसरे के विचारों का समर्थन करोगे और हर परिस्थिति में एक दूसरे का साथ देते नजर आओगे। वर्ष की शुरुआत का समय आपके दांपत्य जीवन के लिए सबसे अच्छा रहेगा। आपके घर परिवार इस साल किसी नए सदस्य के जुड़ने से घर में खुशियों का माहौल रहेगा। आपके घर में शादी की शहनाई बज सकती है। जो लोग संतान प्राप्ति के लिए प्रयास कर रहे हैं उनके जीवन में यह खुशखबरी इस साल पूरी हो सकती है। कुंभ राशि के सिंगल लोगों लिए यह साल बहुत अच्छा रहेगा। जिस सच्चे हमसफ़र की आपको तलाश थी वो आपको इस साल मिल जाएगा। जो लोग अपनी मैरिड लाइफ़ के बुरे दौर से गुजर रहे हैं उनके लिए समय अनुकूल है। आपके जीवन में पॉजिटिव बदलाव आएंगे। मई से राहु आपके प्रथम भाव से केतु सप्तम भाव से गोचर करेगा जिसके चलते आपके निजी रिश्तों में कड़वाहट पैदा हो सकती है। आपको अपने पार्टनर के प्रति वफादारी और प्यार दिखाकर अपने बीच के मुद्दों को सुलझाना होगा। किसी बाहरी व्यक्ति को अपने रिश्तों के बीच में न आने दें। वैवाहिक जीवन में भी कुछ परेशानी हो सकती है। आपको सावधान रहना होगा। अपने जीवनसाथी के साथ झूठ न बोलें। इस साल आप लव-त्रिकोण में फंस सकते हो। आपको अपने रिश्तों के प्रति ईमानदार रहना चाहिए। आपके पार्टनर को आपके इस धोखे का पता लग सकता है इसलिए ऐसा कोई काम न करें आपकी शादीशुदा ज़िंदगी को खतरे में डाल दे। आपको अपने मन पर काबू रखना है। कुंभ राशि वालों के लिए यह साल बहुत अच्छे और सुखद परिणाम लाएगा लेकिन आपको सच्चाई और ईमानदारी के रास्ते पर चलना होगा और किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाने से बचना होगा।

शिक्षा– साल एवरेज या फिर एवरेज से बेहतर परिणाम दे सकता है। साल की शुरुआत से लेकर मई महीने के मध्य भाग तक उच्च शिक्षा का कारक बृहस्पति चतुर्थ भाव में रहकर आपके दशम तथा द्वादश भाव को देखेगा। ऐसी स्थिति में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। जन्म स्थान से दूर रहकर पढ़ाई करने वाले अथवा विदेश में रहकर पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को भी अच्छे परिणाम मिल सकते हैं। शोध के विद्यार्थी भी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। मई महीने के बाद हर तरह विद्यार्थी अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखे जाएंगे। चाहे प्राथमिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी हों या फिर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी। सबको काफी अच्छे परिणाम मिलेंगे। विशेषकर कला और साहित्य से जुड़े हुए विद्यार्थियों को और भी उत्कृष्ट परिणाम मिल सकते हैं। अर्थात यदि इस वर्ष आपका अच्छा बना रहा तो आप शिक्षा के क्षेत्र में काफी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। वहीं यह यदि स्वास्थ्य बीच-बीच में कमजोर रहा तो आप एवरेज या एवरेज से बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। आपको अपने मनचाहे कॉलेज में दाखिला मिल सकता है। आप पढ़ाई के लिए अपने स्थान किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हो। वकालत, चार्टर्ड एकाउंटेंट, टेक्स से जुड़ी फ़ील्ड में काम करने वाले लोगों को अपने करियर में अच्छी ग्रोथ देखने को मिलेगी। आपकी इनकम में बढ़ोतरी होगी और आप अपने धन को अच्छी योजनाओं में व्यय करोगे।

स्वास्थ्य – इस साल आपको सेहत से जुड़े अच्छे और बुरे दोनों तरह के परिणाम देखने को मिलेंगे। इस नए साल में आपको अपनी सेहत को लेकर जागरूक रहने की जरूरत है क्योंकि इस साल आपकी थाली में फायदे और नुकसान दोनों होंगे। लिहाजा साल की शुरुआत आपकी के लिए बहुत ही अच्छी रहेगी। आपको अपने स्वास्थ्य से जुड़ी कोई गंभीर समस्याएं नहीं होंगी। पिछले साल की तुलना में इस साल आपको उत्तम सेहत का लाभ मिलेगा। आपके करियर में आपके घर परिवार में चीजें अच्छी होंगी जिनका आपकी सेहत पर पॉजिटिव असर देखने को मिलेगा। आप हर काम को उत्साह के साथ पूरा करोगे। आप हर परिस्थिति का सामना पॉज़िटिव तरीके से करोगे। सेहत के लिहाज से यह साल आपके लिये उत्तम रहने वाला है। लेकिन काम का प्रेशर अधिक रहने की वजह से इस साल आप थोडी उलझन भी महसूस करेंगे। काम के साथ-साथ का भी ख्याल रखें, साथ ही इस साल अपनी निजी और बिज़नेस लाइफ़ में तालमेल बिठाकर चलेंगे तो ही अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य संबंधी कुछ छोटी-मोटी परेशानी हो सकती है, इसलिए कार्यस्थल पर बाहर का खाने से बचें। जिन लोगों को मधुमेह संबंधी समस्या है वह अपनी सेहत का ख्याल लेकिन चिंता न करें समय रहते सब ठीक हो जाएगा। अपने स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने के लिए ताजी सब्जियां-फल खाएं और जूस पिएं। आलस्य छोड़कर अपने दिनचर्या में बदलाव करना उचित होगा। रोज़ थोड़ा पैदल चलें। यह वर्ष इस दृष्टि से खास है कि इस साल अगर आप जरा कोशिश करेंगे तो आपका वर्षों का बिगड़ा स्वास्थ्य सही हो जाएगा। वर्ष का अंतिम भाग आपके लिए कुछ खास अच्छा नहीं रहेगा। आपको सड़क पर चलते हुए या वाहन चलाते हुए बेहद सतर्क रहना होगा।

ज्योतिष उपाय– शनिवार के दिन के तेल का दीपक शनि मंदिर या पीपल के पेड़ पर नियमित रूप से जलाते रहें। शनिवार और मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। भोजन में उड़द की दाल, चना दाल और काली मिर्च का उपयोग करें।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

साल की आखिरी सोमवती अमावस्या आज

इसके बाद 2026 तक करना होगा इंतजार

पौष माह की अमावस्या 30 दिसंबर को सोमवार को होगी। यह वर्ष 2024 की अंतिम अमावस्या रहेगी। सोमवार का दिन होने से ये सोमवती अमावस्या भी रहेगी। इस दृष्टि से इसका काफी महत्व रहेगा। एक संयोग यह भी है कि 2025 में पूरे साल भर और 2026 में 19 मार्च तक सोमवती अमावस्या का योग घटित नहीं होगा।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार सोमवार 30 दिसंबर को धनु राशि में चंद्र के साथ देव पितृ कार्य सोमवती अमावस्या का पर्व होगा।

शास्त्रों में इस दिन तीर्थ स्नान के लिए विशेष शुभकारी माना जाता है।इस अमावस्या के बाद संवत 2082 में (19 मार्च 2026 तक) सोमवार को अमावस्या का योग घटित नहीं होगा। वर्तमान संवत 2081 के उत्तरार्ध में 29 मार्च 2025 को शनिवार के दिन देव पितृ कार्य शनिश्चरी अमावस्या का योग घटित नहीं होगा।

विशेष फलकारी रहेगी सोमवती अमावस्या

पंडित ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार देव पितृकार्य सोमवती अमावस्या को विशेष फलकारी माना गया है। जिन जातकों की कुंडली में अमावस्या दोष होता है, उन्हें इस दिन दर्श शांति वैदिक विधि-विधान से कराना चाहिए।

इस दिन गंगा, नर्मदा आदि नदियों में स्नान करने का भी महत्व है। पितरों के तर्पण, श्राद्ध के लिए जरूरतमंदों को वस्त्र दान, अन्न दान आदि को भी शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन किए गए दान-पुण्य का अनंत गुना फल मिलता है।

ऐसे करें अपने पूर्वजों का पिंडदान, पितृ दोष से मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में अमावस्या का दिन बहुत ही अहम माना गया है। यह तिथि पूर्वजों से जुड़े पूजा-अनुष्ठान के लिए बहुत ही उत्तम मानी जाती है। इस बार यह सोमवार को पड़ रही है, जिस वजह से इसका महत्व और भी ज्यादा बढ़ गया है, क्योंकि यह दिन शिव को समर्पित है। साल 2024 की आखिरी सोमवती अमावस्या 30 दिसंबर, 2024 को पड़ रही है। वहीं, पौष माह में पड़ने के कारण इसे पौष अमावस्या के नाम से भी जाना जाएगा।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दिन पितरों का पिंडदान और तर्पण करने से मुक्ति मिल जाती है, तो आइए यहां जानते हैं कि पितरों का पिंडदान कैसे करना चाहिए।

पिंडदान नियम

* सबसे पहले सुबह उठकर गंगा स्नान करें।
* पिंडदान हमेशा सूर्योदय के समय ही करना अच्छा माना जाता है।
* एक पवित्र जगह पर अपने पूर्वज की तस्वीर रखें, जिनका पिंडदान करना हो।
* गाय के गोबर, आटा, तिल और जौ आदि से पिंड बनाएं।
* इसके बाद उसे अपने पितरों को चढ़ाएं।
* उस पिंड को किसी पवित्र नदी में प्रवाहित कर दें।
* पिंडदान के समय पितरों का ध्यान और उनके मंत्रों का जाप करें।

इसके साथ ही ब्राह्मणों के नाम से कुछ दान करें।

ध्यान रहे पिंडदान हमेशा किसी जानकार पुरोहित के उपस्थिति में ही करना चाहिए।

पितृ पूजा मंत्र

ॐ देवताभ्य: पितृभ्यश्च महायोगिभ्य एव च। नम: स्वाहायै स्वधायै नित्यमेव नमो नम:।।

ॐ आद्य-भूताय विद्महे सर्व-सेव्याय धीमहि। शिव-शक्ति-स्वरूपेण पितृ-देव प्रचोदयात्।।

सोमवती अमावस्या शुभ मुहूर्त

वैदिक पंचांग के अनुसार, माह की अमावस्या तिथि 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट पर शुरू होगी। वहीं, सोमवती अमावस्या की समाप्ति 31 दिसंबर को देर रात 03 बजकर 56 मिनट पर होगी। सनातन धर्म में उदया तिथि का महत्व है। इसलिए पंचांग को देखते हुए 30 दिसंबर को ही सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

सोमवती अमावस्या पर विधि से करें तुलसी की पूजा

पूर्वजों को मोक्ष की प्राप्ति के लिए सोमवती अमावस्या का दिन बेहद शुभ माना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और करने का विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता है कि इससे जातक को जीवन में कभी भी अन्न और धन की कमी का सामना नहीं करना पड़ता है। पौष माह की अमावस्या के दिन सोमवार अमावस्या पड़ रहा है, तो ऐसे में इसे सोमवती अमावस्या के नाम से जाना जाएगा। दिन श्रीहरि और महादेव के संग तुलसी पूजा का विधान है। हिंदू धर्म में तुलसी का पौधा पूजनीय है। मान्यता है कि सच्चे मन से तुलसी की उपासना करने से धन में वृद्धि होती है। साथ ही मां लक्ष्मी की कृपा सदैव बनी रहती है।

सोमवती अमावस्या शुभ मुहूर्त

पंचांग के अनुसार, पौष माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि का प्रारंभ 30 दिसंबर को सुबह 04 बजकर 01 मिनट से होगा। वहीं, अगले दिन यानी 31 दिसंबर को सुबह 03 56 मिनट पर तिथि का समापन होगा। ऐसे में 30 दिसंबर को सोमवती अमावस्या मनाई जाएगी।

तुलसी पूजा विधि

पौष माह की अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठें और स्नान करने के बाद साफ वस्त्र धारण करें।

सूर्य देव को अर्घ्य अर्पित करें मंदिर की सफाई करें।

दीपक जलाकर पूजा करें।

पितरों की शांति प्राप्ति के लिए प्रार्थना करें।

तुलसी के पौधे में जल दें और कुमकुम का तिलक लगाएं।

सोलह श्रृंगार की चीजें अर्पित करें।

फूलों की माला चढ़ाएं।

तुलसी माता की आरती करें और मंत्रों का जप करें।

अंत में और मिठाई आदि चीजों का भोग लगाएं।

अमावस्या के दिन न करें ये काम

सनातन शास्त्रों के अनुसार, अमावस्या के दिन कुछ कामों को करना वर्जित है, जैसे- बाल काटना या धोना, नाखून काटना आदि। ऐसा माना जाता है कि इन कामों को करने से जातक को जीवन में तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

मां तुलसी पूजन मंत्र

तुलसी श्रीर्महालक्ष्मीर्विद्याविद्या यशस्विनी।
धर्म्या धर्मानना देवी देवीदेवमन: प्रिया।।
लभते सुतरां भक्तिमन्ते विष्णुपदं लभेत्।
तुलसी भूर्महालक्ष्मी: पद्मिनी श्रीर्हरप्रिया।।

बेबी जॉन का बॉक्स पर डब्बा गुल पुष्पा 2 के आगे टेके घुटने

वरुण धवन, कीर्ति सुरेश और वामिका गब्बी स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म बेबी जॉन क्रिसमस डे के खास मौके पर रिलीज हुई थी। आज 28 दिसंबर को बेबी जॉन अपने रिलीज के चौथे दिन में एंटर कर चुकी है। हॉलीडे पर हुई फिल्म बेबी जॉन ने पहले दिन 11.25 करोड़ रुपये से खाता खोला था। वहीं, बेबी जॉन की कमाई पहले से दिन ही लगातार नीचे गिरती जा रही है। अल्लू अर्जुन स्टारर एक्शन ड्रामा फिल्म पुष्पा 2 के सामने बेबी जॉन टिक नहीं पा रही हैं। वहीं, पुष्पा 2 ऑफिस पर 23 दिन पूरे करने के बाद भी बेबी जॉन से ज्यादा कमा रही है।सैकनिल्क की मानें तो, वरुण धवन की फिल्म बेबी जॉन ने दूसरे दिन 4.75 करोड़ रुपये और तीसरे दिन 3.65 करोड़ रुपये (अनुमानित) का कलेक्शन किया है। बेबी जॉन की भारत में कुल कमाई करोड़ रुपये हो गई है। वहीं, बेबी जॉन से अंदाजा लगाया जा रहा था कि यह फिल्म एक्टर की सबसे बड़ी ओपनिंग फिल्म साबित हो सकती है। वहीं, वरुण अपनी पिछली रिलीज भेडिय़ा के ओपनिंग डे का रिकॉर्ड तोडऩे में जरूर कामयाब रहे है। बता दें। वरुण धवन की 5 बिग ओपनिंग फिल्मों में बेबी जॉन अब पांचवें नंबर पर आ गई है।बता दें, फिल्म बेबी जॉन को शाहरुख खान के साथ जवान जैसी मेगा-ब्लॉकबस्टर फिल्म देने वाले डायरेक्टर एटली ने प्रोड्यूस किया है। बेबी जॉन के डायरेक्टर कलीश हैं, जिन्होंने फिल्म थेरी के हिंदी रीमेके शानदार तरीके पर्दे पर पेश किया है। वहीं, बेबी जॉन 160 करोड़ रुपये में बनी है और फिल्म कमाई देखकर लगता है कि यह अपनी लागत भी नहीं निकाल पाएगी।

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की परम सुंदरी की रिलीज तारीख का ऐलान

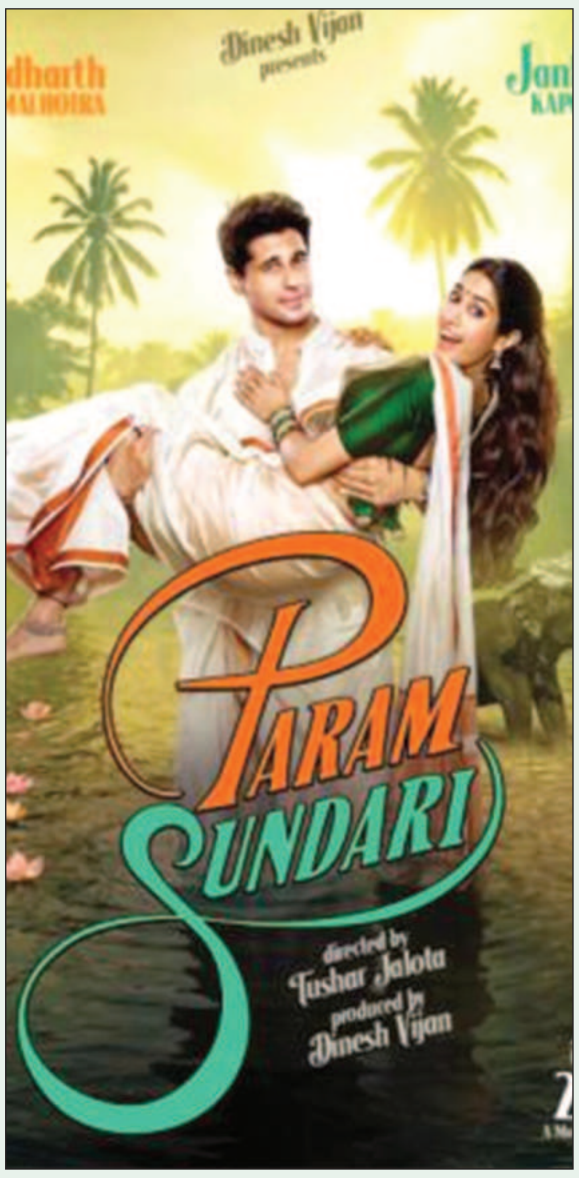

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा आने वाले दिनों में कई फिल्मों के जरिए दर्शकों का करते हुए नजर आएंगे। उनकी फिल्मों की सूची में परम सुदंरी भी कतार में हैं, जिसमें उनकी जोड़ी पहली बार अभिनेत्री जाह्नवी कपूर के साथ बनी है।आखिरकार अब परम सुदंरी की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है।

फिल्म से सिद्धार्थ और जाह्नवी की पहली झलक भी सामने आ है।आइए बताते हैं यह फिल्म कब रिलीज होगी।परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारर का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (परम सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी व उसूलों की पक्की है।फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। यह फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर केंद्रित होगी।परम सुंदरी 25 जुलाई, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। दिनेश विजान इसके निर्माता हैं। तुषार जलोटा इस फिल्म निर्देशक हैं।फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल सिद्धार्थ के साथ दिल्ली में शुरू होगा। इसके बाद केरल में कुछ हिस्से की शूटिंग की जाएगी।बची हुई शूटिंग मुंबई के एक स्टूडियो में होगी, जहां 2 बड़े सेट बनाए जाएंगे। एक सेट पर दिल्ली का एक आलीशान बंगला बनाया जाएगा, जबकि सेट केरल के पारंपरिक घर की तरह होगा।

भोजपुरी फिल्म में बंगाली दिया मुखर्जी करेंगी डेब्यू

नए साल में नया धमाल मचाने जा रही बाला दिया मुखर्जी ने अब भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम रख दिया है। वह बतौर अभिनेत्री धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। बंगाली फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत अदाकारा दिया मुखर्जी ने वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्र्स भोजपुरी म्यूजिक कंपनी के साथ एक्सक्लूसिव कॉन्ट्रैक्ट साइन कर लिया है।दिया मुखर्जी जल्द ही वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स की और एल्बम में नजर आने वाली हैं। वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स के एमडी रत्नाकर कुमार ने इस बात की जानकारी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर पोस्ट के जरिए दी। उन्होंने दिया मुखर्जी की फोटो पोस्ट करते हुए लिखा कि वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्र्स भोजपुरी ने अभिनेत्री दिया मुखर्जी को एक्सक्लूसिव साइन किया है।वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्र्स के साथ एक्सक्लूसिव कॉन्ट्रैक्ट साइन करने पर अभिनेत्री दिया मुखर्जी ने कहा, मेरे लिए यह खुशी की बात है कि मैं वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स से जुड़ गई हूं। इस म्यूजिक कंपनी से जुडऩे के बारे में मैं अक्सर सोचा करती थी और सौभाग्य से मुझे यह अवसर मिल ही गया। कंपनी से जो भी प्रोजेक्ट करने का मुझे मौका मिलेगा, उसमें मैं अपना शत प्रतिशत दूंगी और अपने फैंस और ऑडियंस की उम्मीद पर हमेशा खरी उतरूंगी।बता दें कि दिया मुखर्जी कोलकाता की रहने वाली हैं। वह सोशल मीडिया में काफी एक्टिव रहती हैं। वह पॉपुलर वीडियो क्रिएटर हैं उनकी फैन फॉलोइंग लाखों में है। इंस्टाग्राम पर दिया के फॉलोअर्स की संख्या 4.3 मिलियन है। उनके बनाये रील्स को इंस्टाग्राम पर लाखों-लाखों व्यूज मिलते हैं। अब जल्द ही दिया मुखर्जी वर्ल्डवाइड रिकाड्र्स के कई बड़े प्रोजेक्ट में नजर आएगी।

सुपरस्टार की बेटी,तीनों खान संग फिल्में, फिर भी नहीं हुई हिट

बॉलीवुड में कई एक्टर्स स्टारडम कमाने ही आते हैं। कुछ अपना सपना पूरा कर लेते हैं और स्टार बन जाते वहीं कुछ पूरी जिंदगी स्ट्रग्लिंग एक्टर बनकर रह जाते हैं। स्टार किड्स की बात करें तो स्टारडम होने के बावजूद भी कुछ ही स्टार किड्स एक सफल एक्टर बन पाते हैं। आज हम जिस एक्ट्रेस की बात करने जा रहे हैं उनके पिता बॉलीवुड के सबसे बड़े सुपरस्टार रहे इसके बाद भी एक्ट्रेस बॉलीवुड में अपने पैर नहीं जमा पाईं। आखिर में उन्हें बॉलीवुड से संन्यास ही लेना पड़ा। जी हां हम सुपरस्टार राजेश खन्ना की बेटी ट्विंकल खन्ना की बात कर रहे हैं। कल यानी 29 दिसंबर को एक्ट्रेस अपना 51वां बर्थडे सेलिब्रेट किया हैं।

सुपरस्टार अक्षय कुमार की पत्नी ट्विंकल खन्ना भले ही बॉलीवुड छोड़ चुकी हों, लेकिन आज भी वो करोड़ों की मालकिन हैं। एक्ट्रेस ने 21 साल की उम्र में बॉलीवुड में अपने करियर की शुरुआत की थी। एक्ट्रेस ने साल 1995 में बॉबी देअ-ोल की 'बरसात' मूवी से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने शाहरुख खान, आमिर खान और सलमान खान के साथ मूवीज दी।

बॉलीवुड में एक्ट्रेस का करियर खास नहीं रहा। उन्होंने आमिर खान के साथ 'मेला', 'ये मोहब्बत' और 'इतिहास' मूवीज की जो बॉक्स ऑफिस फ्लॉप साबित हुईं। इसके बाद एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार संग भी काम किया। अक्षय के साथ ट्विंकल ने 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' और 'जुल्मी' में काम किया। वहीं शाहरुख के साथ 'बादशाह' और सलमान खान के साथ 'जब प्यार किसी से होता है' मूवी की। इन फिल्मों ने कुछ खास कमाल दिखाया। इसके बाद एक्ट्रेस ने अक्षय कुमार संग शादी कर ली। बॉक्स ऑफिस पर बार-बार फ्लॉप देने के बाद ट्विंकल ने बॉलीवुड को भी बाय-बाय कह दिया। फिल्में छोड़ने के बाद एक्ट्रेस ने इंटीरियर डिजाइनिंग का काम किया। इसके जरिए एक्ट्रेस ने करोड़ों की कमाई की। इंटीरियर डिजाइनिंग के एक्ट्रेस ने लेखक बन खूब सुर्खियां बटोरी। एक्ट्रेस की नेटवर्थ की बात करें तो वो 350 करोड़ की मालकिन हैं। वहीं एक्ट्रेस हर महीने 1 करोड़ की कमाई करती हैं।

जब सुरक्षाकर्मियों ने बिग बी के साथ किया था बुरा बर्ताव

लोकप्रिय टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' में अमिताभ बच्चन न केवल कंटेस्टेंट्स के साथ मजेदार अंदाज में खेल खेलते हैं बल्कि अक्सर उनसे अपनी जिंदगी के खास किस्से भी शेयर करते नजर आते हैं। 'बिग बी' ने हाल ही में अपने जीवन से जुड़ी एक मजेदार घटना साझा की। उन्होंने बताया कि स्टार कलाकार होने के बावजूद उन्हें एक कार्यक्रम में प्रवेश नहीं करने दिया गया था। यह चौंकाने वाला खुलासा अमिताभ ने अपने लोकप्रिय गेम शो 'कौन बनेगा करोड़पति 16' में किया। इस एपिसोड में उनके सामने हॉट सीट पर गायक गुरदास मान और शंकर महादेवन बैठे नजर आए। एपिसोड के प्रोमो में अमिताभ ने बताया कि उनके साथ सुरक्षाकर्मी ने बुरा बर्ताव किया था। अभिनेता ने कहा, मैं 80 के दशक की बात कर रहा हूं, जब हमने पहली बार स्टेज शो करना शुरू किया था। मेरी यात्रा अमेरिका में एक शो से शुरू हुई और यह इतना हिट हुआ कि इससे दर्शक काफी उत्साहित हो गए थे। मैं परफॉर्म के लिए गेट की ओर बढ़ा ही था कि उन्होंने हमें रोक दिया। उन्होंने मुझसे कहा, आप अंदर नहीं जा सकते। इस पर मैंने कहा, मैं कलाकार हूं, मुझे अंदर जाना होगा। अमिताभ ने कहा, शाहरुख खान ने भी एक बार मेरे साथ ऐसा ही अनुभव शेयर किया था। दिल्ली में एक शो के दौरान, जब उनकी लोकप्रियता चरम पर थी, कार्यक्रम विशेष रूप से उनके लिए आयोजित किया जा रहा था। उन्हें पहुंचने में देर हो गई और जैसे ही उन्होंने अंदर जाने की कोशिश की, पुलिस ने उन्हें रोक दिया। 'बिग बी' के अनुसार, शाहरुख ने उनसे कहा, मैं शाहरुख खान हूं तो अधिकारी ने जवाब दिया आप शाहरुख खान हो सकते हैं, लेकिन आप अंदर नहीं जा सकते। 'कौन बनेगा करोड़पति' सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर आता है। नए साल की पूर्व संध्या के एपिसोड में गायक गुरदास मान और शंकर महादेवन हॉट सीट पर बैठे नजर आएंगे। साल का विशेष एपिसोड मंगलवार को सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

मलयालम एक्टर दिलीप शंकर नहीं रहे

मलयालम सिनेमा से एक दुखद खबर सामने आई है। मशहूर अभिनेता दिलीप शंकर का निधन हो गया है। आज यानी 29 दिसंबर की सुबह उनका शव के एक होटल में पाया गया। हालांकि, इस बात की पुष्टि नहीं हुई है कि यह हत्या या आत्महत्या या फिर प्राकृतिक मौत? रिपोर्ट में कथित तौर पर कहा गया है कि पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है। अभिनेता अपने सीरियल की शूटिंग के लिए उसी होटल में ठहरे हुए थे। जब होटल के कर्मचारियों को कमरे से बदबू आने लगी, तब उनकी मौत की जानकारी सामने आई। यह भी कहा जा रहा है कि उन्हें होटल के कमरे से कुछ दिनों से बाहर निकलते नहीं देखा गया। दिलीप के से मलायलम इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। फैंस इस जानकारी के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर दुख प्रकट कर रहे हैं।

मौत का कारण जानने में लगी पुलिस

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, पंचाग्नि टीवी शो के निर्देशक ने खुलासा किया है कि एक्टर एक बीमारी का सामना कर रहे थे। फिलहाल तक बीमारी का नाम और उससे जुड़ी जानकारी भी सामने नहीं आई है। पुलिस ने दिलीप शंकर के निधन के बाद जांच शुरू कर दी। हालांकि, अधिकारियों को अभी तक एक्टर के निधन की वजह का पता नहीं चला है। शुरुआती जांच कहा जा रहा है कि उनकी मौत के पीछे किसी का हाथ होने की बात सामने नहीं आई है।

दिलीप शंकर को उनके पॉपुलर टीवी सीरियल 'अम्मैरीयाथे' और 'पंचगनी' के लिए जाना जाता है। इसके अलावा भी वह कई अन्य मलयालम शोज का हिस्सा रह चुके हैं। हाल ही आए शो अम्मैरीयाथे में उनके पीटर के किरदार को पसंद किया गया था। इसके अलावा, उन्हें फिल्मों में भी शानदार प्रदर्शन के लिए जाना जाता है। दिलीप की पॉपुलर मूवीज की बात करें तो इसमें चप्पा कुरिशु और नॉर्थ 24 का नाम शामिल है।

सामंथा रुथ प्रभु ने दिखाई छुट्टियों की झलक

अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने एक पोस्ट शेयर कर बताया कि व्यस्त दुनिया में उन्हें बस साधारण जीवन शांति की जरूरत है। शुक्रवार को इंस्टाग्राम हैंडल पर तस्वीरों को शेयर कर अपने छुट्टियों की झलक भी दिखाई। सामंथा सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट साझा करती रहती हैं। लेटेस्ट तस्वीरों को शेयर करते हुए सामंथा ने लिखा, शायद बैठ कर घूरना ठीक है। शायद कुछ समय के लिए भागदौड़ रुक सकती है। शायद व्यस्त दुनिया में आपको बस एक साधारण जीवन की शांति की जरूरत है। शायद कोई योजना ना होना ही योजना का हिस्सा है...भटकना, आश्चर्य करना, सिर्फ इसलिए कि आप कर सकते हैं।

सामंथा सोशल पर एक्टिव रहती हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में नागा चैतन्य (पूर्व पति) और शोभिता की शादी के बीच एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया था।

इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन पर रील शेयर कर अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा था, लड़की की तरह लड़ो। वीडियो में एक छोटी लड़की कुश्ती में एक छोटे लड़के के साथ फाइट करती नजर आई। मैच के दौरान वह लड़के को पछाड़ती नजर आई थी, जो सामंथा को इतना पसंद आया कि उन्होंने उसे शेयर कर लिया था।सामंथा ने नागा चैतन्य के साथ साल 2017 में शादी की थी। दोनों का रिश्ता ज्यादा तक साथ में नहीं चल सका और साल 2021 में तलाक हो गया। सामंथा रुथ प्रभु के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री हाल ही में जासूसी एक्शन-थ्रिलर सीरीज 'सिटाडेल हनी बनी' में नजर आई थीं। सीरीज में सामंथा के साथ वरुण धवन मुख्य भूमिका में नजर आए थे। और डीके के निर्देशन में बनी सीरीज में सामंथा एक जासूस की भूमिका में नजर आई थीं। 'सिटाडेल हनी बनी' का प्रीमियर 7 नवंबर को हुआ था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिन चढ़ने पर वित्तीय तौर पर सुधार आएगा। आज आपको अपने होशियारी और प्रभाव का उपयोग संवेदनशील घरेलू मुद्दों को हल करने के लिए करना चाहिए। व्यक्तिगत मार्गदर्शन आपके रिश्ते में सुधार लाएगा। खाली समय का पुरा आनंद उठाने के लिए आपको लोगों से दूर होकर अपने पसंदीदा काम करने चाहिए। ऐसा करके आपमें सकारात्मक बदलाव भी आएंगे। आपका जीवनसाथी आज ऊर्जा और प्रेम से भरपूर है। आज पानी का जरुरतमंदों को दान और सेवा करना चाहिए आत्मीयशान्ति मिलेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। आप माता–पिता को ख़ुश करने में कठिनाई महसूस करेंगे। उन्हें समझने और उनके नज़रिए से चीज़ों को देखने की कोशिश करें, आपको सकारात्मक परिणाम मिलेगा। उन्हें आपकी परवाह, स्नेह और समय की आ–वश्यकता है। आज आप बिना किसी वजह के कुछ लोगों के साथ उलझ सकते हैं। ऐसा करना आपके मूड को तो खराब करेगा ही साथ ही इससे आपका कीमती समय भी बर्बाद होगा। वैवाहिक जीवन के उजले पहलू का अनुभव करने के लिए अच्छा दिन है। अगर आप अपने मन की सुनें, तो यह दिन ख़रीदारी के लिहाज़ से उम्दा है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपमें आज चुस्ती–फुर्ती देखी जा सकती है। आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। किसी करीबी रिश्तेदार की मदद से आज आप अपने करोबार में अच्छा कर सकते हैं जिससे आपको आर्थिक लाभ भी होगा। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। परिवार की जरुरतों को पूरा करते–करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। परिवार के साथ मिलकर किसी ज़रूरी फ़ैसले को अन्तिम रूप दिया जा सकता है।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

लम्बे समय से अटके मुआवज़े और कर्ज़ आदि आख़िरकार आपको मिल जाएंगे। अपनी पत्नी/पति के साथ पिकनिक पर जाने का बेहतरीन दिन है। यह न केवल आपका मन हल्का करेगा, बल्कि आप दोनों के बीच मतभेद दूर करने में भी मदद करेगा। आज आप सब कामों को छोड़कर उन कामों को करना पसंद करेंगे जिन्हें आप बचपन के दिनों में करना पसंद करते थे। जीवनसाथी के कारण कुछ नुक़सान हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकतआज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों व परिवार के साथ ख़ुशी के कुछ पल बिताने की ज़रूरत है । व्यक्तिगत मामलों को सुलझाते समय उदारता दिखाएँ, लेकिन अपनी जुबान पर क़ाबू रखें ताकि उन्हें चोट न पहुँचे जो आपसे प्यार करते हैं और आपकी परवाह करते हैं। अगर कहीं बाहर जाने की योजना है तो वह आख़िरी वक़्त पर टल सकती है। ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

जो लोग शेयर बाजार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा डूब सकता है। वक्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा। अपने जीवन–साथी के साथ प्यार, अपनापन और स्नेह महसूस करें। काम को समय पर निपटाकर जल्दी घर जाना आज आपके लिए अच्छा रहेगा इससे आपके परिवार वालों को भी खुशी मिलेगी और आप भी तरोताजा महसूस करेंगे। आप आराम करने में क़ामयाब नहीं हो पाएंगे, क्योंकि आपके कुछ तथाकथित दोस्त आपको आराम करने नहीं देंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। जिन लोगों ने लोन लिया था आज उन्हें उस लोन की राशि को चुकाने में दिक़्क़तें आ सकती हैं। बच्चे और परिवार दिन का केंद्र–बिंदु रहेंगे। आपका साथी आपसे आज कुछ ज़्यादा ही अपेक्षा करेगा। कोई आध्यात्मिक गुरू या बड़ा आपकी सहायता कर सकता है। आपके लिए यह उत्साह वर्धक दिन रहेगा, लेकिन सेहत को लेकर थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। अच्छी नींद अच्छी सेहत के लिए बेहद ज़रुरी है,आप थोड़ा अधिक सो सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। अगर आप सामूहिक गतिविधियों में हिस्सा लेंगे, तो आप नए दोस्त बना सकते हैं। आप के दिल की धड़कनें आपके प्रिय के लिए ज्यादा ही धडकेगी, कार्यक्षेत्र में किसी काम के अटकने की वजह से आज आपका शाम का कीमती वक्त खराब हो सकता है। अपने जीवनसाथी के स्नहे से भीगकर आप ख़ुद को राजसी महसूस कर सकते हैं। आज आपका आत्मविश्वास कमजोर रह सकता है। इसका कारण आपकी खराब दिनचर्या है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुल–ाक़ात कभी–कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। आपका जीवनसाथी आपको पाकर ख़ुद को ख़ुशनसीब समझता है; इन पलों का भरपूर उपयोग करें। आपको किसी भी काम को करने में उतावलापन नहीं दिखाना चाहिए। इससे काम के खराब होने की संभावना बढ़ जाती है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपको कई स्रोतों से आर्थिक लाभ होगा। यह अच्छा वक़्त है जो आपके लिए क़ामयाबी और ख़ुशहाली लाएगा। इसके लिए आपको अपनी कोशिशों और अपने परिवार से मिलने वाले सहयोग का शुक्रगुज़ार होना चाहिए। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। आपके हँस–ने–हँसाने का अन्दाज़ आपकी सबसे बड़ी पूंजी साबित होगा। आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि के काम करने के लिए अच्छा दिन है। उधार मांगने वाले लोगों को नज़रअन्दाज़ करें। ऐसा कोई जिसके साथ आप रहते हैं, आज आपके किसी काम की वजह से बहुत झुंझलाहट महसूस करेगा। इस राशि वालों को आज खुद के लिए काफी समय मिलेगा। आप कोई किताब पढ़ सकते हैं या अपना पसंदीदा म्यूजिक सुन सकते हैं। समय मुफ़्त ज़रूर है पर बेशक़ीमती भी है, इसलिए अपने अधूरे कार्यों को निपटाकर आप आने वाले कल के लिए निश्चिंत हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

घर और दफ़्तर में कुछ दबाव आपको गुस्सैल बना सकता है। आज आपको किसी अज्ञात स्रोत से पैसा प्राप्त हो सकता है जिससे आपकी कई आर्थिक परेशानियां दूर हो जाएंगी। दोस्तों के साथ शाम बिताना या ख़रीदारी करना मज़ेदार और रोमांचक रहेगा। आपका हमदम आपको पूरे दिन याद करता रहेगा। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा। जीवनसाथी के साथ यह एक बढ़िया दिन गुज़रने वाला है। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज अपना समय व्यतीत करेंगे ।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 30 दिसंबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : पौष , कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 03:38 तक
नक्षत्र : मूल रात्रि 11:58 तक
योग : वृद्धि रात्रि 08:31 तक
करण : चतुष्पाद सायं 04:05 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 06:45 , सूर्यास्त 05:51 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:41, सूर्यास्त 06:03 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:34 , सूर्यास्त 05:55 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:35, सूर्यास्त 05:45 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें दिन विशेष :– देव पितृ सोमवती अमावस्या , धनुर्मास चालू है , गण्डमूल रात्रि 11:58 तक

पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

अशोक गहलोत का भजनलाल सरकार पर हमला

9 जिलों की समाप्ति को बताया जनविरोधी

भाजपा सरकार राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रस्त

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए भजनलाल सरकार द्वारा 9 नए जिलों को समाप्त करने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लंबे समय से नए जिलों की मांग की जा रही है ताकि प्रशासनिक कार्यों को बेहतर बनाया जा सके और योजनाओं का क्रियान्वयन तेज़ हो। उन्होंने मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों का उदाहरण देते हुए कहा कि वहां राजस्थान से छोटे होने बावजूद ज्यादा जिले हैं।

गहलोत ने सवाल उठाया कि अगर जिलों को समाप्त करना ही था, तो सरकार ने इसे बनने के एक साल बाद क्यों किया। उन्होंने दावा किया कि यह फैसला जल्दबाजी में लिया गया और इसमें पारदर्शिता की कमी है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस अधिकारी रिपोर्ट के आधार पर यह फैसला लिया गया, वह भाजपा से जुड़ा है, जिससे यह कदम राजनीतिक पूर्वाग्रह से प्रेरित लगता है।

अशोक गहलोत ने कहा कि राज्य में डर और दबाव का माहौल बनाया गया है, जिसके कारण अधिकारी मजबूरी में बयान दे रहे हैं। उन्होंने इसे भाजपा मैनेजमेंट बताया और कहा कि सरकार अपनी विफलताओं को छुपाने के लिए रिटायर्ड ब्यूरोक्रेट्स का सहारा ले रही है।

गहलोत ने राज्य में विकास कार्यों की धीमी गति और प्रशासनिक लापरवाही पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मेट्रो और सड़क निर्माण जैसी को रोक दिया गया है, जिससे राज्य की छवि और अर्थव्यवस्था प्रभावित हो रही है। अपराध बढ़ने और महंगाई ने जनता के जीवन को और मुश्किल बना दिया है। उन्होंने जोधपुर का उदाहरण देते हुए कहा कि एक साल में 12–15 हत्याएं होना कानून व्यवस्था की विफलता को दर्शाता

गहलोत ने मौजूदा मीडिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए कहा कि गोदी मीडिया के चलते लोकतंत्र खतरे में है। ईडी, सीबीआई और आयकर विभाग के डर से पत्रकार स्वतंत्रता से लिखने से कतराते हैं। उन्होंने इसे लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती बताया।

अशोक ने भजनलाल सरकार के फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि यह कदम जनहित के खिलाफ है। उन्होंने पत्रकारों और नागरिक समाज से आग्रह किया कि वे इन मुद्दों को उठाएं और जनता को सच्चाई से अवगत कराएं। राजस्थान में नए जिलों की आवश्यकता और प्रशासनिक सुधार की बहस एक बार फिर से जोर पकड़ लिया है, और इस पर सरकार की आगे की कार्रवाई का जनता को इंतजार है।

बांग्लादेशी महिला फरजाना उर्फ अनामिका को डिटेंशन सेंटर अलवर में दाखिल किया गया

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेशी महिला फरजाना उर्फ अनामिका को डिटेंशन सेंटर अलवर में दाखिल किया गया पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) अमित कुमार ने बताया कि महिला के खिलाफ पुलिस थाना वैशाली नगर जयपुर पश्चिम में 156/2023 संख्या के तहत गंभीर आरोप दर्ज थे। इन आरोपों में दुष्कर्म, पोक्सो एक्ट और अन्य संबंधित धाराएं शामिल थीं। फरजाना उर्फ अनामिका बांग्लादेश के नारायणगंज जिले की निवासी है और उम्र 33 वर्ष है।

वह बांग्लादेशी नागरिक होने के कारण उसे गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। जेल से रिहा होने के बाद गृह विभाग के आदेश पर उसकी निष्कासन प्रक्रिया की गई, जिसके तहत उसे डिटेंशन सेंटर, केंद्रीय कारागृह अलवर में दाखिल किया गया है। अब निष्कासन प्रक्रिया पूरी कर उसे बांग्लादेश भेजने की तैयारी की जा रही है।

जयपुर में हुक्का बार पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 3 गिरफ्तार

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। जयपुर पुलिस ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे अवैध हुक्का बार के खिलाफ ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत सख्त कार्रवाई की। उपायुक्त (पूर्व) बीजू जोसफ ने बताया कि 28 दिसंबर की रात को पुलिस को सूचना मिली कि एनआईआई चौराहे के पास एक संस्थान में गेम लाने के बहाने हुक्का बार चलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और अवैध रूप से चल रहे हुक्का को बंद कर दिया।

पुलिस ने मौके से हुक्का, धूम्रपान सामग्री, हुक्का पाइप और अन्य उपकरण जब्त किए। इस कार्रवाई में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया: शंकर कुमार (32), जेगेंद्र कुमार (25), और आनंद कुमार (23)। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने संबंधित धाराओं में मामला किया है। पुलिस ने बताया कि इन हुक्का बारों का संचालन गैरकानूनी था और इस तरह की कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। इस कार्रवाई से पुलिस ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि शहर में अवैध गतिविधियों के खिलाफ उनकी कार्रवाई सख्त और निरंतर जारी रहेगी।

डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन की बैठक में कई मुद्दों पर हुई चर्चा

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। डिस्ट्रिक्ट एडवोकेट्स बार एसोसिएशन जयपुर के अध्यक्ष गजराज सिंह राजावत ने बताया कि नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने जयपुर में रेवेन्यू बोर्ड की स्थाई बेंच, कलेक्ट्रेट में अधिवक्ताओं के चेंबर, पार्किंग, पक्षकार दीर्घा निर्माण और स्वच्छ पेयजल के मुद्दों पर चर्चा इस बैठक में राव राजेंद्र सिंह, लोकसभा सांसद जयपुर ग्रामीण, मंजू शर्मा, लोकसभा सांसद जयपुर शहर, भंवर सिंह बगडी, महामंत्री प्रदेश भाजपा, भुवनेश शर्मा, राजस्थान बार काउंसिल के चैयरमेन, अतिरिक्त महाधिवक्ता और अन्य उपस्थित थे।

रसायन रहित बागवानी खेती ही कारगर, प्राकृतिक उद्यानिकी खेती को बढ़ावा मिले : बागडे

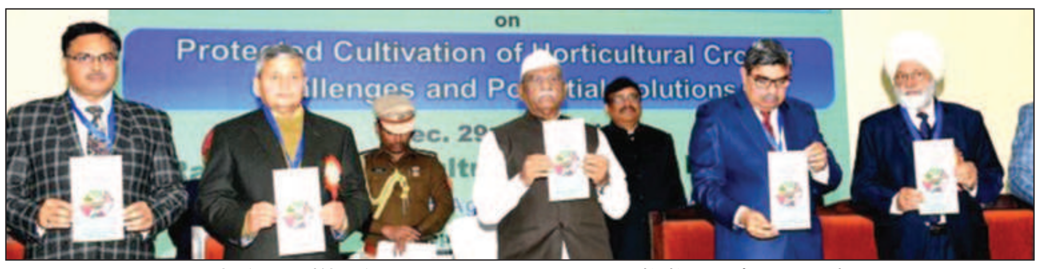

जयपुर,29 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कृषि उद्यानिकी के अंतर्गत प्राकृतिक खेती को बढ़ावा दिए जाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालयों को देश में रसायन रहित कृषि के लिए वातावरण निर्माण किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से रोग नहीं बढ़ रहे बल्कि धरती की उर्वरा शक्ति भी नष्ट हो रही है। उन्होंने उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती के लिए कार्य किए जाने पर जोर दिया। उन्होंने पानी बचाकर उसके निर्माण के लिए भी देशभर में कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल बागडे रविवार को अखिल भारतीय कृषि कुलपति संघ द्वारा उद्यानिकी फसलों के संरक्षण विषयक आयोजित 16 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कम पानी से होने वाली फसलों, फल, फसलों को प्राकृतिक प्रकोप से बचाने के लिए सभी स्तरों पर प्रयास किए जाने पर भी जोर दिया। उन्होंने सभी कृषि विश्वविद्यालयों में ऊर्जा उत्पादन के लिए भी आवश्यक रूप से कार्य करने की आवश्यकता जताई।

राज्यपाल ने प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक स्वामीनाथन द्वारा 2008 में प्रस्तुत कृषि सुधारों की बनी समिति के सुझावों पर चर्चा करते हुए कहा कि लाभकारी कृषि के लिए केंद्र सरकार निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कृषि के प्राचीन ज्ञान के आलोक में कृषि की नवीन तकनीक से खेती को लाभकारी किए जाने पर जोर दिया।

बागडे ने कहा कि हमारे यहां धीरे धीरे जंगल कम होता जा रहा है। पहले अनाज जब नहीं होता था और खेती की पैदावार नहीं थी तब उद्यानिकी फसलों पर मनुष्य निर्भर था। पर धीरे धीरे इस दिशा में ध्यान नहीं देने के कारण जंगलों में बहुत सी उद्यानिकी फसलें लोप हो गई। उन्होंने स्थान विशेष की जलवायु के अनुरूप उद्यानिकी फसलों के अधिकाधिक उत्पादन के लिए कार्य किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने आरंभ में विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ एक्सीलेंसी फॉर टिश्यू कल्चर का शिलान्यास किया।

मनमोहन सिंह पर भी राजनीति कर रही है कांग्रेस : अनिल विज

अंबाला,29 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार के मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल और उनकी पार्टी पर तीखा हमला बोला। विज ने कहा कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी को शर्म भी नहीं आती कि वे दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आते।

विज ने स्पष्ट किया कि मनमोहन सिंह के स्मारक के लिए स्थान अभी नहीं किया गया था, हालांकि सरकार ने पहले ही यह स्पष्ट किया था कि एक उपयुक्त स्थान की खोज की जा रही है। उन्होंने कहा, उनका अंतिम संस्कार कहीं न कहीं किया जाना था, इसलिए निगम बोध घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। इसी बहाने कई महानुभावों के भी निगम बोध घाट तक पहुंचे, जो वहां कभी नहीं जाते।

इस बयान के माध्यम से अनिल विज ने कांग्रेस के नेत–ाओं पर राजनीति करने का आरोप लगाया और मनमोहन सिंह के सम्मान में उठाए गए कदमों पर सवाल उठाने की निंदा की।

प्रधानमंत्री ने पूरे देश को बताया कि कुरुक्षेत्र ने मलेरिया की रोकथाम को लेकर मॉडल प्रस्तुत किया : सैनी

चंडीगढ़,29 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा कुरुक्षेत्र में मलेरिया रोकथाम पर किये गए कार्य को पूरे देश के लोगों को मन की बात कार्यक्रम में सुनाया। प्रधानमंत्री ने पूरे देश को कि कुरुक्षेत्र ने मलेरिया को लेकर मॉडल प्रस्तुत किया गया है। यहां पर स्वास्थ्य विभाग हरियाणा की टीम ने मच्छरों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाकर कामयाबी पाई और लोगों को रेडियो व अन्य माध्यमों से संदेश देकर जागरूक करते हुए मलेरिया पर अंकुश लगाने का काम किया। कहा कि प्रधानमंत्री ने मन की बात कार्यक्रम में हरियाणा राज्य की तारीफ की और भारत में मलेरिया की रोकथाम के लिए उठाए जा रहे कदमों की विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी सराहना की है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सेक्टर–9 पंचकूला में आज कार्यकर्ताओं के बीच पहुंच प्रधानमंत्री के की बात कार्यक्रम को सुना।नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 14 जनवरी से प्रयागराज में शुरू होने वाले महाकुंभ के बारे में अवगत करवाया है। यह हमारी संस्कृति और संस्कारों से जुड़ा हुआ अहम विषय है। महाकुंभ में देश–विदेश से लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम से हमें बहुत कुछ सीखने को मिलता है, ये कार्यक्रम प्रेरणादाय भी है। इस कार्यक्रम से हमें खेल, खेती, स्वास्थ्य व रोजगार सहित अनेक क्षेत्रों की अहम जानकारी प्राप्त होती है। किसानों द्वारा किसान उत्पादक संगठन बनाकर सामूहिक कामों को दिया जा रहा है। इसके अलावा नई–नई इनोवेशन की भी जानकारी मिलती है। जिन्हें हम अपनाकर आगे बढ़ सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों के सराहनीय कार्यों को उजागर करने से अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि फिट इंडिया कार्यक्रम भी देश में लोकप्रिय रहा। देश के अनेक लोगों को इसका लाभ मिला।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंचकूला स्थित संत निरंकारी भवन में पहुंचकर चल रहे सत्संग में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मंडल द्वारा अनेक सामाजिक कार्यों बढ़चढ़ कर भाग लिया जाता है। पिछले दिनों संत निरंकारी अध्यात्मिक स्थल समालखा में आयोजित प्रधानमंत्री की मुहिम के एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर मिला, जिसमें करीब 30 हजार पौधे लगाए गए थे। उन्होंने कहा कि सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के नेतृत्व शिविर, स्वच्छता कार्यक्रमों में भी बढ़कर भाग लिया जाता है।

सड़को पर खुला घूम रहा गोवंश, बढ़ रहे हैं हादसे जा रही है लोगों की जान : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़,29 दिसंबर (एजेंसियां)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा में सड़को पर खुला घूम रहा गोवंश न तो खुद के लिए और न लोगों के लिए सुरक्षित है। प्रदेश में हर रोज लावारिस पशुओं की वजह से लगातार हादसे बढ़ते जा रहे हैं। इन हादसों में अनेक लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ती है। ऐसे में प्रशासन को इन बेसहारा पशुओं पर नकेल कसने के लिए जल्द से जल्द कदम उठाने चाहिए। शून्य के आसपास है ऐसे में बेसहारा पशुओं को पकड़कर नंदीशाला या गौशाला भेजना चाहिए साथ ही सरकार को जल्द से जल्द गौशालाओं को अनुदान राशि जारी करनी चाहिए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा है कि प्रदेश के कई जिलों में बेसहारा पशुओं ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। इससे रोजाना सड़क हादसे होते रहते हैं। कई बार बेसहारा पशु लड़ते हुए लोगों के दुकानों या फिर घरों में घुस जाते हैं जिससे काफी परेशानी होती है। सड़कों पर ऐसे पशुओं के कारण सड़क हादसे बढ़ रहे है, पशुओं के हमले के शिकार अपंग हो रहे हैं। प्रदेश में करीब 600 गोशालाएं है। उन्होंने कहा कि बेसहारा पशु मुक्त अभियान चलाने वाला गोसेवा आयोग तथा बड़ा प्रशासनिक अमला मौजूद है और प्रदेश को 15 अगस्त 2018 तथा 26 जनवरी 2019 को बेसहारा पशु मुक्त राज्य घोषित किया जा चुका है। पर वर्तमान स्थिति कुछ और ही है। प्रदेश में ऐसा कोई नगर या गांव नहीं है जहां पर बेसहारा पशु सड़कों पर घूमते हुए न मिलें। हरियाणा में जीटी रोड, हिसार–सिरसा रोड, अंबाला कैथल रोड, पानीपत–रोहतक–हिसार रोड और गुरुग्राम व फरीदाबाद रोड समेत कई ऐसे हाईवे हैं, जहां अक्सर रात को दुर्घटनाएं होती हैं। हादसों में न जाने कितने लोगों की जान जा चुकी है और न जाने कितने लोग अपंग हो चुके हैं।

उन्होंने कहा है बकि फतेहाबाद, अंबाला, कैथल, सिरसा, हिसार, पंचकूला, सोनीपत, भिवानी, झज्जर, करनाल, रेवाड़ी, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, चरखीदादरी, फरीदाबाद, पलवल और पानीपत जिलों में बेसहारा पशुओं वजह से सड़कों पर टकराने से आए दिन मौत होती रहती है।

महावीर मंदिर न्यास के सचिव और पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल का निधन

हार्ट अटैक आया था

पटना (एजेंसियां)। धार्मिक न्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष और विश्व प्रसिद्ध पटना महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल का रविवार की सुबह निधन हो गया। रविवार अहले सुबह हार्ट अटैक आने के बाद उन्हें फौरन महावीर वात्सल्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल का कार्डियक अरेस्ट आया है। अस्पताल जाने से पहले उन्होंने दम तोड़ दिया। 74 वर्ष की उम्र में उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन से शोक की लहर दौड़ पड़ी है। अस्पताल परिसर में आचार्य किशोर कुणाल के बेटे सायन कुणाल, बहू व सांसद शांभवी और समधी व मंत्री अशोक चौधरी फफक पड़े। बेटे और बहू का रो-रोकर बुरा हाल है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल जी का जीवन समाज सेवा, धार्मिक और सांस्कृतिक उत्थान के लिए समर्पित था। उन्होंने महावीर मंदिर को एक राष्ट्रीय पहचान दिलाई और समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए। उनके योगदान को शब्दों में व्यक्त करना कठिन है। उपमुख्यमंत्री ने आगे कहा कि उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को शांति और उनके परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

महावीर मंदिर और राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल का निधन राज्य एवं देश के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। उनके निधन से पूरी तरह स्तब्ध हूं। देश ने एक महान विभूति को खो दिया जो सामाजिक मूल्यों और कर्तव्यों के प्रति सजग रहने वाले एक ऐसे योद्धा थे जिसने कभी हार नहीं मानी। मैं उनके किए कार्यों को नमन करता हूं

और उनके परिवार के प्रति सच्ची श्रद्धा व्यक्त करता हूं। हुए इस दुख की घड़ी में ईश्वर उनके परिजनों को पीड़ा सहने की असीम शक्ति प्रदान करे यही कामना करता हूं।

आचार्य किशोर कुणाल का जन्म दस अगस्त 1950 को मुजफ्फरपुर के बरुराज गांव में एक भूमिहार परिवार में हुआ था। प्रारंभिक शिक्षा मुजफ्फरपुर में रहकर पूरी की। इसके बाद वह पटना विश्वविद्यालय में इतिहास और संस्कृत की पढ़ाई की। 1970 में स्नातक की डिग्री ली। इसके बाद वह यूपीएससी की परीक्षा में बैठे। उनका चयन हो गया। 1972 में वह गुजरात कॉडर में भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी बन गए। 1978 तक वह अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बन गए। 1983 में वह पटना के एसएसपी बने। इसके बाद 2001 में उन्होंने वीआरएस ले लिया। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने बिहार राज्य धार्मिक न्याय बोर्ड के अध्यक्ष बने। इसी बीच उन्होंने स्कूल, अस्पताल की स्थापना की। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय काम किए।

बाबा गरीब नाथ मंदिर न्यास समिति ने कहा कि महावीर मंदिर, बाबा गरीब नाथ मंदिर को लेकर और विशेष पहचान दिलाने आचार्य किशोर कुणाल का अहम योगदान रहा। अयोध्या में शीराम मंदिर के निर्माण में भी उनका काफी अहम योगदान रहा। महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य रहे किशोर कुणाल ने हाल में मुजफ्फरपुर के साहू पोखड़ तालाब और साहू मंदिर के जीर्णोद्धार का बीड़ा उठाया था और मंदिर को विशेष और दर्शनीय स्थल में विकसित किए जाने के लिए लगातार काम करते रहे। उनके जाने से समाज ही नहीं पूरे देश को अपूरणीय क्षति हुई है।

हाजीपुर कोनहरा घाट पर कल अंतिम संस्कार किया जाएगा। इससे पहले महावीर स्थान से लेकर महावीर कैंसर संस्थान और अन्य संस्थाओं से होते हुए उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी। उनके और असामायिक निधन की खबर सुनकर लोगों का तांता लग गया। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी, मंत्री बिहार सरकार सुमित सिंह, बिहार डीजीपी विनय कुमार, डीएम चंद्रशेखर सिंह, खत्र राजीव मिश्रा, पटना आयुक्त कुमार रवि, एमएलसी संजय सिंह एमएलसी सहित अन्य लोग पहुंचकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की।

अपराधियों ने युवक की गर्दन काटकर की निर्मम हत्या

बेगूसराय (एजेंसियां)। बेगूसराय से इस वक्त बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां बेखौफ अपराधियों ने एक युवक की गर्दन काटकर निर्मम तरीके से हत्या कर दी। युवक की हत्या के बाद इलाके में सनसनी फैला गई है। घटना बखरी थाना क्षेत्र की है। मृतक युवक की पहचान खगड़िया जिले के रहने वाले राजेंद्र महतो का पुत्र छोटू कुमार के रूप में की गई है। इस घटना के संबंध में बखरी डीएसपी कुंदन कुमार ने बताया है कि छोटू कुमार पिछले दो दिन पहले अपने ननिहाल बखरी आया था।

उन्होंने बताया है कि आज सुबह पुलिस को सूचना मिली की एक युवक का सिर कटा हुआ शव बहियार में फेंका हुआ। इसी सूचना पर बखरी थाने की पुलिस ने पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल की। डीएसपी कुंदन कुमार ने यह भी बताया है कि घटनास्थल से मुझे दूर पर मोबाइल का टुकड़ा बरामद हुआ है।

इसके साथ ही साथ रेल ट्रैक पर ब्लड का काफी निशान है। उन्होंने बताया है कि युवक के सिर को पुलिस ने बरामद किया है और शरीर का धड़ पुलिस के द्वारा खोजबीन की जा रही है। इस घटना के संबंध में उन्होंने बताया कि पीड़ित परिवार के द्वारा आशंका जाहिर की गई है कि किसी ने हत्या कर सिर धड़ से अलग कर दिया है।

मोतिहारी में खराब हुआ डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर, सड़क मार्ग से लौटना पड़ा वापस

मोतिहारी (एजेंसियां)। मोतिहारी में एक कार्यक्रम में पहुंचे बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का हेलीकॉप्टर अचानक से खराब हो गया है। काफी मशक्कत के बाद भी जब हेलीकॉप्टर ठीक नहीं हुआ तो मोतिहारी के जिला प्रशासन ने आनन-फानन में गाड़ी की व्यवस्था की।

जिसके बाद सम्राट चौधरी सड़क मार्ग से पटना के लिए रवाना हो गए।

दरअसल, बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और मंत्री संतोष सिंह मंत्री कृष्णनंदन पासवान मंत्री केदार गुप्ता सहित

भाजपा के कई विधायक ढाका में भाजपा विधायक पवन जयसवाल द्वारा आयोजित 151 कन्याओं के शादी उपरांत वर वधु को घरेलू संसाधन की सामग्री और 11 हजार रुपए के चेक वितरण कार्यक्रम में शामिल होने के लिए मोतिहारी के घोड़ा सहन स्थित भेलवा हाइस्कूल के फील्ड में पहुंचे थे।

कार्यक्रम में अपना संबोधन खत्म करने के बाद जब दोनों मंत्री पटना रवाना होने के लिए हेलिकॉप्टर में सवार हुए, तो हेलिकॉप्टर ने जवाब दे दिया। पहले तो हेलिकॉप्टर को ठीक करने की कोशिश की गई, लेकिन जब वह ठीक नहीं हुआ तो डिप्टी सीएम और मंत्री सड़क मार्ग से पटना रवाना हो गए।

नक्सलियों के गढ़ में एसटीएफ ने की बड़ी कार्रवाई भारी मात्रा में कारतूस और लेवी वसूली रसीद बरामद

गया (एजेंसियां)। बिहार के गया जिले में बिहार पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में बड़ी सफलता हाथ लगी है।

गया पुलिस ने नक्सलियों के ठिकानों से भारी मात्रा में कारतूस और नक्सली लेवी चंदा रसीद बरामद किया है। नक्सलियों के ठिकानों से लेवी रसीद मिलने की खबर से कई सफेदपोश के होश उड़ गए हैं। बिहार पुलिस हर पहलुओं पर छानबीन कर रही है। यह पूरा मामला शनिवार के देर शाम गया जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र लुटुआ थाना क्षेत्र

के करिया पहाड़ी की है।

इस संबंध में अधिकारी का कहना है कि शनिवार को गया पुलिस और एसटीएफ के संयुक्त कार्रवाई के दौरान गया पुलिस ने गया जिले के लुटुआ थाना क्षेत्र के भुसिया और असुराहन डैम के बीच करिया पहाड़ी के जंगलों से 414 कारतूस, 55 नक्सली लेवी रसीद और एक बरामद किया है। लेवी रसीद मिलने की खबर के बाद गया जिले के कई सफेदपोश के बीच हड़कंप मच गया है। वहीं पुलिस हर पहलुओं पर छानबीन कर रही है।

इस संबंध में गया जिले के सीनियर एसपी आशीष भारती ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा माओवादी लुटुआ थाना क्षेत्र के करिया पहाड़ी के जंगलों में चहलकदमी कर रही है। उस सूचना के आधार पर गया पुलिस और एसटीएफ के साथ संयुक्त सर्च ऑपरेशन चलाया गया। सर्च ऑपरेशन के दौरान पुलिस को इन्सास रायफल में इस्तेमाल करने वाला 414 कारतूस बरामद किया गया। वहीं नक्सलियों के ठिकानों से 55 लेवी चंदा रसीद और एक बैग बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि लेवी चंदा रसीद की छानबीन की जा रही है।

वहीं नक्सलियों के ठिकानों से भारी मात्रा में कारतूस और लेवी रसीद मिलने के मामले में लुटुआ थाना की पुलिस ने चार नामजद समेत अन्य नक्सलियों पर मामला दर्ज किया गया है। जिन नक्सलियों को नामजद किया गया है वह नक्सली नितेश यादव, विवेक यादव उर्फ सुनील यादव और अखिलेश सिंह भोक्ता आदि शामिल हैं।

बरनवाल समाज की राजनीति में हो भागीदारी, सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष सड़कों पर उतरे

गया (एजेंसियां)। पारंपरिक वेशभूषा में गया की सड़कों पर उतर कर बरनवाल समाज की एकता के साथ-साथ आपनी ताकत दिखाया। जिसका नेतृत्व जनता दल यूनाइटेड के प्रदेश नेता राजू बर्णवाल ने की।

बरनवाल समाज के द्वारा गाजेबाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में ऊंट, घोड़े व रथ पर सवार होकर समाज की महिलाएं चल रही थी, जिससे शहर की सड़कों पर एक अलग ही नजारा देखने को मिला। हजारों की संख्या में पारंपरिक वेशभूषा में महिला-पुरुष, बच्चे-बूढ़े शामिल हुए। शोभा यात्रा विभिन्न सड़क मार्ग से होकर आजाद पार्क पहुंची।

वहीं शोभायात्रा में शामिल

महिला नवीता राज ने बताया कि बरनवाल समाज का दो दिवसीय अधिकार सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसे लेकर रविवार को भव्य शोभायात्रा निकाली गई है, जिसमें समाज के हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए हैं। इस दौरान समाज के बच्चों के बीच डांस, चित्रकला, संगीत सहित कई प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया था।

उन्होंने कहा कि हमारा मुख्य उद्देश्य अपने राजनीतिक अधिकारों को लेना है, इसे लेकर दूर-दूर से लोग शामिल हुए हैं। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी भी कार्यक्रम में शामिल हुए है, इसे लेकर आजाद पार्क में भव्य मंच बनाया गया है, जहां समाज के अधिकार और हित को लेकर विस्तृत रूप से चर्चा की जाएगी।

पूरे राज्य में 70वीं सीसीई पुनर्परीक्षा नहीं होगी आयोजित, आयोग ने जारी किया नोटिस

पटना

बिहार लोक सेवा आयोग ने शनिवार को 70वीं संयुक्त प्रतियोगी प्रारंभिक परीक्षा (सीसीई प्रीलिम्स) के लिए राज्यव्यापी पुन: परीक्षा कराने से इनकार कर दिया। आयोग ने ऐसा निर्णय लेने के लिए साक्ष्य या आधार की कमी का हवाला दिया।

बीपीएससी के परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार ने स्पष्ट किया कि आयोग पुनर्परीक्षा और परीक्षा रद्द करने जैसे निर्णय जिला अधिकारियों द्वारा भेजी गई रिपोर्ट और अन्य पुख्ता सबूतों के आधार पर लेता है, न कि 'निराधार, निराधार, भ्रामक' आरोपों और 'नारों' के आधार पर।

नोटिस में कहा गया है, ''जहां तक दोबारा परीक्षा कराने का

सवाल है... यह स्पष्ट किया जाता है कि आयोग के समक्ष न तो किसी जिला अधिकारी द्वारा कोई रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई है और न ही अन्य स्रोतों से कोई साक्ष्य/प्रमाण प्राप्त हुआ है जिसके आधार पर कोई निर्णय लिया जा सके।''

उन्होंने कहा कि पटना में बापू परीक्षा केंद्र को छोड़कर राज्य भर के अन्य 911 परीक्षा केंद्रों पर दोबारा परीक्षा आयोजित करने का कोई आधार नहीं है।

आयोग ने कहा है कि, ''परीक्षा नियंत्रक, बिहार लोक सेवा आयोग, पटना ने एकीकृत 70वीं संयुक्त (प्रा.) प्रतियोगिता परीक्षा को पूरे राज्य के केन्द्रों पर पुनर्परीक्षा कराना क्यों सम्भव नहीं है, उसकी विस्तृत जानकारी मीडिया को दी थी, जिसे विभिन्न प्रिंट, इलेक्ट्रोनिक मीडिया एवं सोशल मीडिया पर इसका प्रकाशन एवं प्रसारण किया गया है!

लेकिन कुछ मीडिया द्वारा इसे सनसनीखेज बनाने के लिए यह कहकर प्रकाशित किया गया है कि ''किसी भी सुरत में पूरी परीक्षा की पुनर्परीक्षा नहीं ली जाएगी, आर-पार की लड़ाई'' इत्यादि !

यह भ्रान्ति फैलती है कि आयोग हठधर्मिता के कारण पर्याप्त प्रमाण रहते हुए भी सभी केन्द्रों पर पुनर्परीक्षा नहीं कराना चाहता ! जिससे आयोग की नकारात्मक छवि बनती है!

फर्नीचर मॉल पर प्रशासन का कड़ा रुख, दूसरी बार सील की गई इमारत

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया के खासमहाल की जमीन पर बिना नक्शा पास कराए बनाए गए फर्नीचर मॉल को नगर निगम प्रशासन ने एक बार फिर सील कर दिया है। शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में निगम अधिकारियों ने पूरे मॉल को सील करने की कार्रवाई की। यह कदम हाईकोर्ट के आदेश पर उठाया गया है।

जानकारी के मुताबिक, मामला शहर के सहायक खजांची थाना क्षेत्र के आरएन साह चौक स्थित फर्नीचर मॉल का है। निगम प्रशासन के अनुसार, इस मॉल को बगैर नक्शा पास कराए खासमहाल की जमीन पर खड़ा किया गया था। डेढ़ साल पहले भी इस बिल्डिंग को सील किया गया था और 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। मॉल मालिक ने तब से कोर्ट से स्टे ऑर्डर नहीं लिया, जिससे प्रशासन को दोबारा कार्रवाई करनी पड़ी।

फर्नीचर मॉल में लगभग 50 दुकानें हैं, जो सीलिंग की कार्रवाई के कारण खाली कराई गईं। नगर निगम अधिकारियों ने बिजली कनेक्शन काटकर पूरी इमारत को सील कर दिया।

यह कदम व्यापारियों के लिए झटका साबित हुआ और मॉल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

प्रशासन की कार्रवाई के दौरान

इलाके में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए।

मजिस्ट्रेट की निगरानी में कार्रवाई की गई, जिसमें नगर निगम के सिटी मैनेजर, सहायक खजांची थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार, भट्ठा टीओपी प्रभारी और भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। इलाके को पूरी तरह पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था ताकि किसी अप्रिय घटना को टाला जा सके।

गौरतलब है कि डेढ़ साल पहले भी इस मॉल को नियमों की अनदेखी कर बनाए जाने के चलते सील किया गया था।

साथ ही 10 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। लेकिन मॉल मालिक ने तब से कोई वैधानिक कदम नहीं उठाया, न ही कोर्ट से सील हटाने का आदेश लिया। हाईकोर्ट के निर्देशों के मद्देनजर, प्रशासन ने इस बार कठोर कार्रवाई करते हुए मॉल को पूरी तरह से सील कर दिया।

निगम की कार्रवाई के बाद दुकानदारों में गहरा आक्रोश और चिंता देखी गई। मॉल में अपनी दुकानें चलाने वाले व्यापारी अब अपने भविष्य को लेकर अनिश्चितता में हैं।

हालांकि, प्रशासन का कहना है कि यह कार्रवाई कानून के अनुसार की गई है और आगे भी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरि जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com